राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHI/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 287 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार ,21 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नजर...

अस्पताल के एनआईसीयू वार्ड में लगी आग

भीलवाड़ा, (एजेंसी)। राजस्थान के भीलवाड़ा में सरकारी महात्मा गांधी अस्पताल में बच्चों के एनआईसीयू वार्ड में मंगलवार सुबह अचानक केबल में आग लग गई। अस्पताल में आग से फैले धुंए से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि वार्ड में भर्ती बच्चों को दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। प्रधान चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण गोड ने बताया कि सुबह एनआईसीयू में शॉर्ट सर्किट होने से केबल में आग लगी और धुआं फैलने से अफरा-तफरी मच गई। वार्ड में 18 बच्चे भर्ती थे जिन्हें तत्काल दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर दिया। कुछ समय में ही केबल बदल दी गई और वार्ड में कार्य सुचारू हो गया।

आधारवाडी जेल में 30 कैदी पॉजिटिव मिले

ठाणे, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में कल्याण की आधारवाडी जेल में कम से कम 30 कैदी कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमित पाए गए हैं। रेजीडेंट चिकित्सा अधिकारी (आरएमओ) ने मंगलवार को जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमित कैदियों को ठाणे के सिविल अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। राज्य में कोरोना की यह दूसरी लहर है और जेल में बंद इन सभी कैदियों की कोरोना जांच की गयी है। अस्पताल के अधिकारी ने कहा कि 1800 कैदियों में से 30 कोरोना संक्रमित पाए गए है।

मजदूरों के लिए देशभर में नियंत्रण कक्ष बनें

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने कोरोना महामारी के कारण विभिन्न राज्यों में लग रही पाबंदियों के बीच प्रवासी मजदूरों की मदद के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किए हैं। केंद्रीय श्रम और रोजगार सचिव अपूर्व चंद्रा ने बताया कि पिछले साल अप्रैल में स्थापित प्रवासी मजदूर नियंत्रण कक्षों को फिर से शुरू कर दिया है। प्रवासी मजदूर सहायता के लिए इन कक्षों से संपर्क कर सकते हैं। ये नियंत्रण कक्ष फोन, व्हाट्सएप और ई-मेल के जरिए उपलब्ध हैं। ये नियंत्रण कक्ष किसी भी स्थान पर फंसे प्रवासी मजदूरों की निकासी और उन्हें अन्य प्रकार की सहायता या वित्तीय संबंधी दिक्कतों को दूर करने के लिए बनाए गए हैं।

किशोर नांदलस्कर का कोरोना से निधन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता किशोर नंदलास्कर का मंगलवार को मुबंई में निधन हो गया है। किशोर कोरोना से जूझ रहे थे। किशोर नंदलास्कर फिल्म वास्तव, सिम्बा, जिस देस में गंगा रहता है, खाकी, सिंघम जैसी तमाम फिल्मों काम किया है। बॉलीवुड के अवाला किशोर मराठी फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर कलाकार थे। किशोर की निधन की खबर से एक बार फिर से बॉलीवुड और मराठी फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर छा गई है। किशोर नांदलस्कर के पोते अनीष ने उनकी कोरोना से हुई मौत की जानकारी दी है।

तीन करोड़ की चरस जब्त दो तस्कर गिरफ्तार

बगहा, (एजेंसी)। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में भारत-नेपाल सीमा से सटे वाल्मीकि नगर थाना क्षेत्र के घने जंगलों से सशस्त्र सीमा बल (एससएसबी) के जवानों ने तीन करोड़ रुपए मूल्य के चरस के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। एसएसबी 21 वीं बटालियन के सहायक सेनानायक अमित कुमार शर्मा ने मंगलवार को यहां बताया कि सूचना के आधार पर उनके नेतृत्व में एसएसबी के जवानों ने सोमवार की रात घने जंगलों से गुजरने वाले बगहा-वाल्मीकि नगर मुख्य पथ पर धोबहा पुल के निकट दो तस्करों को तीन किलोग्राम चरस के साथ गिरफ्तार कर लिया।

कोरोना संकटः विश्वव्यापी महामारी के बढ़ते संक्रमण के बीच केंद्र सरकार गंभीर, विभिन्न विभाग सक्रिय

आम नागरिकों के लिए खोले जाएं सेना और डीआरडीओ के अस्पताल

रक्षा मंत्री ने दिए आदेश

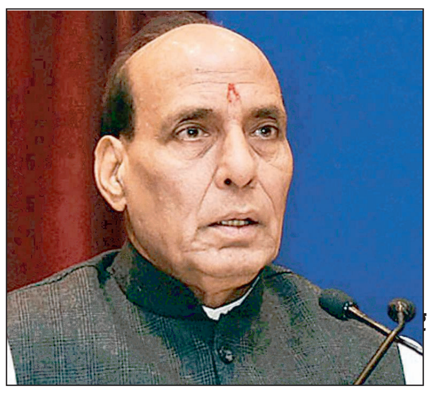

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में बेकाबू हुई कोरोना वायरस की दूसरी लहर की रफ्तार बेहद तेज है। पिछले तीन से लगातार 2.50 से अधिक नए कोरोना मरीज मिल रहे हैं, जिसके चलते अस्पतालों में बेड, वेंटिलेटर और ऑक्सीजन की किल्लत हो गई है। देश में तेजी से कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बड़ा फैसला किया है। रक्षा मंत्री ने सेना प्रमुख एमएम नरवणे, रक्षा सचिव और डीआरडीओ अध्यक्ष से कहा है कि वे सैन्य, कैंट और डीआरडीओ के अस्पतालों में आम नागरिकों को भी इलाज की सुविधाएं मुहैया कराएं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सेना के सभी लोकल कमांडर्स को अपने राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मिलकर उन्हें हर संभव मदद देने के लिए भी कहा है। इसी तरह रक्षा सचिव को आदेश दिया गया है कि वह कैंट बोर्ड के सारे अस्पतालों में आम नागरिकों का भी इलाज करें। बता दें कि देश में बेकाबू हुई कोरोना वायरस की दूसरी लहर का कहर जारी है। प्रतिदिन कोविड से मरने वालों की संख्या में भारी बढ़ोतरी दहशत पैदा कर रही है। देश में मंगलवार को नए मरीजों की संख्या में सोमवार की तुलना में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटे में 2.59 लाख से ज्यादा नए कोरोना मरीज मिले हैं। वहीं इस दौरान 1,761 लोगों की संक्रमण से जान चली गई है। इसी के साथ देश में संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 1,53,21,089 हो गई है। वहीं कोविड से 1,80,530 लोगों की जान जा चुकी है।

- देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 2,59,170 लाख नए मामले सामने आए और 1761 लोगों की इससे मौत हो गई।
- दिल्ली में कोरोना के एक दिन में सबसे ज्यादा 28,395 नए केस आए सामने, 277 मरीजों की मौत।
- महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में 62,097 लोग कोरोना से संक्रमित हुए हैं और इतने ही समय में 519 मरीजों की मौत हुई है।
- मुंबई में पिछले 24 घंटे में 7214 केस सामने आए तो 35 लोगों की मौत हुई।
- महाकुंभ से वापस लौटने के बाद नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह और उनकी पत्नी कोरोना पॉजिटिव हुए।
- देश में अब तक वैक्सीन की 44 लाख खुराक बर्बाद हो गई है। सूचना के अधिकार के तहत दायर एक आरटीआई अर्जी में यह जानकारी सामने आई है।
- उत्तर प्रदेश में मंगलवार से हर रोज रात्रि कर्फ्यू लागू रहेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीम इलेवन के साथ हुई बैठक में इस आशय के निर्देश दिए।

कोरोना पर पीएम मोदी के संबोधन को खोखला बता कांग्रेस का वार

नई दिल्ली । कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन को खोखला करार देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लिया और सारी जिम्मेदारी राज्यों पर डाल दी। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कटाक्ष करते हुए कहा कि मोदी के ज्ञान का सार यह था कि उनके बस का कुछ नहीं है और लोग अपनी जान की रक्षा खुद करें। उन्होंने ट्वीट किया, 1आज रात 8.45 बजे के ज्ञान का सार -्मेरे बस का कुछ नहीं, यात्री अपने सामान यानी जान की रक्षा स्वयं करें। कांग्रेस महासचिव अजय माकन ने एक बयान में कहा, राष्ट्र के नाम प्रधानमंत्री का संबोधन फिर से खोखली बात ही रहा। देश अप्रत्याशित और गंभीर संकट का सामना कर रहा है...इतने लोगों की मौत हो रही है कि श्मशानों और कब्रस्तानों में जगह नहीं बची है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री से उम्मीद थी कि वह यह बताएंगे कि उनकी सरकार ने अस्पतालों में बिस्तर बढ़ाने, ऑक्सीजन की आपूर्ति और जरूरी दवाओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए क्या किया है।बहरहाल, उन्होंने अपनी सारी जिम्मेदारियों से पीछे हटने और भारत को बचाने का दायित्व गैर सरकारी संगठनों, युवाओं और बाल मित्रों को सौंपने का चुनाव किया। माकन ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने रायों से लॉकडाउन नहीं लगाने की सलाह देते हुए अपनी जिम्मेदारी राय सरकारों पर डाल दी।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने कहा, प्रधानमंत्री के भाषण का सार यह है-लोगों की अपनी जिम्मेदारी खुद की है। अगर आप इससे पार पा लेते हैं तो किसी उत्सव और महोत्सव में जरूर मिलेंगे। तब तक के लिए शुभकामनाएं। ईश्वर आपकी रक्षा करे।

चुनाव जीतने जैसा जुनून कोरोना से जंग के लिए क्यों नहीं सिब्बल

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने मंगलवार को पूछा कि वह कोरोनो वायरस के खिलाफ युद्ध जीतने के लिए उतना ही जुनून क्यों नहीं दिखा रहे थे जितना चुनाव जीतने के लिए दिखाया गया था। कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बीच कांग्रेस ने केंद्र सरकार अपनी जिम्मेदारियों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है।

सिब्बल ने पश्चिम बंगाल में चुनावी रैलियों को संबोधित करने के लिए पीएम मोदी से सवाल किया है।

सिब्बल ने एक ट्वीट में कहा, मोदीजी, आप चुनाव जीतने के लिए अपनी सारी ताकत, मांसपेशियों की शक्ति, फेफड़े की शक्ति, संसाधनों का उपयोग करते हैं। हमारे लोगों के लिए कोरोनो वायरस के खिलाफ युद्ध जीतने के लिए एक ही जुनून क्यों नहीं?

सरकार ने रेमडेसिविर से हटाया आयात शुल्क

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र मोदी सरकार ने रेमडेसिविर एपीआई, रेमडेसिविर इंजेक्शन और बीटा साइक्लोडेक्सट्रिन (जो रेमडेसिविर बनाने में इस्तेमाल होता है) को आयात शुल्क से मुक्त कर दिया है। पीयूष गोयल ने खुद ट्वीट कर के इस बात की जानकारी दी और कहा कि इससे रेमडेसिविर इंडेक्शन की सप्लाई भी बढ़ेगी।

पीएम नरेंद्र मोदी का देश को संदेश

टीका और रोजगार साथ चलेंगे, लॉकडाउन आखिरी होगा विकल्प

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना संकट के बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने लॉकडाउन जैसी आशंकाओं से देशवासियों को राहत दी है। देश की जनता को भरोसा दिलाते हुए पीएम ने कहा कि देश में रोजगार और टीका साथ चलेंगे। यही नहीं उन्होंने राज्यों से भी अपील की है कि लॉकडाउन जैसी चीजों को आखिरी विकल्प के तौर पर ही अपनाएं। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमें आज जागरूकता की जरूरत है। यदि समाज खुद से उठ खड़ा हो तो फिर कंटेनमेंट जोन्स से लेकर लॉकडाउन तक की पाबंदियों की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने सामाजिक संगठनों को आगे आने की जरूरत है।

पीएम मोदी अपने संदेश ने कहा कि प्रचार माध्यमों से भी मेरी प्रार्थना है कि लोगों को सतर्क और जागरूक करने प्रयास बढ़ाएं। वे यह प्रयास करें कि डर का माहौल कम हो और लोग भय व भ्रम में न आएं। पीएम ने कहा कि हम देशवासियों की सेहत सुधारेंगे और अर्थव्यवस्था का भी सुधार करेंगे।

राम नवमी और रमजान का जिक्र

पीएम मोदी ने कहा कि कल राम नवमी है और हम भगवान राम से सीख लेते हुए मर्यादाओं का सही से पालन करेंगे। हम दवाई भी और कड़ाई भी की नीति का पालन करेंगे। वहीं रमजान के पवित्र महीने का 7वां दिन है। रमजान अनुशासन का प्रतीक है और कोरोना में इससे सीख मिलती है।

श्रमिकों का भरोसा जगाए रखें राज्य प्रशासन

श्री मोदी ने कहा कि मेरा राज्य प्रशासन से आग्रह है कि वो श्रमिकों का भरोसा जगाए रखें, उनसे आग्रह करें कि वो जहां हैं, वहीं रहें। राज्यों द्वारा दिया ये भरोसा उनकी मदद करेगा कि वो जिस शहर में हैं वहीं पर अगले कुछ दिनों में वैक्सीन भी लगेगी और उनका काम भी बंद नहीं होगा।

युवा साथियों से पीएम का अनुरोध

मेरा युवा साथियों से अनुरोध है कि वे अपनी सोसायटी, मोहल्ले, अपार्टमेंट्स में छोटी-छोटी कमेटियां बनाकर कोविड अनुशासन का पालन करवाने में मदद करें। हम ऐसा करेंगे तो सरकारों को न कंटेनमेंट जोन बनाने की जरूरत पड़ेगी, न कर्फ्यू लगाने की, न लॉकडाउन लगाने की। मेरे बाल मित्र, घर में ऐसा माहौल बनाएं कि बिना काम, बिना कारण घर के लोग, बाहर न निकलें। आपकी जिद बड़ा परिणाम ला सकती है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी हुए कोरोना पॉजिटिव, संपर्क में आए लोगों से की सावधानी बरतने की अपील

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि हुई है और वे अपने घर में आइसोलेशन में हैं। इस जानकारी को उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर शेयर किया और अपील की है कि हाल के दिनों में जो भी उनके संपर्क में आए हों, कोरोना से जुड़े सभी प्रोटोकॉल का पालन करें और सुरक्षित रहें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के स्वस्थ होने की कामना की है। मध्य प्रदेश क मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी कांग्रेस नेता के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

कांग्रेस सांसद के करीबी सूत्रों ने जानकारी दी कि डॉक्टरों के सलाह पर वो अपने घर में हैं। पिछले 12 दिनों से कांग्रेस नेता ने अपनी मां व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात नहीं की है और बहन प्रियंका गांधी वाड्रा से पांच दिन पहले मिले थे। अपने नेता राहुल गांधी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना के साथ यूथ कांग्रेस ने ट्वीट किया है।

इससे पहले आज उन्होंने ट्वीट के जरिए वैक्सीनेशन की प्रक्रिया को लेकर केंद्र सरकार को निशाने पर लिया था। साथ ही प्रवासी मजदूरों का मामला उठाते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि केंद्र को इनके खाते में रुपये डालने चाहिए।बता दें कि आज केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के भी कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इससे पहले सोमवार को कांग्रेस के एक अन्य शीर्ष नेता और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को संक्रमित होने के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया था। 88 वर्षीय मनमोहन सिंह को कोरोना वैक्सीन- कोवैक्सीन की दोनों खुराक दी जा चुकी है।

कोरोना वैक्सीन का मामला उठाते हुए भी 50 वर्षीय कांग्रेस नेता ने ट्वीट कर कहा, भारत सरकार का वैक्सीन में भेदभाव है कोई डिस्ट्रीब्यूशन की रणनीति नहीं। 18-45 वर्ष की उम्र वालों को मुफ्त वैक्सीन नहीं। कमजोर वर्ग के लिए वैक्सीन गारंटी नहीं। उल्लेखनीय है कि आज सुबह कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रवासी मजदूरों के मामले में ट्वीट कर केंद्र सरकार को उनकी जिम्मेदारी बताते हुए कहा था कि मजदूरों के खाते में उन्हें रुपये डालने चाहिए।

प्रधानमंत्री ने की राहुल गांधी के जल्द स्वस्थ होने की कामना- केरल के वायनाड से सांसद और कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्होंने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। पीएम मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा, मैं लोकसभा सांसद राहुल गांधी के जल्द स्वस्थ होने और उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

आपको बता दें कि राहुल गांधी ने अपने कोरोना पॉजिटिव होने की जानकारी देते हुए लिखा था, हल्के-फुल्के लक्षण दिखने के बाद जांच कराया, जिसमें मेरे कोरोना से संक्रमित होने का पता चला। हाल के दिनों में मेरे संपर्क में आए लोग सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का अनुसरण करें और सुरक्षित रहें।

कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने 50 वर्षीय राहुल गांधी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट किया, मुझे राहुल गांधी जी की सेहत को लेकर चिंता है। मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

एक साल में बनेगी कोवैक्सीन की 70 करोड़ से अधिक खुराक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत बायोटेक ने मंगलवार को साल में कोवैक्सीन की 70 करोड़ खुराक बनाने की क्षमता बढ़ाने की बात कही है। हैदराबाद, और बेंगलुरु में चरणबद्ध तरीके से इस लक्ष्य को हासिल किया जाएगा। कंपनी का कहना है कि टीका निर्माण में क्षमता विस्तार एक लंबी और थकाऊ प्रक्रिया है।

इसके लिए कई करोड़ रुपए और कई वर्षों के निवेश की आवश्यकता होती है। कंपनी ने कहा कि भारत बायोटेक कम समय में कोवैक्सीन बनाने की क्षमता का विस्तार करने में सक्षम है। इसका मुख्य कारण विशेष रूप से डिजाइन किए गए बीएसएल -3 सुविधाओं की उपलब्धता है। कंपनी ने कहा कि अन्य देशों में वैक्सीन निर्माण के लिए विशेषज्ञ पार्टनर खोजे जा रहे हैं। भारत बायोटेक ने क्षमता बढ़ाने के लिए भारतीय प्रतिरक्षाविदों (आईआईएल) के साथ भागीदारी की है। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की प्रक्रिया अच्छी तरह से चल रही है और आईआईएल के पास वाणिज्यिक पैमाने पर और जैव सुरक्षा नियंत्रण के तहत निष्क्रिय वायरल टीकों के निर्माण की क्षमता और विशेषज्ञता है। कोवैक्सीन को दुनिया के कई देशों में आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी मिली है। इसके साथ ही 60 के करीब देशों में बातचीत जारी है।

वतन वापसी का मंजर

विश्वव्यापी महामारी कोविद-19 में तालाबंदी के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी नईदिल्ली में पब्लिक परिवहन का इंतजार किए बिना ही प्रवासी परिवार अपने घरों के लिए निकल रहे हैं।

फैसला केंद्र सरकार ने 52 लाख कर्मचारियों को दिया तोहफा

एक जुलाई से 28 फीसदी डीए होगा बहाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश के 52 लाख कर्मचारियों के लिए डीए बहाली का ऐलान किया है। सरकार के इस कदम के बाद देश के केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी में बड़ा इजाफा होगा। केंद्र सरकार की घोषणा के मुताबिक, 1 जुलाई 2021 से केंद्र सरकार के कर्मचारियों के डीए लाभ को बहाल करने जा रही है। ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स डेटा रिलीज के मुताबिक, जनवरी से लेकर जून 2021 के बीच में कम से कम डीए में 4 फीसदी का इजाफा किया जा सकता है। डीए बहाल होने के बाद केंद्रीय कर्मचारियों का डीए 17 फीसदी से बढ़कर 28 फीसदी हो सकता है। इसमें जनवरी से जून 2020 तक डीए में 3 फीसदी बढ़ोतरी, जुलाई से दिसंबर 2020 तक 4 फीसदी बढ़ोतरी और जनवरी से जून 2021 तक 4 फीसदी बढ़ोतरी शामिल है।

कितनी बढ़ेगी आपकी सैलरी?

जैसा कि केंद्र ने 1 जुलाई 2021 से सभी तीन लंबित डीए किस्तों को दिए जाने की घोषणा की है। बता दें कि कोरोना वायरस महामारी के चलते सरकार ने डीए पर रोक लगा दी थी। डीए बढ़ने से उसी अनुपात में डीआर में भी बढ़ोतरी होगी। महंगाई भत्ते में इजाफा होने से केंद्र सरकार के रिटायर्ड कर्मचारियों का डीआर भी बहाल कर दिया जाएगा।

पीएफ और ग्रेच्युटी में होगा बदलाव

संभावित डीए बढ़ोतरी केंद्र सरकार कर्मचारी के मासिक पीएफ, ग्रेच्युटी योगदान पर भी असर डालेगी। सीजीएस के पीएफ व ग्रेच्युटी के योगदान की गणना मूल वेतन प्लस डीए के आधार पर की जाती है। 1 जुलाई 2021 से डीए बढ़ने वाला है, एक कर्मचारी का मासिक पीएफ और ग्रेच्युटी का योगदान में भी इसका असर दिखेगा। इसका मतलब है कि पीएफ और ग्रेच्युटी जैसे रिटायरमेंट-ओरिएंटेड फंड्स में ज्यादा पैसा जमा होगा।

सुशांत सिंह राजपूत की बायोपिक पर प्रतिबंध की मांग

दिल्ली हाईकोर्ट ने मेकर्स को भेजा नोटिस

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के जीवन पर आधारित बायोपिक बनाने वाले निर्माताओं को दिल्ली हाई कोर्ट ने नोटिस जारी कर दिया है। दिवंगत अभिनेता के पिता केके सिंह ने उनके बेटे पर बन रही बायोपिक पर रोक लगाने की मांग की है। उनकी इस याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने निर्माताओं को नोटिस भेजा है और जवाब-तलब किया है।

पिछले साल 14 जून को खबर सामने आई थी कि युवा अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत नहीं रहे। उन्होंने आत्महत्या कर ली है। मुंबई स्थित उनके फ्लैट से अभिनेता का शव बरामद किया गया था। इस मामले को अब एक साल होने जा रहा है। इसके बाद से लगातार जांच जारी है। इसमें तीन-तीन केंद्रीय एजेंसियों की एंट्री भी हुई। परिजनों, फैंस और बिहार सरकार की लगातार मांग के बाद केस को मुंबई पुलिस के हाथों से निकालकर सीबीआई को सौंप दिया गया था।

अभी जारी है एनसीबी जांच

सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले में जांच एजेंसियां ये पता लगाने की कोशिश करती रहीं कि ये आत्महत्या थी या हत्या। क्योंकि अभिनेता की खुदकुशी की खबर किसी के भी गले से नहीं उतर रही थी। समय के साथ जांच आगे बढ़ती गई और इसमें सीबीआई के बाद ईडी और एनसीबी की भी एंट्री हो गई। एनसीबी जांच अभी भी जारी है। एजेंसी ने एनडीपीएस कोर्ट में 33 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें रिया चक्रवर्ती और उसके भाई समेत 33 लोगों को आरोपी बनाया गया है।

ऑक्सीजन की आपूर्ति पर दिल्ली हाईकोर्ट का कड़ा रुख, कहा

उद्योग इंतजार कर सकते हैं, मरीज नहीं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्र सरकार ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया कि फिलहाल दिल्ली में ऑक्सीजन की आपूर्ति में कोई कमी नहीं है और कुछ उद्योगों को छोड़कर ऑक्सीजन के अन्य तरह के औद्योगिक इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से अदालत को बताया गया कि 20 अप्रैल तक की स्थिति के अनुसार मेडिकल ऑक्सीजन की आवश्यकता में 133 प्रतिशत की असामान्य बढ़ोतरी का अनुमान है। दिल्ली द्वारा बताई गई मांग का प्रारंभिक अनुमान 300 मीट्रिक टन का था, जिसका संशोधित अनुमान बढ़कर 700 मीट्रिक टन हो गया। केंद्र ने उच्च न्यायालय को यह जानकारी भी दी कि उसने दिल्ली सरकार के अस्पतालों को करीब 1,390 वेंटिलेटर मुहैया करवाए हैं।

इससे पहले, दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से सवाल किया था कि क्या उद्योगों की ऑक्सीजन आपूर्ति कम करके उसे वह मरीजों को मुहैया कराई जा सकती है। न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति रेखा पल्ली की पीठ ने केंद्र सरकार से कहा था कि उद्योग इंतजार कर सकते हैं। मरीज नहीं। मानव जीवन खतरे में है।

कट्टरपंथियों की मांग पर बोले इमरान, फ्रांसीसी दूत का निष्कासन कोई समाधान नहीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की प्रतिबंधित कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) की फ्रांस के राजदूत को निकाले जाने की मांग पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कोई समाधान नहीं है। उन्होंने सोमवार को कहा कि पश्चिम में ईशनिंदा की समस्या फ्रांस के राजदूत को निकालने से हल नहीं हो सकती। देश भर में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद राष्ट्र को संबोधित करते हुए खान ने कहा कि फ्रांसीसी राजदूत को निष्कासित करना केवल अन्य देशों में ईश निंदा की घटनाओं को बढ़ा देगा क्योंकि पश्चिम में वे इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहते हैं। उन्होंने कहा कि फ्रांस के साथ संबंध टूटने से यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ संबंध प्रभावित होंगे क्योंकि फ्रांस संघ के मुख्य देशों में से है और यूरोपीय संघ फ्रांस के साथ खड़ा होगा। इसके अलावा, पाकिस्तान के लिए कपड़े के निर्यात पर चोट होगी क्योंकि वे सीधे यूरोपीय संघ के लिए किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि टीएलपी और सरकार एक ही उद्देश्य का पालन कर रहे थे कि किसी को भी पैगंबर का अपमान नहीं करना चाहिए लेकिन उनके तरीके अलग थे।

कट्टरपंथियों ने पुलिस स्टेशन पर हमला कर बनाया था बंधक: पाकिस्तान के लाहौर शहर में बंधक बनाए गए 11 पुलिस कर्मियों को मुक्त करा लिया गया। कट्टरपंथियों ने रविवार को यहां एक पुलिस स्टेशन पर हमला कर इन पुलिसकर्मियों को बंधक बना लिया था। प्रतिबंधित कट्टरपंथी राजनीतिक पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के समर्थकों ने रविवार को यहां अपने रैली स्थल के समीप स्थित एक पुलिस स्टेशन पर हमला किया था। उन्होंने 11 पुलिसकर्मियों को बंधक बना लिया था। वे टीएलपी प्रमुख मौलाना साद रिजवी की रिहाई और फ्रांस में गत वर्ष प्रकाशित हुए एक कथित कार्टून को लेकर इस देश के राजदूत को पाकिस्तान से निकालने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। रिजवी को गत 12 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने रचा इतिहास, नासा के हेलीकॉप्टर ने मंगल ग्रह पर भरी पहली उड़ान

लॉस एंजिलिस। अमेरिकी अंतिरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगल ग्रह पर सफलता की एक नई छलांग लगाई है। उसके रोबोट हेलीकॉप्टर ने इस लाल ग्रह पर सोमवार तड़के पहली उड़ान भरकर इतिहास रच दिया है। धरती से परे किसी दूसरे ग्रह पर इस तरह की यह पहली उड़ान है। छोटे आकार का यह हेलीकॉप्टर उड़ान के दौरान दस फीट की ऊंचाई पाने में सफल रहा।

दूसरे ग्रहों पर खोज के नए तरीकों का मार्ग प्रशस्त

नासा ने कहा कि इस सफलता से सौर मंडल के मंगल समेत दूसरे ग्रहों पर खोज के नए तरीकों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। इस बीच इस प्रोजेक्ट की मैनेजर मिमि आंग ने कहा कि हम अब यह कह सकते हैं कि इंसान दूसरे ग्रह पर रोटरक्राफ्ट उड़ा सकते हैं।% नासा ने बताया कि कार्बन फाइबर के ब्लेड घूमने लगे और इनजेनयुटी नाम के हेलीकॉप्टर ने लाल ग्रह की सतह को छोड़कर उड़ान भरी। करीब दस फीट की ऊंचाई के बाद यह वापस लैंड कर गया और यह सब करीब 30 सेंकेंड का रहा। इस मिशन को लॉस एंजिलिस के पास स्थित नासा के जेट प्रोपल्सन लेबोरेटरी से संचालित किया गया। नासा ने इस मिशन की कुछ तस्वीरें जारी की हैं, जबकि वीडियो में हेलीकॉप्टर को धूल के बीच उड़ान भरते देखा गया।लगभग 1.8 किलोग्राम का यह रोबोट रोटरक्राफ्ट अपने चार कार्बन फाइबर ब्लेड के सहारे उड़ान भरने में सक्षम है। इसके ब्लेड 2400 राउंड प्रति मिनट की दर से घूम सकते हैं। यह स्पीड धरती पर मौजूद हेलीकॉप्टरों के ब्लेड की गति से लगभग आठ गुना ज्यादा है। साढ़े आठ करोड़ डॉलर (करीब 640 करोड़ रुपये) की लागत वाला यह हेलीकॉप्टर लाल ग्रह पर नमूने एकत्र करने में मददगार बताया जा रहा है। यह उन जगहों से भी नमूने एकत्र कर सकता है, जहां रोवर नहीं पहुंच सकता है। हेलीकॉप्टर उड़ान भरने के करीब पौने तीन घंटे बाद आंकड़े मिलना शुरू हो जाएंगे। नासा को इससे चित्र और वीडियो मिलने की भी उम्मीद है।

म्यांमार में पत्रकार की गिरफ्तारी पर जापान हुआ सख्त, तुरंत छोड़ने की मांग की

टोक्यो। म्यांमार के यंगून में जापान के एक पत्रकार यूकी किताजूमी को सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी उसके घर से हुई। इस घटना पर जापान सरकार सख्त हो गई है। सरकार ने म्यांमार के सैन्य शासन से पत्रकार को तुरंत छोड़ने की मांग की है। साथ ही जापानी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी कहा है। किताजुमी यंगून मीडिया नाम से कंपनी चलाते हैं। वह निक्के बिजनेस डेली के पत्रकार थे और वर्तमान में स्वतंत्र पत्रकार हैं। फरवरी में प्रदर्शन के कवरेज के दौरान उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

म्यांमार के प्रशासन से गिरफ्तारी व इससे जुड़ी अन्य जानकारियां मांगी गईं

उनकी गिरफ्तारी पर जापान के चीफ कैबिनेट सेक्रेटरी कात्सूनोबू काटो ने कहा कि म्यांमार के प्रशासन से गिरफ्तारी व इससे जुड़ी अन्य जानकारियां मांगी गई हैं। उन्होंने कहा कि पहले उनकी पहचान नहीं की जा सकी थी। बाद में जापानी मीडिया के माध्यम से पहचान हुई है। काटो ने कहा कि हमने म्यांमार से कहा है कि वह उसके सभी नागरिकों की सुरक्षा का ध्यान रखे।

कोरोना दुनिया में:बीते दिन 6.57 लाख नए केस

9 हजार से ज्यादा मौतें; तुर्की-अमेरिका से 5 गुना ज्यादा मामले भारत में आए

न्यूयार्क। दुनियाभर में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटों में दुनिया 6.57 लाख कोरोना संक्रमितों की पहचान हुई। इस दौरान 9,813 लोगों की मौत भी हुई। पिछले कुछ दिनों से भारत में सबसे ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। यहां 2.54 लाख से ज्यादा केस सामने आए। इसके बाद तुर्की (55,149), अमेरिका (51,650) और ब्राजील (34,642) में सबसे ज्यादा केस सामने आए। इस तरह भारत में बीते दिन तुर्की और अमेरिका से 5 गुना और ब्राजील से 7 गुना ज्यादा मामले आए।

अमेरिका-पाकिस्तान ने भारत से आने वाले यात्रियों पर रोक लगाई

भारत में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए ब्रिटेन-अमेरिका के साथ पाकिस्तान ने भी भारत से आने वाले यात्रियों के अपने देश में आने प रोक लगा दी है। सबसे पहले ब्रिटेन ने भारत के नागरिकों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी। भारत में कोरोना के मामलों के चलते ब्रिटेन ने भारत को यात्रा श्रेणी की रेड लिस्ट में डाल दिया। पाकिस्तान ने भी भारत से यात्रियों के आने पर दो सप्ताह के लिए रोक लगाने का सोमवार को फैसला किया है। वहीं, अमेरिका ने अपने देशवासियों को भारत की यात्रा से बचने की सलाह दी है।

नए वैरिएंट से खतरा

भारत में कोविड-19 का नया वैरिएंट पाया गया है। यह पिछले साल पाए गए वैरिएंट से ज्यादा घातक और तेजी से फैलने वाला यानी संक्रामक है। हनूक ने कहा- हम यह फैसला सावधानी के तौर पर ले रहे हैं, हालांकि यह काफी मुश्किल भी था। फैसला शुक्रवार से लागू होगा।

भारत में मौजूद ब्रिटिश हाईकमीशन ने कहा- यह निर्णय ब्रिटेन में नए वैरिएंट (भारत में पाए गए) को फैलने से रोकने के लिए लिया गया है। रूस ने भी सोमवार को भारत से जुड़ा एक अहम फैसला लिया। इसके वीजा सेक्शन ने फिलहाल ऑपरेशन्स रोक दिए हैं। यह निर्णय भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर को देखते हुए लिया गया है।

अब तक 14.26 करोड़ संक्रमित

दुनिया में अब तक 14 करोड़ 26 लाख से ज्यादा लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 30 लाख 43 हजार मरीजों की मौत हो चुकी है। 12.11 करोड़ लोग ठीक हो चुके हैं। फिलहाल 1.84 करोड़ लोगों का इलाज चल रहा है। इनमें एक लाख 8 हजार 184 मरीजों की हालत क्रिटिकल है और 1.83 करोड़ लोगों में कोरोना के हल्के लक्षण हैं।

ब्रिटिश लॉ कमीशन ने जारी की चेतावनी

सेल्फ ड्राइविंग कारें अश्वेतों को अंधेरे में पहचान नहीं पातीं, यह महिलाओं और बच्चों के लिए भी असुरक्षित

लंदन ब्रिटेन के लॉ कमीशन ने सेल्फ ड्राइविंग कारों में इस्तेमाल की जा रही टेक्नोलॉजी को लेकर चेतावनी जारी की है। विशेषज्ञों का कहना है कि सेल्फ ड्राइविंग कारें अश्वतों को पहचानने में पूरी तरह सक्षम नहीं है। साथ ही महिलाओं के मामले में भी इस टेक्नोलॉजी में भेदभाव बरता गया है। इसकी डिजाइन में खामी है, इनमें पूर्वाग्रह झलकता है। अगर इसमें सुधार नहीं किया गया तो नतीजे खतरनाक हो सकते हैं।

सेल्फ ड्राइविंग कारों में एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाता है और उन्हें इस तरह प्रशिक्षित किया जाता है कि वह पैदल चलने वालों को पहचान लें। इससे वे तय कर सकें कि कहां रुकना है और दुर्घटना से किस तरह बचना है। विशेषज्ञों ने यहां पूर्वाग्रह शब्द इसलिए इस्तेमाल किया है, क्योंकि अंधेरे या कम रोशनी में अश्वेत को ज्यादा जोखिम हो सकता है। लॉ कमीशन ने कहा है कि सेल्फ ड्राइविंग कारों में महिलाओं व सड़क पर सही तरह से न चलने वालों को लेकर भी समस्या आ सकती है। इन गाड़ियों के ऑपरेटिंग सिस्टम पुरुषों ने डिजाइन किए हैं। हालांकि ब्रिटेन में एक स्वतंत्र निकाय सेल्फ ड्राइविंग कारों के लिए कानूनी ढांचा तैयार कर रहा है। विशेषज्ञ इस बात को लेकर चिंतित हैं कि ब्रिटेन में 2035 तक 40ल नई कारें सेल्फ ड्राइविंग टेक्नोलॉजी वाली ही बिकेंगी। इसलिए जरूरी है कि सड़कों पर उतरने से पहले इन

गाड़ियों को हर तरह की परिस्थिति में प्रतिक्रिया देने के लिए पूरी तरह तैयार किया जाए। इसके रोडमैप पर काम कर रहे निकाय के प्रमुख एडमंड किंग के मुताबिक दुर्घटनाओं की बड़ी वजह इंसानों से होने वाली गलती है, पर हमें ये जोखिम नई टेक्नोलॉजी के साथ नहीं अपनाने चाहिए। यानी रोबोटिक गलतियां स्वीकार करनी चाहिए।

विशेषज्ञों का कहना है कि संभवतः सिस्टम को व्हीलचेयर और मोबिलिटी स्कूटर के हिसाब से भी प्रशिक्षित नहीं किया गया है। छोटे यात्रियों, महिलाओं और बच्चों का भी ध्यान नहीं रखा गया है, क्योंकि डिजाइनिंग पुरुषों को केंद्र में रख कर की गई है। इसके अलावा मौजूदा फेशियल रिकॉग्निशन टेक्नोलॉजी भी चेहरों के रंग पहचानने में भेदभाव करती है।

अमेरिका में सेल्फ ड्राइविंग मोड पर क्रैश हुई टेस्ला की कार, दो की मौत

अमेरिका के टेक्सास में टेस्ला की सेल्फ ड्राइविंग कार पेड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार स्पीड में थी और टक्कर के बाद इसमें आग लग गई। कार में बैठे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। संघीय अधिकारियों ने ऑटोपायलट ड्राइवर मोड और इसके जोखिमों के लिए कंपनी की आलोचना की है।

ब्रिटेन के किस फैसले से भड़की हुई हैं पाकिस्तान की मंत्री माजरी, कहा भारतीयों के साथ नहीं होता ऐसा कुछ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की मानवाधिकार मंत्री डॉक्टर शिरीन माजरी ब्रिटेन पर इस कदर भड़की हुई हैं कि उन्होंने इसमें भारत को भी शामिल कर लिया है। दरअसल उनके भड़कने की वजह ब्रिटेन द्वारा पाकिस्तान को रेड लिस्ट में डालना बनी है। इसके तहत ब्रिटेन ने पाकिस्तान स आने वालों को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया है। उनका कहना है कि पाकिस्तानियों के लिए कोरोना के लक्षण आने पर उन्हें ब्रिटेन ने क्वारंटीन करने को जरूरी बताया है जबकि ये नियम भारतीयों पर लागू नहीं है। आपको बता दें कि एक पाकिस्तानी नागरिक ने ट्वीट किया था जिसमें उसने बताया था कि उसको क्वारंटीन के लिए ब्रिटेन में 1750 पाउंड प्रति व्यक्ति खर्च करना पड़ रहा है। इसके जवाब में माजरी ने ट्वीट किया है कि ये पूरी तरह से अमानवीय है। ये नियम केवल उन्हीं लोगों पर लागू हो रहा है जो पाकिस्तानी हैं या पाकिस्तानी मूल के ब्रिटिश नागरिक हैं। ये नियम भारतीयों पर लागू नहीं हो रहा है जबकि वहां पर विश्व में सबसे अधिक मामले सामने आ रहे हैं। उनके मुताबिक पाकिस्तान को रेड लिस्ट किए जाने की बड़ी वजह पाकिस्तान से किया जाने वाला दुर्व्यवहार ही है।

अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा है कि ये ब्रिटेन के पाकिस्तानियों के प्रति भेदभावपूर्ण रवैये को दर्शाता है। अपने ट्वीट में उन्होंने उस पाकिस्तानी नागरिक का भी वीडियो शेयर किया है जिसके ट्वीट पर उन्होंने जवाब दिया था। इन लोगों ने आरोप लगाया है कि उन्हें खाने को भी कुछ नहीं दिया जा रहा है और छोटे बच्चों को जो खाना मिल रहा है वो बेहद ठंडा है जिससे बच्चे बीमार हो सकते हैं। इन लोगों का कहना है कि करीब 18-19 परिवारों के साथ इस तरह का रवैया अपनाया जा रहा है। क्वारंटीन हुए एक पाकिस्तानी नागरिक का कहना है कि ब्रिटेन को मानवाधिकारों के तहत ही सही लेकिन पाकिस्तानियों के साथ अच्छा सुलूक करना चाहिए।

नहीं रहे जिम्मी कार्टर के दोस्त

अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति वॉल्टर फिट्ज मोंडेल का 93 साल की उम्र में निधन, मेट्रोपोलिस शहर स्थित घर में ली अंतिम सांस

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति वॉल्टर फिट्ज मोंडेल का 93 साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने अपनी अंतिम सांस मेट्रोपोलिस शहर में स्थित अपने घर में ली है। इसकी पुष्टी उनके परिवार के प्रवक्ता कैथी तुनहाइम ने की है। उन्होंने बताया कि यहां वे अपने अपने परिवार के साथ रह रहे थे। वह 1977 से 1981 के बीच जिम्मी कार्टर सरकार में उपराष्ट्रपति थे। 1980 के चुनाव में रोनाल्ड रीगन के हाथों कार्टर को हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद 1992 तक डेमोक्रेट्स सत्ता में वापसी नहीं कर पाए थे।

पूर्व राष्ट्रपति जिम्मी कार्टर ने बताया सबसे अच्छा उपराष्ट्रपति:जिम्मी कार्टर ने मोंडेल के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि मैं अपने प्रिय मित्र मोंडेल के निधन पर शोक व्यक्त करता हूं। उन्हें मैं अपने देश का सबसे अच्छा उपराष्ट्रपति मानता हूं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान अपने राजनीतिक कौशल और व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा की मदद से उपराष्ट्रपति के पद को गतिशीलता प्रदान की और उन्हें नीति प्रेरक शक्ति में बदलने की कोशिश की। वह मिनेसोटा, अमेरिका और दुनिया के लिए बेहतरीन सहयोगी और सच्चे सेवक थे। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति जिम्मी कार्टर ने कहा कि फिट्ज ने हम सभी को पब्लिक सर्विस और प्राइवेट बिहेवियर का बेहतरीन मॉडल दिया। हम उन्हें उनकी सर्विस के लिए धन्यवाद देते हैं। साथ ही परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं।

एक महिला को राष्ट्रपति उम्मीदवार की घोषणा कर सबको चौंकाया था

1984 में मोंडेल ने डेमोक्रेटिक प्रेसीडेंशियल नोमिनेशन जीता था। लेकिन उन्होंने एक महिला उम्मीदवार जेराल्डिन फेरारो का राष्ट्रपति की उम्मीदवारी के लिए नाम आगे कर सबको चौंका दिया था। वह जापान में अमेरिका एंबेसडर और इंडोनेशिया में क्लिंटन के कार्यकाल में एनवॉय के पद पर भी रहे। उन्होंने आखिरी बार 2002 में चुनाव लड़ा था। इसमें वह नोर्म कोलमैन से हार गए थे।

ब्रिटेन का सख्त फैसला:भारत को ट्रैवल रेड लिस्ट में डाला

ब्रिटिश-आयरिश लोगों को भी 10 दिन क्वारैंटाइन रहना होगा; अन्य को प्रवेश ही नहीं

लंदन। ब्रिटेन सरकार ने भारत में कोविड-19 के नए वैरिएंट को देखते हुए बड़ा फैसला लिया। अगले आदेश तक ऐसे लोगों को ब्रिटेन आने की मंजूरी नहीं मिलेगी जो 10 दिन से भारत में थे। इस फैसले का असर ब्रिटिश, आयरिश और भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिकों पर नहीं पड़ेगा। यानी वो ब्रिटेन जा सकेंगे, लेकिन एक कड़ी शर्त के साथ। इन लोगों को ब्रिटेन पहुंचने के बाद अपने खर्च पर 10 दिन सरकार द्वारा तय होटल में क्वारैंटाइन रहना होगा। ब्रिटेन के हेल्थ मिनिस्टर मैट हनूक ने सोमवार को यह जानकारी संसद में दी।

मुश्किल फैसला

हनूक ने संसद में कहा- हम एक मुश्किल फैसला ले रहे हैं। भारत में कोविड-19 का नया वैरिएंट पाया गया है। इसके 103 मरीज ब्रिटेन में भी मिले हैं, लिहाजा भारत को हम शुक्रवार से ट्रैवल रेड लिस्ट में डालने जा रहे हैं। भारत में 10 दिन गुजारने वाले हर व्यक्ति (ब्रिटिश या आयरिश मूल के) को ब्रिटेन आने पर 10 दिन सरकार द्वारा तय होटल में क्वारैंटाइन रहना होगा। इसका खर्च भी उसे खुद उठाना होगा। ऐसे लोग जो ब्रिटिश या आयरिश नागरिक नहीं हैं और जो बीते 10 दिन से भारत में थे, उन्हें प्रवेश नहीं मिलेगा।

नए वैरिएंट से खतरा

भारत में कोविड-19 का नया वैरिएंट पाया गया है। यह पिछले साल पाए गए वैरिएंट से ज्यादा घातक और तेजी से फैलने वाला यानी संक्रामक है। हनूक ने कहा- हम यह फैसला सावधानी के तौर पर ले रहे हैं, हालांकि यह काफी मुश्किल भी था। फैसला शुक्रवार से लागू होगा। भारत में मौजूद ब्रिटिश हाईकमीशन ने कहा- यह निर्णय ब्रिटेन में नए वैरिएंट (भारत में पाए गए) को फैलने से रोकने के लिए लिया गया है। रूस ने भी सोमवार को भारत से जुड़ा एक अहम फैसला लिया। इसके वीजा सेक्शन ने फिलहाल ऑपरेशन्स रोक दिए हैं। यह निर्णय भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर को देखते हुए लिया गया है।

वैक्सीन से बदले हालात: यूएस में आधे वयस्कों को पहली डोज, यूरोप में हट रहा लॉकडाउन, लंबे लॉकडाउन के बाद पटरी पर जिंदगी

वाशिंगटन। अमेरिका में आधे वयस्क को कोरोना वैक्सीन की कम से कम एक डोज लग चुकी है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के आंकड़ों के अनुसार देश में 18 साल से ऊपर के 13 करोड़ लोगों को एक टीका लग चुका है, जो व्यस्क आबादी का 50.4फीसदी है।

वहीं, 8.4 करोड़ लोगों को वैक्सीन के दोनों डोज लग चुके हैं। हालांकि अभी भी अमेरिका नए केस मिलने के मामले में टॉप पर है। अमेरिका में रोज करीब 80 हजार केस सामने आ रहे हैं। जबकि करीब 900 लोगों की रोज जान जा रही है। एक्सपर्ट इसके लिए कोरोना के नए वैरिएंट को जिम्मेदार मान रहे हैं।

रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के आंकड़ों के अनुसार देश में 18 साल से ऊपर के 13 करोड़ लोगों को एक टीका लग चुका है, जो व्यस्क आबादी का 50.4फीसदी है।

कनाडा में भी नए वैरिएंट का तेजी से प्रसार हुआ है। दूसरी ओर, यूरोप के कई देशों में हालात पटरी पर लौटने के संकेत मिल रहे हैं। ग्रीस ने अब दूसरे देशों से आने वाले लोगों के लिए पाबंदियों में कुछ ढील दी है। अब अमेरिका, ब्रिटेन, यूएई, सर्बिया और इजरायल से आने वालों को ग्रीस पहुंचने प 72 घंटे पुरानी कोरोना नेगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी।

उपलब्धिः छोटे से देश भूटान में 16 दिन में 93फीसदी वयस्कों का टीकाकरण हुआ

भूटान ने 27 मार्च के बाद से करीब 93फीसदी वयस्क आबादी को टीका लगा दिया है। देश की 8 लाख आबादी में से 62फीसदी को टीका लग चुका है। भूटान पहला देश था, जिसे भारत ने वैक्सीन उपहार में दी थी। वैक्सीनेशन तेजी से करने के लिए टीके हेलीकॉप्टरों से दुर्गम इलाकों में पहुंचाए गए। पहाड़ों और सघन बर्फ के बीच वॉलंटियर ऑक्सीजन सिलेंडर और टीके लगाने के लिए गांव-गांव पहुंचे। वॉलंटियर्स को एक जगह पहुंचने में करीब 14 घंटे लगते हैं।

चिंताः बांग्लादेश में तीन दिन से हर 14 मिनट में हो रही है एक मौतः बांग्लादेश में बीते तीन दिन में हर 14 मिनट में एक संक्रमित व्यक्ति की मौत हो रही है। रविवार को देश में 18 मार्च 2020 के बाद पहली बार सबसे ज्यादा मरने वाले लोगों की संख्या 102 थी। पिछले दो दिन में 101 नई मौतें हुईं। भारत में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए हॉन्गकॉन्ग ने भारत से आने वाली उड़ानों पर रोक लगा दी। फ्लाइट्स 3 मई तक निलंबित रहेंगी। विस्तारा की दो उड़ानों में 50 यात्री संक्रमित मिलने के बाद यह फैसला लिया गया।

एक नजर

दिल्ली में एमआरपी से अधिक कीमत पर दवाएं बेचने वालों पर होगी कार्रवाई, मुनाफाखोरों पर सरकार सख्त

नई दिल्ली । दिल्ली के खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री इमरान हुसैन ने कोरोना संक्रमण से उत्पन्न स्वास्थ्य संकट का अनुचित लाभ उठाने वालों के खिलाफ अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों को फील्ड कर्मचारियों द्वारा की गई कार्रवाई की रोजाना समीक्षा करने और दैनिक आधार पर रिपोर्ट भेजने का भी निर्देश दिया है। इमरान हुसैन ने सोमवार को लीगल मेट्रोलॉजी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आवश्यक वस्तुओं विशेष रूप से जीवन रक्षक दवाओं जैसे आक्सीजन, रेमेडिसविर8 और टोसिलिज़ुमब इंजेक्शन इत्यादि की बिक्री में कुछ डीलरों, खुदरा विक्रेताओं, निर्माताओं, केमिस्ट आदि द्वारा अधिक कीमत वसूलने के मामलों पर विभाग द्वारा की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की। पैकेज्ड कमोडिटी रूल्स के अंतर्गत पैकेज्ड कमोडिटीज पर निर्माता / पैकर / आयातक का नाम और पता, उत्पाद का सामान्य नाम, शुद्ध मात्रा, निर्माण और प्री-पैकिंग का महीना और वर्ष एवम् उसकी वैधता, एमआरपी (सभी करों को मिलाकर) तथा उस व्यक्ति का नाम, पता, टेलीफोन नंबर जिसे उपभोक्ता शिकायत के मामले में संपर्क कर सकता है, जैसी अनिवार्य घोषणाओं की छपाई आवश्यक होती है। इस पैकेज्ड कमोडिटी रूल्स (पीसीआर) के अनुपालन में विफलता पर रिटेलर / निर्माता / व्यापारी आदि के खिलाफ लीगल मेट्रोलॉजी अधिनियम, 2009 और पैकेज्ड कमोडिटीज रूल्स, 2011 के तहत कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

खाद्य आपूर्ति मंत्री ने इसके लिए हर ज़िले में एक प्रवर्तन दल का गठन करने और आम जनता की जानकारी के लिए संपर्क विवरण, विभाग या दिल्ली सरकार की वेबसाइट पर प्रकाशित करने का निर्देश दिया। इमरान हुसैन ने खुदरा विक्रेताओं, व्यापारियों, निर्माताओं आदि से अपील भी की कि वे कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न हुए इस स्वास्थ्य संकट मे सरकार का सहयोग करें तथा पैकेज्ड कमोडिटी रूल्स के प्रावधानों का अनुपालन करें। वहीं दिल्ली के नागरिकों से उन्होंने अपील की कि वे पैक्ड वस्तुओं तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं पर किसी भी तरह की ओवरचार्जिंग की सूचना लीगल मेट्रोलॉजी विभाग को दें।

ग्रीन कारीडोर बनाकर ऑक्सीजन टैंकरों को अस्पताल तक पहुंचवा रही दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली । मानवीय सरोकार से जुड़े कार्यों के बीच इन दिनों दिल्ली पुलिस कोरोना संक्रमितों के लिए आक्सीजन का भी इंतजाम कर यह सुनिश्चित कर रही है कि अस्पताल में भर्ती मरीजों को सांस लेने में कोई तकलीफ नहीं हो। निहाल विहार के बाद अब ताजा मामले में बाहरी जिला की पश्चिम विहार थाना पुलिस ने शानदार काम किया है। पुलिस ने दिल्ली उत्तर प्रदेश व दिल्ली हरियाणा के बार्डर पर फंसे वाहन जिस पर आक्सीजन की खेप लदी थी, उन्हें तत्परता दिखाते हुए फौरन अस्पताल पहुंचाने का प्रबंध किया। लोग पुलिस की इस तत्परता की तारीफ कर रहे हैं। पश्चिम विहार स्थित एक्शन बालाजी अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक सुनील सुंबली ने 19 अप्रैल की रात करीब 11. 30 बजे पुलिस को सूचित किया कि अस्पताल में आक्सीजन सीमित मात्रा में ही उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि अभी यहां 235 कोरोना संक्रमित मरीज भर्ती हैं जिनके लिए आक्सीजन की आपूर्ति थोड़ी देर बाद कम पड़नी शुरू हो जाएगी। समस्या को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन की ओर से 14 हजार लीटर आक्सीजन की खेप ग्रेटर नोएडा व फरीदाबाद से आनी है। यह खेप टैंकर से लाया जा रहा है। लेकिन ग्रेटर नोएडा व फरीदाबाद से आने वाली यह खेप दिल्ली के बार्डर पर फंसा है। यदि यह खेप नहीं पहुंची तो दिक्कत होगी। इस सूचना के मिलते ही अधिकारी फौरन सक्रिय हुए। इसके बाद पुलिस की दो टीमें दिल्ली नोएडा व दिल्ली फरीदाबाद बार्डर पर भेजी गई। खेप अस्पताल तक तुरंत पहुंचे इसके लिए यह सुनिश्चित किया गया कि रास्ते में इसे कहीं नहीं रोका जाए। पुलिस ने इसके बाद दोनो मार्गों पर ग्रीन कारीडोर बनाकर टैंकरों को अस्पताल तक पहुचांया। आक्सीजन की कमी को तत्काल दूर करने के इरादे से बाहरी जिला पुलिस के अतिरिक्त उपायुक्त सुधांशु धामा ने अलग अलग अस्पतालों से संपर्क कर आक्सीजन सिलेंडर का इंतजाम करना शुरू किया। पुलिस ने अलग अलग अस्पतालों से संपर्क कर 40 आक्सीजन सिलेंडर का इंतजाम कर अस्पताल पहुंचाया ताकि जरूरत पड़ने पर इनका भी इस्तेमाल किया जा सके। गौरतलब है कि निहाल विहार थाना क्षेत्र स्थित एक अस्पताल में कुछ दिनों पहले आक्सीजन की कमी की जानकारी मिलने पर पुलिस ने फौरन आक्सीजन सिलेंडर का इंतजाम किया और अस्पताल तक पहुंचाया। इस मामले में भी अतिरिक्त उपायुक्त सुधांशी धामा व निहाल विहार के थाना प्रभारी महावीर सिंह की तत्परता की इंटरनेट मीडिया पर खूब तारीफ हुई।

दिल्ली में लॉकडाउन लगाने का भाजपा सांसद गौतम गंभीर ने किया केजरीवाल का समर्थन, दी ये नसीहत

नई दिल्ली । पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद गौतम गंभीर ने दिल्ली में एक सप्ताह के लिए लॉकडाउन लगाने का मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कोरोना से बदतर हो रहे हालात के मद्देनजर लगता है कि कोई अन्य तरीका नहीं था। इसके साथ ही गौतम गंभीर ने सीएम केजरीवाल की जमकर आलोचना भी की। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले साल से अब तक दिल्ली सरकार ने कोई तैयारी नहीं की। मुख्यमंत्री सिर्फ आकर भाषण देते हैं और कहते हैं कि मेरे हाथ में कुछ नहीं है।

गौतम गंभीर ने केजरीवाल से सवाल किया, आप 6 साल से मुख्यमंत्री हैं आपने क्या किया? आप दिल्ली में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं की बात करते थे। क्या दिल्ली में कोई अस्पताल है जहां बिस्तर उपलब्ध हैं?

गौतम गंभीर ने आरोप लगाया कि सरकार विज्ञापन पर करोड़ों रूपये खर्च किए। हर न्यूज चैनल पर हर 2 मिनट में सीएम केजरीवाल का विज्ञापन है। यह पैसा जनता की भलाई के लिए जाता तो दिल्ली में यह हालत नहीं होती।

वहीं, दिल्ली विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता और वरिष्ठ भाजपा नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कोरोना संकट में आम आदमी पार्टी (आप) पर राजनीति का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पर ध्यान देने के बजाय वह भाजपा पर दोषारोपण से बाज नहीं आ रही है। दिल्ली पर ध्यान न देने और राजनीति करने की वजह से ही कोरोना बेकाबू हुआ है। इसलिए उन्होंने दिल्ली सरकार से राजधानी की स्थिति और आप सरकार की तैयारियों पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। भाजपा के आरोप पर आम आदमी पार्टी ने कहा है कि यह बेहद निराशाजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा एक ऐसे मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही है जिसमें दिल्ली के लोगों का कीमती जीवन शामिल है। इस महामारी ने हम सभी को बुरी तरह प्रभावित किया है। ऐसे समय में फिर से सीएम केजरीवाल ने सभी सरकारों और एजेंसियों को कोरोना से लड़ने के लिए एक साथ आने के लिए कहा है। दिल्ली सरकार पहले ही अपने अधिकांश अस्पताल के बेड कोरोना मरीजों को समर्पित कर चुकी है।

दिल्ली से बिहार जाने वालीं ये 2 ट्रेनें अब आनंद विहार से नहीं होंगी रवाना

नई दिल्ली । आनंद विहार रेलवे स्टेशन से बिहार के भागलपुर और गया जाने वालें ये दो ट्रेनें 04092 आनंद विहार - गया समर स्पेशल एक्सप्रेस और 04004 आनंद विहार-भागलपुर समर स्पेशल एक्सप्रेस आने वाले समय में नई दिल्ली या पुरानी दिल्ली से रवाना होंगीं। इसकी वजह यह है कि पूर्वी दिल्ली स्थित आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए आइसोलेशन कोच खड़े कर दिए गए हैं। इसके चलते इस स्टेशन से चलने वाली कुछ ट्रेनों का परिचालन अन्य रेलवे स्टेशनों से करने की तैयारी की जा रही है। इस संबंध में उत्तर रेलवे मुख्यालय को तीन ट्रेनों को अन्य रेलवे स्टेशनों से चलाने का प्रस्ताव भेजा गया है, जिस पर निर्णय नहीं लिया गया है। दरअसल, कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते प्रभाव के चलते यहां पर आइसोलेशन कोच खड़े कर दिए गए हैं। ऐसे में प्लेटफार्म घिरने की वजह से सप्तक्रांति एक्सप्रेस, विक्रमशिला एक्सप्रेस समेत तीन ट्रेनों को आनंद विहार के बजाय पुरानी और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से चलाने का प्रस्ताव भेजा गया है। उत्तर रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि इस प्रस्ताव पर फिलहाल कोई निर्णय नहीं हुआ है।यहां पर बता दें कि दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार के अनुरोध पर पिछले साल आनंद विहार रेलवे स्टेशन को पूरी तरह से कोविड सेंटर में तब्दील कर दिया गया था। यहां से यात्री ट्रेनों का परिचालन बंद कर दिया गया था। सभी प्लेटफार्मों पर कोविड आइसोलेशन कोच खड़े किए गए थे।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता भी कोरोना पॉजिटिव, खुद को किया आइसोलेट

(आनंद राय)

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल कोरोना पॉजिटिव हो गई हैं। उन्होंने खुद को होम आइसोलेट कर लिया है। एएनआइ के हवाले से इसकी जानकारी दी गई है। इस बात की सूचना मिलने के बाद अरविंद केजरीवाल ने खुद को होम क्वारंटीन कर लिया है।

मालूम हो कि अरविंद केजरीवाल को पिछले साल जून में भी कोरोना से संबंधित कुछ शिकायतें हुई थीं, हालांकि उनकी रिपोर्ट उस समय निगेटिव आई थी। दिल्ली की मौजूदा स्थिति के बीच सीएम केजरीवाल काफी एक्टिव हैं। दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामलों और खराब हो रहे हालात को देखते हुए वो बैठकें कर रहे हैं। कई अस्पताल और अन्य जगहों का उन्होंने दौरा भी किया है। इन सबके बाद भी राजधानी दिल्ली में लगातार कोरोना का संक्रमण फैलता जा रहा है और अब हर दिन रिकॉर्ड मामले दर्ज किए जा रहे हैं. दिल्ली में बीते दिन भी 23 हजार के करीब कोरोना केस दर्ज किए गए थे। उसके बाद एक दिन में 25, 500 केस सामने आए थे।

शालीमार बाग स्थित फोर्टिस अस्पताल के पल्मोनरी मेडिसिन के विशेषज्ञ डा. विकास मौर्य ने कहा कि इस बार कोरोना से पीड़ित मरीजों में कई अलग तरह के लक्षण देखे जा रहे हैं। बुखार अधिक दिन तक है। डायरिया व पेट संबंधी परेशानी बड़े लोगों में भी देखी जा रही है। पहले फेफड़े में संक्रमण ज्यादातर मरीजों को दूसरे सप्ताह में होता था। अभी तीसरे व चौथे दिन फेफड़े में संक्रमण होने लगा है। इस बार युवा अधिक संक्रमित हो रहे हैं। कई युवाओं को गंभीर संक्रमण व निमोनिया के कारण आइसीयू में भर्ती कर आक्सीजन देना पड़ रहा है। बता दें कि दिल्ली में शुक्रवार को कोरोना के रिकॉर्ड 19,486 नए केस मिले और 141 मरीजों की जान चली गई। बीते एक सप्ताह में ही 97,097 मामले सामने आ चुके हैं। इस तरह सक्रिय केसों की संख्या 61,005 हो गई है। हालांकि, पिछले 24 घंटे में 12,649 मरीज स्वस्थ भी हुए हैं। राजधानी में आइसीयू बेड पूरी तरह से भर चुके हैं, इस वजह से सीएम अरविंद केजरीवाल ने सोमवार से लॉकडाउन की घोषणा कर दी थी।

अगर सरकार संसाधन उपलब्ध कराए तो आठ हजार बिस्तर देने को तैयारः जय प्रकाश

नई दिल्ली । कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने दिल्ली सरकार को आठ हजार बिस्तरों की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया है। इसके लिए निगम ने दिल्ली सरकार से संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की है। निगम का कहना है कि वह अपने स्कूलों, समुदाय भवनों और पाली क्लीनिक को आइसोलेशन केंद्र में तब्दील करने के लिए तैयार है, बशर्ते इसके लिए जरूरी सुविधाएं दिल्ली सरकार उपलब्ध कराए। सिविक सेंटर से वर्चुअल प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने कहा कि उन्होंने निगम के उन स्थानों की पहचान की है जहां पर कोरोना के मरीजों के इलाज की व्यवस्था की जा सकती है, लेकिन स्थानीय निकाय होने की वजह से उनके पास संसाधनों का अभाव है।

ऐसे में दिल्ली सरकार अगर उन्हें संसाधन दें तो आठ हजार मरीजों के इलाज की व्यवस्था हो सकती है। उन्होंने कहा कि कोरोना के गंभीर हालातों में वह दिल्ली सरकार की हरसंभव मदद करने के लिए तैयार है। महापौर ने कहा कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम के तहत आने वाले 71 विद्यालय हैं, जिनमें 1700 कमरे हैं, उनमें यदि एक कमरे में चार बिस्तर (बेड) लगाए जाएं तो 6800 बिस्तर विकसित किए जा सकते हैं।

इसी तरह 12 समुदाय भवन काफी बड़े हैं। इनमें सात सौ बेड बनाए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि निगम के 17 पालीक्लीनिकों में 2000 से 2500 बेड तक की व्यवस्था की जा सकती है और इन पालीक्लिनिको को आपातकालीन स्थिति के लिए किसी भी बड़े अस्पताल से जोड़ा जा सकता है। जय प्रकाश ने कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से बालक राम अस्पताल में कोविड केयर केंद्र के रूप में शुरू करने के लिए अनुमति देने का निवेदन किया है। उन्होंने बताया कि बालक राम अस्पताल में 100 बेड का कोविड केयर केंद्र बन कर तैयार है। महापौर ने बताया कि दिल्ली सरकार की ओर से लगाए गए छह दिन के लाकडाउन में निगम सैनिटाइजेशन का कार्य पूरी क्षमता के साथ करेंगे।

दिल्ली-एनसीआर में चलेगी धूल भरी आंधी, शाम को बारिश होने के भी आसार

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार सुबह से ही धूप गायब है और आसमान में बादल छाए हुए हैं। पश्चिमी विझोभ के असर से दिल्ली के वातावरण में ठंडेपन का अहसास बना हुआ है, लोगों को गर्मी से राहत मिली हुई है। उधर, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग का पूर्वानुमान है कि मंगलवार को शाम में धूल भरी आंधी के साथ आसमान में गड़गड़ाहट होगी। इसके साथ ही कुछ इलाकों में हल्की बारिश की भी संभावना है। इस दौरान दिल्ली-एनसीआर में हवा की रफ्तार 40 से 50 किमी प्रति घंटे की हो सकती है। कुल मिलाकर 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलेगी। वहीं, मौसम में इस बदलाव से तापमान में कुछ कमी आने से गर्मी से राहत मिलेगी।

वहीं, मौसम पर पूर्वानुमान जारी करने वाली निजी संस्था स्काईमेट वेदर के अनुसार, मंगलवार को पहाड़ों पर फिर से एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके असर से पहाड़ों पर बर्फबारी और बारिश होगी जबकि मैदानी इलाकों में धूल भरी आंधी चलने तथा बारिश होने के आसार हैं। पहाड़ों पर तो इस पश्चिमी विक्षोभ का असर गुरुवार तक यानी तीन दिन रहेगा, लेकिन दिल्ली सहित अन्य मैदानी इलाकों में केवल एक ही दिन के लिए मौसम करवट लेगा

दूसरी तरफ सोमवार को मौसम का मिजाज सामान्य रहा। दिनभर धूप खिली रही। हालांकि तापमान अपेक्षाकृत नियंत्रण में ही रहा। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 37.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 18.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 27 से 76 फीसद रहा। दिल्ली के विभिन्न इलाकों की बात करें तो अमूमन सभी केंद्रों पर अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। दिल्ली के पटपड़गंज इलाके में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 40.0 डिग्री सेल्सियस जबकि स्पो?र्ट्स कांप्लेक्स में सर्वाधिक न्यूनतम तापमान 25.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग अनुमान है कि आगामी 25 अप्रैल के बाद दिल्ली का तापमान 40 डिग्री के पार चला जाएगा। इस दौरान लू भी चलेगी। वैसे पिछले 2 साल के दौरान अप्रैल महीने में दिल्ली में लू नहीं चली। 2017 में भी इस महीने सिर्फ चार दिनों के लिए लू चली थी। ऐसे में लू चलने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

सोमवार को कहीं मध्यम तो कहीं खराब रही हवा

दिल्ली-एनसीआर की हवा सोमवार को फिर कई जगह खराब श्रेणी में दर्ज की गई। वीकेंड कर्फ्यू के चलते पिछले दो दिनों से सभी जगह की हवा सुधरकर मध्यम श्रेणी में आ गई थी। हालांकि सोमवार को कई जगह की हवा वापस खराब श्रेणी में पहुंच गई। अगले 24 घंटे में धूल भरी आंधी और बारिश की संभावना को देखते हुए हवा की स्थिति में कोई खास बदलाव होने के आसार नहीं है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी एयर क्वालिटी इंडेक्स के अनुसार दिल्ली का एयर इंडेक्स 187 के साथ मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया। इसके अलावा फरीदाबाद और गाजियाबाद का एयर इंडेक्स क्रमशः 214 और 218 रहा।

लॉकडाउन ने ताजा कर दी पुरानी यादें, कड़ाई से पेश आ रही है पुलिस

नई दिल्ली । यमुनापार में लगे छह दिन के लाकडाउन ने कोरोना के शुरुआती दिनों में लगे लाकडाउन की यादों को ताजा कर दिया। लॉकडाउन के पहले दिन मंगलवार को मार्केट बंद, मॉल सुनसान, पार्क खाली सड़कों पर जगह-जगह बैरिकेड्स लगाकर पुलिसकर्मी मुंह पर फेस शिल्ड, मास्क और दस्तानों के साथ सैनिटाइजर लिए हुए नजर आए। सड़कों पर एक अजीब सी खामोशी थी, वो खामोशी इस बात का इशारा कर रही थी सबकुछ ठीक नहीं है।

दवाई, किराना, दूध व सब्जी की दुकानें ही खुली रहीं, सड़कों पर फल और सब्जी की रेहड़ियां आम दिनों की तरह लगीं। लोगों ने पाबंदी का ध्यान रखते हुए खरीदारी की। सुबह और शाम के वक्त पुलिस ने रिहायशी इलाकों में नर्मी दिखाई, जबकि मुख्य मार्गों व मार्केट में पुलिस अपने तेवर में नजर आई। नंद नगरी बस डिपों के पास लाइन लगाकर खड़े आटो चालकों से पुलिसकर्मियों ने अपने डंडे से ही बात कीं, डंडे चलते ही वहां हड़कंप मच गया। चंद मिनटों में सड़क खाली हो गई।

वजीराबाद रोड, शाहदरा जीटी रोड, भजनपुरा, हर्ष विहार, गाजीपुर, मयूर विहार में पुलिस ने बैरिकेड लगाकर आने जाने वाले लोगों से पूछताछ की और ई-पास देखने के बाद ही उन्हें जाने दिया। कुछ लोग पुलिस से बहाने बनाते हुए भी नजर आए तो कुछ शराब ढूंढने के लिए घरों से निकले। नियमों का उल्लंघन करने वालों के पुलिस और सिविल डिफेंस वालंटियर ने चालान भी किए।

बिना वजह सड़कों पर घूम रहे लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया

सप्ताहांत कर्फ्यू के मुकाबले लॉकडाउन के पहले दिन पुलिस सख्त दिखी। पुलिस को जहां भी बिना वजह के लोग सड़कों पर घूमते हुए मिले, पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इसमें महिलाएं भी शामिल रहीं। दुर्गापुरी चौक और गाजीपुर पर पुलिस की टीमें बैरिकेड्स लगाकर वाहनों की जांच कर रही थी, कोई पैदल या वाहन चालक बिना किसी जरूरी काम के बाहर घूमते हुए पाया गया, पूछताछ कर उसे हिरासत में लेकर पास में खड़ी डीटीसी की बसों में बैठा दिया गया। नाम पता लिखने के बाद उन्हें वहां से दूर ले जाकर छोड़ दिया गया।

खाने के लिए भटके लोग, फल खाकर चलाया काम- यमुनापार में बड़ी संख्या में मजदूर वर्ग के लोग रहते हैं, जो दूसरे राज्यों से आकर यहां किराये पर रह रहे हैं। औद्योगिक क्षेत्रों, रिहायशी इलाकों में बने घरेलू उद्योगों व मार्केट में मजदूरी करते हैं। खाना ढाबों पर खाते हैं, लाकडाउन के कारण अधिकतर ढाबे और छोटे होटल बंद हैं। सिर्फ वही होटल और रेस्त्रा खुलें है जिनके यहां पर होम डिलीवरी की सुविधा है। गांधी नगर, कांति नगर, सीलमपुर, कोंडाली में ढाबे बंद होने से मजदूर खाने के लिए भटके, भूख पिटाने के लिए उन्होंने फलों का सहारा लिया।

गांधी नगर मार्केट के दिहाड़ी मजदूर राम प्रसाद ने बताया कि वह अपने पांच साथियों के साथ गीता कालानी में किराये पर कमरा लेकर रहते हैं, गांधी नगर पुश्ता रोड पर एक ढाबे पर खाना खाते थे। एक सप्ताह में उसका हिसाब करते थे। लेकिन ढ़ाबा बंद हो गया, खाना लेने के लिए कहीं जा रहे हैं तो पुलिसकर्मी पकड़ कर पीटने की कोशिश करने लगते हैं।

कोरोना के खिलाफ युद्धस्तर पर काम कर रही दिल्ली सरकार, अगले 4-5 दिनों में 2700 नए बेड बढ़ाये जाएंगेः सिसोदिया

नई दिल्ली । उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जनता को संबोधित किया और पैनिक न करते हुए लॉकडाउन का सही ढंग से पालन करने की अपील की। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार दिल्ली के अस्पतालों में बेड की संख्या बढ़ाने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि पिछले 2 हफ़्तों में दिल्ली में कोरोना बेड्स की संख्या 3 गुणा तक बढ़ाई गई है। 3 अप्रैल 2021 को दिल्ली में कोरोना बेड्स की संख्या 6071 थी जो आज 20 अप्रैल को 19101 है।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार कोरोना बेड्स बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है और आने वाले 4-5 दिनों में दिल्ली के अस्पतालों में 2700 नए बेड्स बढ़ा दिए जाएंगे। बुराड़ी अस्पताल में अभी 320 बेड्स मंजूर है जिनकी संख्या 800 की जाएगी। अम्बेडकर नगर अस्पताल में बेड्स की क्षमता 200 से 600 की जाएगी। दीनदयाल अस्पताल में बेड्स 250 से बढ़ाकर 750 किए जाएंगे। आचार्य भिक्षु अस्पताल और छत्रछ्ह के कोरोना सेंटर में 250-250 नए बेड्स शामिल किए जाएंगे।

नरेला के राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में बेड्स की संख्या 200 से 400 की जाएगी। साथ ही दिल्ली सरकार के एक स्कूल को एलएनजेपी अस्पताल से जोड़ा जाएगा जिसमें 125 बेड्स शामिल होंगे और कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज में 500 बेड्स का सेन्टर तैयार किया जाएगा। ये सभी बेड्स आगामी 4-5 दिनों में तैयार कर दिए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि अभी भी दिल्ली में करीब 2500 बेड्स खाली है। उपमुख्यमंत्री ने लोगों से पैनिक न होने और लॉकडाउन के सभी नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोरोना होने पर लोग डरकर अस्पताल की ओर न भागे बल्कि होम आइसोलेशन को अपनाए। होम आइसोलेशन कोरोना से लड़ने का सबसे कारगर उपाय है। होम आइसोलेशन के दौरान डॉक्टर नियमित रूप से लोगों से फ़ोन पर संपर्क में रहते है। यदि तेज बुखार आता है या सिम्पटम्स ज़्यादा बढ़ते है तभी अस्पतालों में जाए। उपमुख्यमंत्री ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अस्पताल जाने से पहले दिल्ली कोरोना ऐप पर अस्पतालों में बेड्स की स्थिति जांच ले और जहां बेड्स मौजूद हो वहां जाए इससे समय बचेगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई अस्पताल ऐप पर गलत जानकारीं दिखा रहा है या फिर बेड्स होने के बाबजूद लोगों को मना कर रहा है तो उस अस्पताल के खिलाफ कड़ी करवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि नोडल हेल्थ मिनिस्टर का पद संभालने के बाद से दिल्ली के उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया लगातार दिल्ली के अस्पतालों का दौरा कर कोरोना संबंधित व्यवस्था का जायजा ले रहे है।

दिल्ली वासियों का यह रवैया और लापरवाही कतई स्वीकार्य नहीं

नई दिल्ली । कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच दिल्ली में लॉकडाउन की घोषणा होते ही लोगों में अफरातफरी की स्थिति बन जाना चिंताजनक है। ज्यादातर बाजारों, मॉल, प्रमुख स्टोर, दुकानों, रेस्तरां इत्यादि सभी जगह दिल्लीवासी खरीदारी को ऐसे उमड़ पड़े जैसे दोबारा कभी खरीदारी कर ही न पाएंगे।

जिस संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए दिल्ली में छह दिन का लॉकडाउन लगाया जा रहा है, उसे एक ही दिन में इतना फैला दिया कि शायद छह दिन भी उसे तोड़ने या छोटा करने में कम पड़ जाएं। जगह जगह लोग शारीरिक दूरी के नियमों की ऐसे धज्जियां उड़ाते नजर आए मानो लॉकडाउन कोई पिकनिक हो। बहुत सी जगह सड़कों पर भी जाम देखने को मिला। दिल्लीवासियों का यह रवैया और लापरवाही कतई स्वीकार्य नहीं हो सकती। इसे सभ्य समाज का आचरण भी नहीं कहा जा सकता।

पिछले एक साल के दौरान यह अब साबित हो चुका है कि कोरोना को थामने में मास्क और शारीरिक दूरी के मानकों का अहम योगदान है। जहां कहीं भी इनका ईमानदारी व संजीदगी से पालन किया गया, कोरोना संक्रमण भी तेजी से कम हुआ है। लेकिन जहां लापरवाही बढ़ी वहीं स्थिति बिगड़ गई। हालांकि स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और दवाओं की कालाबाजारी भी हालात को भयावह बना रही हैं, इसके बावजूद संयम से काम लेना ही समझदारी है। इस बिंदु पर भी सोचा जाना चाहिए कि अगर सभी संयम से काम लें और संक्रमण से बचाव के लिए दिशा-निर्देशों का पालन करें तो शायद लॉकडाउन की नौबत ना आए। ध्यान रखना होगा कि यह महामारी हल्के में लेने लायक नहीं है। जनता की लापरवाही ही सरकार को कठोर निर्णय लेने पर विवश करती है।

दिल्ली में रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली । कोरोना मरीजों के उपचार में प्रयोग होने वाले रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल, दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा को रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी होने की जानकारी मिली थी। इससे जुड़ा एक वीडियो भी मिला था, जिसमें एक व्यक्ति इस इंजेक्शन को ब्लैक में देने की बात कर रहा था।

जांच में पता चला कि यह वीडियो लोनी रोड के दुर्गा पुरी एक्सटेंशन के पास स्थित गोयल मेडिकल स्टोर का है। वीडियो में दिख रहा व्यक्ति मेडिकल स्टोर में काम करने वाला रामअवतार शर्मा है। पुलिस ने बताया कि छापामारी के दौरान रामअवतार शर्मा को पकड़ा गया। उसकी निशानदेही पर मेडिकल स्टोर के संचालक बसंत गोयल को गिरफ्तार किया गया। यह विवेक विहार के रहने वाले हैं। अब पुलिस यह पता लगा रही है की इन दोनों ने अब तक कितने इंजेक्शन ब्लैक में बेच चुके हैं। वहीं, मालवीय नगर थाना पुलिस ने सम्मोहित कर महिलाओं कर ठगने वाले मां-बेटे को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने पंडित मदनमोहन मालवीय अस्पताल के बाहर जांच के लिए गई महिला से आभूषण ठग लिए थे। आरोपितों की पहचान शांति देवी और उसके बेटे प्रवीण के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को कोर्ट में पेश किया, जहां महिला को न्यायिक हिरासत में, जबकि युवक को पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है।

राकेश टिकैत हों या फिर गुरनाम सिंह चढ़ूनी, दोनों लगातार बरगला रहे किसानों को

नई दिल्ली/गाजियाबाद/सोनीपत । तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली-एनसीआर के बॉर्डर पर पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों के किसानों का धरना जारी है। कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते खतरे और प्रभाव के बीच संयुक्त किसान मोर्चा धरना प्रदर्शन से पीछे हटने के लिए तैयार नहीं हैं। धीरे-धीरे किसान आंदोलन का एक सच यह भी सामने आने लगा है कि प्रदर्शनकारी तीनों कृषि कानूनों की अच्छाई को न समझकर अपने नेताओं-आंकाओं के आदेश पर चल रहे हैं। खासकर संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं के अलावा, भाकियू (चढ़ूनी) के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी और भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत लगातार किसानों का गुमराह कर रहे हैं। यह भी एक सच्चाई है कि दोनों ही नेता एक दूसरे को पसंद नहीं करते और आरोप-प्रत्यारोप तक लगा चुके हैं।

इस बीच कृषि कानूनों में सुधार के खिलाफ चल रहे आंदोलन में चार माह बाद भाकियू (चढ़ूनी) के प्रमुख गुरनाम चढ़ूनी सोमवार को टीकरी बॉर्डर के मंच पर पहुंचे। मंच पर आए गुरनाम चढ़ूनी ने कहा कि सरकार हमारे आंदोलन को जबरन खत्म नहीं करवा सकती। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार यह न सोचे कि किसानों को दबाव में घर भेज दिया जाएगा।

यहां पर बता दें कि दिल्ली में लॉकडाउन लगने से पहले ही भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने एलान कर दिया था कि लॉकडाउन लगने के बावजूद यूपी बॉर्डर पर किसानों का प्रदर्शन नहीं थमेगा। दरअसल, राकेश टिकैत का किसानों पर प्रभाव है, ऐसे में उनके बयान असर करते हैं। यही वजह है कि किसान न तो तीनों कृषि कानूनों की अच्छाई समझ पा रहे हैं और न ही इस पर हो रही राजनीति की गहराई तक पहुंच सके हैं।

इस मंच से चढ़ूनी ने कोरोना संक्रमण को लेकर भी अजीबो-गरीब बात कही। तेजी से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के कारण दिल्ली में एक सप्ताह का पूर्ण लॉकडाउन लग चुका है, लेकिन इसके बावजूद दिल्ली सीमा के अंदर ही चल रहे इस आंदोलन के मंच से गुरनाम चढ़ूनी ने कहा कि आंदोलनकारियों के बीच कोरोना नहीं है। यह आंदोलन को खत्म करवाने का षड्यंत्र है। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन के बीच कोरोना संक्रमण का फैलाव होता तो काफी किसानों की मौत हो चुकी होती। किसान बीमार नहीं हैं।

सरकार यदि हमें डराकर यहां से उठाएगी तो हम सरकार को चेतावनी देते हैं कि यहां बेशक जलियांवाला बाग बना दो, लेकिन हमें घर नहीं भेज सकते। जब तक हम नहीं जीतेंगे, तब तक घर नहीं जाएंगे।दरअसल, गुरनाम चढ़ूनी टीकरी बॉर्डर के मंच पर पहले 16 दिसंबर, 2020 को पहुंचे थे। तब यहां उनके साथ दु?र्व्यवहार हुआ था। उनके मंच पर बोलने को लेकर पंजाब के किसानों ने आपत्ति जताई थी। गुरनाम चढ़ूनी इससे नाराज होकर स्टेज से उतर गए थे। बाद में अन्य किसान नेता उन्हें दोबारा मंच पर ले गए थे। इसके बाद उन्होंने कहा था कि मंच साझा है। अगर इस तरह का व्यवहार हुआ तो आंदोलन टूट जाएगा।

वहीं, आंदोलन तो चलता रहा, गुरनाम चढ़ूनी भी बहादुरगढ़ में आंदोलनकारियों के बीच कई बार आए, लेकिन टीकरी बॉर्डर के मंच पर कभी नहीं चढ़े। चार माह बाद सोमवार को इस मंच पर फिर से पहुंचे गुरनाम चढ़ूनी ने कहा कि इन कृषि कानूनों के बनने से पहले भी किसान सुखी नहीं थे। कई किसानों ने आत्महत्या की है। देश में सभी संसाधन हैं, लेकिन उनका ठीक तरह से बंटवारा नहीं हुआ। इन संसाधनों पर पूंजीपतियों का कब्जा है। गरीबों की आय घटती जा रही है। पूंजीपतियों की आय बढ़ रही है।

संपादकीय

हालात जल्दी संभल जाएंगे, लेकिन...

कोरोना संक्रमण में तेज उछाल आने के बाद अस्पतालों पर काफी दबाव बढ़ गया है। ऑक्सीजन, बेड की कमी के साथ-साथ जरूरी दवाओं के अभाव की खबरें सुर्खियां बनने लगी हैं। इस तरह की सूचनाएं समाधान तलाशने के बजाय हमें डराती ज्यादा हैं। यह सही है कि कोरोना की दूसरी लहर से बच जाने की हमारी मिथ्या कल्पना, लंबे समय तक शहरी इलाकों में वायरस के सक्रिय रहने से उसमें हुआ 'म्यूटेशन' और दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, ब्रिटेन जैसे 'वैरिएंट' के प्रसार के कारण देश की आज यह हालत हुई है, और रोजाना के नए मरीजों की संख्या दो लाख के आंकड़े को पार कर चुकी है। मगर, हालात अब भी संभाले जा सकते हैं।

अभी कोरोना जांच और इलाज में जो व्यावहारिक दिक्कतें हो रही हैं, उसकी कई वजहें हैं। दरअसल, सितंबर, 2020 के बाद जब संक्रमण में ढलान दिखने लगा था, तब हमें यही लगा कि हमने बुरा दौर देख लिया है, और हम निश्चिंत होने लगे। मार्च, 2020 की तुलना में भले ही जांच की रफ्तार काफी बढ़ गई थी, पीपीई किट व मास्क वगैरह देश में ही बनने लगे थे, और टीका-निर्माण में भी हमने सफलता पा ली थी, लेकिन अपने देश की एक नियति यह भी है कि तमाम सुविधाएं अमूमन शहरों में सिमटकर रह जाती हैं। ग्रामीण भारत में आज भी बहुत कम जांच हो रही है। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में सैंपल को जांच के लिए काफी दूर भेजा जाता है। इसकी एकमात्र वजह यही है कि आरटी-पीसीआर लैब हर जगह मौजूद नहीं है। नतीजतन, दूसरी लहर में जब संक्रमण विशेषकर नए इलाकों (ग्रामीण हिस्सों) में फैला, तब वहां के सैंपल अत्यधिक मात्रा में शहरी लैब में पहुंचने लगे। शहरों में संक्रमण पहले से था। फिर, हल्का सर्दी-जुकाम होने पर भी हम तुरंत आरटी-पीसीआर टेस्ट कराने को उत्सुक होने लगे। जिन्हें कोरोना का कोई लक्षण नहीं था, वे भी ट्रेसिंग के नाम पर टेस्ट कराने लगे। इन सब वजहों से जांच-घर पर काफी ज्यादा बोझ बढ़ गया, और जो आरटी-पीसीआर रिपोर्ट 24 घंटे के अंदर मिल जाती थी, अब 48 या 72 घंटों के बाद मिलने लगी है।

इस संकट से पार पाने का यही उपाय है कि जिन लोगों में कोरोना के लक्षण नहीं हैं, वे आरटी-पीसीआर टेस्ट न कराएं। वैसे भी, अपने यहां 99 फीसदी मरीज मामूली रूप से बीमार हैं। ये खुद-ब-खुद या मामूली इलाज से ठीक हो सकते हैं। अगर वे बेहिसाब टेस्ट कराते रहेंगे, तो रिपोर्ट में देरी गंभीर मरीजों के लिए घातक हो सकती है। फिर, अस्पतालों की भी दुविधा है कि वे ऐसे मरीजों को सामान्य वार्ड में रखें या कोरोना वार्ड में। लिहाजा, बिना लक्षण या मामूली लक्षण वाले मरीजों को थोड़ी समझदारी दिखानी चाहिए। ऐसे मरीजों या 'ट्रेसिंग' के लिए रैपिड एंटीजेन टेस्ट किए जा सकते हैं। यह जांच उन गंभीर मरीजों की भी हो सकती है, जो आरटी-पीसीआर टेस्ट के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं। यह सही है कि एंटीजेन टेस्ट की अपनी कुछ कमियां हैं, लेकिन मौजूदा स्थिति में उस पर भरोसा कारगर हो सकता है। हम चाहें, तो एंटीजेन टेस्ट में निगेटिव आने वाले उन मरीजों की आरटी-पीसीआर जांच कर सकते हैं, जिनमें कोरोना के लक्षण दिख रहे हैं। यह हम सभी को समझना होगा कि जांच-घर की पर्याप्त संख्या होने के बावजूद हर जगह आरटी-पीसीआर की सुविधा नहीं है। इतना ही नहीं, सितंबर के 'पीक' में भी हम रोजाना 60 हजार के करीब आरटी-पीसीआर जांच कर रहे थे, जिसकी संख्या बढ़ाकर अब एक लाख कर दी गई है। रही बात अस्पतालों में बेड की, तो पिछली बार इस मोर्चे पर खासा मेहनत की गई थी। कई सारे अस्पतालों को पूरी तरह से कोविड अस्पताल बना दिया गया था। मगर एक सच यह भी है कि उस वक्त हम इन अस्पतालों का पूरा इस्तेमाल नहीं कर सके थे। कई बेड खाली ही रहे। इसके कारण दूसरी बीमारियों से पीड़ित मरीजों को काफी परेशानी उठानी पड़ी थी। इस बार इसका ख्याल रखा जा रहा है। जरूरत के हिसाब से बेड की संख्या बढ़ाई जा रही है। जहां जरूरत न हो, वहां आम मरीजों को भी दाखिला मिलना चाहिए। संभव हो, तो एक नियंत्रण कक्ष बनाया जा सकता है, जो बेड के बंटवारे पर नजर रखे और उसे नियंत्रित करे। बेड की खपत को कम करने के लिए मामूली लक्षण वाले मरीजों को उनके घर में ही आइसोलेट (अलग-थलग रखकर इलाज करना) किया जा सकता है। अभी उच्च व मध्यम वर्ग में संक्रमण ज्यादा दिख रहा है। इस तबके के मरीज माली तौर से सक्षम होते हैं, इसलिए तुरंत निजी अस्पताल पहुंच जाते हैं। इससे गंभीर मरीजों को परेशानी हो सकती है। निजी अस्पतालों में कुप्रबंधन की शिकायतें भी आम हैं, इसलिए उन पर मरीजों का बोझ नहीं बढ़ना चाहिए। गंभीर मरीजों को ही अस्पतालों में दाखिला मिले, बाकी मरीजों के लिए डॉक्टरों के 'होम विजिट' की सुविधा हो। एक नियंत्रण कक्ष भी बनाया जा सकता है, जिसमें पर्याप्त संख्या में विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद हों और वे फोन पर मरीजों को उचित सलाह दें। उनकी चिंताओं को सुनकर उन्हें मानसिक तौर पर मजबूत भी बनाएं। घर के माहौल में मरीज कहीं बेहतर तरीके से ठीक हो सकता है। वैसे भी, गंभीर मरीजों की संख्या कम है। उन्हें बेहतर प्रबंधन से संभाला जा सकता है। इन दिनों सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) की वकालत भी खूब की जा रही है। देखा जाए, तो अभी निजी अस्पताल इसी व्यवस्था के तहत काम कर रहे हैं। वे कोविड मरीजों को इलाज देने के साथ-साथ टीकाकरण अभियान को भी गति दे रहे हैं। बेशक वहां कुछ अलग तरह की दिक्कतें हैं, लेकिन सार्वजनिक-निजी भागीदारी तब कारगर होगी, जब निजी अस्तपालों में कोविड मरीज न हों और उनकी सुविधाओं का सरकार अपने हित में इस्तेमाल करे। फिलहाल ऐसी स्थिति नहीं है। हां, गंभीर रोगियों को अपने यहां दाखिला देकर वे सरकार का सहयोग कर सकते हैं। अपने यहां कुप्रबंधन के कारण मौतों की संख्या बढ़ी है। सरकार अपनी तरफ से इसे कम करने की कोशिश कर रही है। उम्मीद है, जल्द ही हालात बेहतर बन जाएंगे।

प्रवीण कुमार सिंह

हिंद महासागर में क्वाड का नौसैनिक अभ्यास, चीन को घेरने की पहल

> उस वर्ष भारत ने अपनी नौसैनिक क्षमता दिखाते हुए सिद्ध किया था कि वह ऐसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान न केवल तमिलनाडु और अंडमान निकोबार द्वीपसमूह को सुरक्षा दे सकता है, बल्कि अपने पड़ोसियों मालदीव, श्रीलंका और इंडोनेशिया को भी सहायता दे सकता है। भारत के 32 जहाजों और करीब 5,500 कार्मिकों ने हिंद महासागर की सुनामी के समय अपनी मानवतावादी सहायता पड़ोसी देशों को उपलब्ध कराई थी। इसके बाद जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री ने 'आर्क ऑफ प्रोस्पेरिटी एंड फ्रीडम' और दो महासागरों के संगम की धारणा के जरिये हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के संगम को इस क्षेत्र के राष्ट्रों के लिए साझे हित के रूप में प्रस्तुत किया था।

इसी सप्ताह टोननेर और फ्रिगेट नाम के दो फ्रांसीसी जहाज 'ला पेरोज' संयुक्त अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए जब कोच्चि बंदरगाह पहुंचे तो भारत और फ्रांस की सामरिक साझेदारी की महत्ता का पता लगा। इन जहाजों ने बंगाल की खाड़ी में फ्रांसीसी नौसेना के नेतृत्व में होने वाले संयुक्त अभ्यास में भी हिस्सा लिया। वर्ष 2018 में फ्रांस के राष्ट्रपति ने इस संदर्भ में अपनी इंडो पैसिफिक रणनीति की रूपरेखा प्रस्तुत की थी और इस क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता और विकास को विश्व शांति व समृद्धि के लिए आवश्यक माना था। भारत और फ्रांस की नौसेनाओं ने पिछले वर्ष हिंद महासागर के रीयूनियन द्वीप में संयुक्त पेट्रोलिंग की थी। यह द्वीप हिंद महासागर में फ्रांस के नियंत्रण वाला विदेशी क्षेत्र है। यह मेडागास्कर और मॉरीशस से निकट भी है।

फ्रांस हिंद महासागर में एक मजबूत नौसैनिक शक्ति है जिसके अड्डे अबू धाबी, जिबूती, मायोट और रियूनियन द्वीप में हैं और इसके साथ ही दक्षिणी प्रशांत महासागर में फ्रेंच पोलिनेशिया और न्यू कैलेडोनिया में भी इसके नौसैनिक अड्डे हैं। इसी साल फ्रांस इंडियन ओसियन रिम एसोसिएशन का 23वां पूर्ण सदस्य देश बना है जिससे हिंद महासागर को चीन जैसे देशों के एकाधिकारवादी मानसिकता के दायरे से बाहर निकालने की फ्रांस की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। इसके साथ ही अप्रैल के अंतिम सप्ताह में भारत और फ्रांस के बीच पश्चिमी हिंद महासागर में वरुण नौसैनिक अभ्यास को संपन्न किया जाना है। इससे जाहिर होता है कि फ्रांस भारत और मिलते विचारों वाले देशों के साथ मिलकर महासागरीय सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं। विभिन्न देशों के साथ नौसैनिक अभ्यासों को संपन्न करने के साथ ही भारत की मैरीटाइम डिप्लोमेसी तो मजबूत हो रही है, साथ ही भारत की ब्लू वॉटर नेवी बनने के लिए आवश्यक सामर्थ्य का भी

विकास हो रहा है। अभी पिछले माह ही क्वाड के सदस्य देशों के नेताओं की पहली वर्चुअल मीटिंग हुई थी जिसमें भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के शासनाध्यक्षों के बीच जिस मुद्दे पर सबसे प्रमुख रूप में बात हुई वह थी इंडो पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा और भारत का सागर विजन। इस बीच कोविड वैक्सीन को लेकर भारत और अन्य सदस्यों ने जिस तरह से सकारात्मक सोच को जाहिर किया उसने क्वाड को एक सकारात्मक और समावेशी सोच वाले फोरम के रूप में बनाए रखा, सदस्य देशों ने इसमें जलवायु परिवर्तन, सागरीय सुरक्षा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी सहयोग और आपूर्ति प्रणालियों पर चर्चा कर इसे चीन के प्रति संतुलन करने वाले ब्लॉक पर एक बहुआयामी महत्व वाले समूह के रूप में प्रस्तुत किया। ऑस्ट्रेलिया का कहना था कि 21वीं सदी हिंद-प्रशांत क्षेत्र की है जो दुनिया की तकदीर तय करेगी। भारत ने हिंद महासागर और हिंद प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा के लिए जागरूकता, सतर्कता और परोक्ष चेतावनी के देने के मकसद से बड़ी शक्तियों के साथ मिलकर मालाबार और रिमपैक जैसे अभ्यासों को संपन्न किया है। अमेरिका के साथ युद्ध अभ्यास भी भारत विशेष मकसद से ही करता है। मालाबार संयुक्त अभ्यास के तर्ज पर भारत ने अंडमान सागर में सिंगापुर और थाइलैंड के साथ वार गेम्स भी संपन्न किया है। वहीं वियतनाम की नौसेना के साथ मिलकर दिसंबर 2020 में दक्षिण चीन सागर में भारत द्वारा पैसेज एक्सरसाइज भी महासागरीय सहयोग के नाम पर संपन्न किया गया। इन सब अभ्यासों से दो देशों की नौसेनाओं के मध्य पारस्परिक विश्वास और आपसी समझ बढ़ती है। आतंकवाद निरोधक क्षमता विकसित करने में मदद मिलती है। लेकिन इससे भी बड़ी बात यह है कि महासागरीय संसाधनों के अनधिकृत दोहन की कुछ राष्ट्रों की प्रकृति का सामूहिक प्रतिकार करने का अवसर इससे मिलता है। वर्तमान समय में चीन की पश्चिमी हिंद महासागर के पॉलीमेटालिक अन्वेषण पर चीन की निगाह लगी हुई है। बंगाल की खाड़ी में हुए इस नौसैनिक अभ्यास के बाद चीन के सुर में थोड़ा बदलाव दिख रहा है। चीन का कहना है कि क्वाड की महाशक्तियों का यह अभ्यास क्षेत्रीय शांति को बढ़ावा देने पर केंद्रित होना चाहिए, न कि प्रतिस्पर्धा के भाव से इसे बढ़ावा दिया जाए। हिंद महासागर क्षेत्र में हुआ यह नौसैनिक अभ्यास इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि बंगाल की खाड़ी क्षेत्र और बिमस्टेक दक्षिण व दक्षिण पूर्वी एशिया में क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिहाज से अहम क्षेत्र है। भारत के नौसैनिक जहाजों सतपुड़ा और किलतान ने भारत के पी-8 आइ लॉन्ग रेंज मैरिटाइम पैट्रोल एयरक्राफ्ट के साथ इस संयुक्त अभ्यास में भाग लिया। यह वही एयरक्राफ्ट है जो भारत को अमेरिका से मजबूत प्रतिरक्षा संबंधों के चलते मिला था। भारत ने कुछ समय पूर्व इस एयरक्राफ्ट को ओमान की खाड़ी में तैनात किया था जिसका मकसद समुद्री डकैतों की गतिविधियों पर निगाह रखना था। इसी बीच छह अप्रैल को भारत और वियतनाम ने वर्चुअल स्तर पर अपना दूसरा समुद्री सुरक्षा संवाद भी आयोजित कर यह संदेश दिया कि वे इंडो पैसिफिक की सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय कार्य में संलग्न हैं। वियतनाम पहला दक्षिण पूर्वी एशियाई देश है जिसने एपेक संगठन में भारत की सदस्यता को एशिया प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा और विकास के दृष्टिकोण से आवश्यक मानते हुए भारत की सदस्यता का समर्थन वर्ष 2000 से ही किया है।

समुद्री रास्ते से संकीर्ण मलक्का जलडमरूमध्य तक अपनी आपूर्तियों के लिए चीन अंडमान सागर को एक 'चोक प्वाइंट' के रूप में देखता है। इसलिए अंडमान सागर में अंतरराष्ट्रीय नियमों को चीन बर्दाश्त नहीं कर पाता। चीन दक्षिण एशिया के राष्ट्रों श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश में अपनी उपस्थिति बढ़ाकर अपने लिए वैकल्पिक समुद्री और स्थल आधारित आपूर्ति मार्ग के निर्माण की मंशा रखता है और इसके लिए सक्रिय भी है। इसके साथ ही मध्य पूर्व से चीन तक ऊर्जा आपूर्ति में मलक्का स्ट्रेट की भूमिका किसी से छुपी नहीं है। यही कारण है कि चीन की ईरान से भी दोस्ती लगातार बढ़ रही है। दोनों ने अभी 25 वर्षीय सहयोग समझौते पर भी हस्ताक्षर किया है। इंडो पैसिफिक क्षेत्र में पूर्वी अफ्रीकी देश भी आते हैं जहां चीन अपनी आर्थिक कूटनीतिक पहुंच को बढ़ाने के प्रयास में है। इस लिहाज से भी हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा का प्रश्न संवेदनशील है। अभी तक अमेरिका की रुचि तेल पर नियंत्रण रखने की थी, पर अब अमेरिका तेल का बड़ा उत्पादक बन गया है। इससे मध्यपूर्व पर ऊर्जा के लिए उसकी निर्भरता कम हुई है। वहीं, चीन के लिए तेल का मुख्य जरिया मध्यपूर्व ही है। इस लिहाज से चीन की हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती रुचि पर लगाम लगाना राष्ट्रों के लिए जरूरी हो गया है। क्वाड की परिकल्पना वर्ष 2004 में सुनामी के बाद सामने आई थी। उस वर्ष भारत ने अपनी नौसैनिक क्षमता दिखाते हुए सिद्ध किया था कि वह ऐसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान न केवल तमिलनाडु और अंडमान निकोबार द्वीपसमूह को सुरक्षा दे सकता है, बल्कि अपने पड़ोसियों मालदीव, श्रीलंका और इंडोनेशिया को भी सहायता दे सकता है। भारत के 32 जहाजों और करीब 5,500 कार्मिकों ने हिंद महासागर की सुनामी के समय अपनी मानवतावादी सहायता पड़ोसी देशों को उपलब्ध कराई थी। इसके बाद जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री ने 'आर्क ऑफ प्रोस्पेरिटी एंड फ्रीडम' और दो महासागरों के संगम की धारणा के जरिये हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के संगम को इस क्षेत्र के राष्ट्रों के लिए साझे हित के रूप में प्रस्तुत किया था।

विकासशील देशों में ब्याज दर में बदलाव करने का व्यावहारिक निर्णय

हमारी अर्थव्यवस्था में लघु बचतों का बड़ा योगदान है। ऐसे में ब्याज दर में परिवर्तन चाहे वह बचत खातों पर हो या बैंकों द्वारा आम लोगों और व्यापारियों को दिए जाने वाले कर्ज पर हो या रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों को उसके पास जमा राशि एवं उनको दिए जाने वाले कर्ज पर हो, अर्थव्यवस्था की न केवल स्थिति दर्शाते हैं, बल्कि उसे प्रभावित भी करते हैं। ये निवेश, बचत, उत्पादन, रोजगार, कीमतों और मुद्रा के प्रवाह पर असर डालते हैं।

हाल ही में वित्त मंत्री द्वारा सरकारी बचत योजनाओं में जमा राशि पर ब्याज दर में कटौती की घोषणा से लोग आशंकित हो गए। यद्यपि उन्होंने कुछ ही घंटों में इसे वापस ले लिया, जो राजनीतिक कारणों से प्रेरित माना जाता है और उसका दोष नौकरशाही पर मढ़ दिया गया। हालांकि इसका दूसरा पहलू यह है कि ब्याज दर में कटौती की प्रक्रिया विश्वव्यापी है। अधिकांश देशों, विशेष कर विकसित और विकासशील देशों में ब्याज दर में लगातार गिरावट आ रही है। दुनिया में कई ऐसे देश हैं जहां बैंकों में जमा राशि पर शून्य या नाम मात्र का ब्याज मिलता है। जापान इन देशों में एक है। स्वीडन, स्विट्जरलैंड और डेनमार्क भी इन देशों में शामिल हैं। ब्याज दर में कटौती के पीछे एक तर्क यह है कि लोग रुपया बैंकों या बचत योजनाओं में रखने की अपेक्षा अधिक से अधिक खर्च करें, ताकि चीजों और सेवाओं की मांग बढ़े जिससे उत्पादन और रोजगार में वृद्धि हो और अर्थव्यवस्था का तेजी से विकास हो।

कम ब्याज दर पर कर्ज की व्यवस्था के पीछे भी यही तर्क है। सस्ता कर्ज अधिक खर्च और अधिक निवेश को बढ़ावा देने में कारगर होता है। वित्तीय घाटे से जूझती सरकारें ब्याज दर घटाकर अपना दायित्व कम करती हैं, आकर्षक ब्याज दर की योजनाएं निकालती हैं, किंतु बजटीय घाटे में बढ़त होने पर ब्याज दर में कटौती करने लगती हैं। अर्थव्यवस्था में मंदी की स्थिति में भी ऐसे निर्णय लिए जाते हैं, जैसा जापान में पिछली सदी के आखिरी दशक में हुआ, जब रीयल स्टेट और शेयर कीमतें जमीन छूने लगीं, अर्थव्यवस्था तेजी से नीचे जाने लगी और ब्याज दर छह प्रतिशत से 0.25 प्रतिशत पर आ गया। लोगों के पास अधिक मुद्रा हो और लोग खर्च करें, इसके लिए ब्याज दर में कटौती के साथ साथ सरकार ने भारी राहत पैकेज भी दिए।

इस बीच हमारे देश में कोरोना की मार से आहत अर्थव्यवस्था से उबरने के लिए भारत सरकार ने भी बड़े राहत पैकेज दिए। रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कमी किए बैंकों द्वारा दिए जाने वाला कर्ज सस्ता किया, किंतु बैंक बचत खातों और सरकारी बचत योजनाओं की ब्याज दर में उस समय कटौती नहीं की। कीमतों में अत्यधिक उतार चढ़ाव को नियंत्रण में लाने के लिए भी ब्याज दर में परिवर्तन किया जाता है। चढ़ती कीमतों को रोकने के लिए ब्याज दर बढ़ाया जा सकता है और जब कीमतें गिर रही हों तो ब्याज दर घटाया जा सकता है। अर्थव्यवस्था में मंदी की स्थिति में जब कीमतें ढलान पर होती हैं रिजर्व बैंक रेपो रेट में कमी करता है, ताकि कॉमर्शियल बैंक उससे अधिक कर्ज लें और ग्राहकों को सस्ते दर पर कर्ज दें जो उनकी क्रय और निवेश की क्षमता बढ़ाए। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए रिजर्व बैंक ने फरवरी 2019 से अब तक रेपो रेट में 185 बेसिक प्वाइंट की कमी की और रेपो रेट को चार प्रतिशत पर स्थिर किया है। हाल के महीनों में जब कीमतों में वृद्धि होने लगी तो रेपो रेट में कटौती रोक दी।

विश्व की सबसे समृद्ध अर्थव्यवस्था अमेरिका में वर्षो से ब्याज दर दो प्रतिशत के आसपास रही है। यूरोपीय देशों में एक से दो प्रतिशत वर्ष की जमा राशि पर औसत ब्याज दर 0.8 से 3.8 प्रतिशत के बीच में है। इसी तरह से पोलैंड, जर्मनी, स्पेन, पुर्तगाल, इटली, नीदरलैंड, ग्रीस, फ्रांस एवं बुल्गारिया में ब्याज दर एक से लेकर तीन प्रतिशत के आसपास है। अंतरराष्ट्रीय बैंकों में ब्याज दर तीन से चार प्रतिशत और चीन में पांच प्रतिशत के करीब है।

इस संबंध में उल्लेखनीय है कि कम विकसित देशों के बैंक अधिक ब्याज देते हैं। टीबीसी बैंक एवं बैंक ऑफ जार्जिया एक वर्ष की जमा राशि पर 9.4 प्रतिशत, ईवोका बैंक आर्मेनिया 9.5 प्रतिशत, एक्सेसरीज बैंक अजरबैजान 10 प्रतिशत, खान बैंक मंगोलिया 14 प्रतिशत, एशिया एलायंस 15 प्रतिशत एवं असाका बैंक उजबेकिस्तान 17 प्रतिशत ब्याज देते हैं। सबसे अधिक ब्याज अफ्रीका के पिछड़े देशों के बैंक देते हैं। युगांडा में 16 प्रतिशत, बुरुंडी में 16.6 प्रतिशत, रवांडा में 17.9 प्रतिशत, गांबिया में 21.1 प्रतिशत और मलावी में 21.8 प्रतिशत ब्याज दर है।

विकास के साथ अर्थव्यवस्था में स्थिरता आती है, मुद्रा मजबूत होती है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चलन में स्वीकृत होती है। बैंकों में रकम डूबने का डर कम होता जाता है, निवेश के अवसर बढ़ते हैं, कीमती वस्तुओं और सेवाओं की मांग बढ़ती है। बैंक की जगह लोग रीयल स्टेट, शेयर बाजार और सुरक्षित बांडों में निवेश पसंद करते हैं। अमेरिका में ढाई लाख डॉलर तक एवं यूरोपियन यूनियन के देशों में एक लाख यूरो तक खाताधारक की जमा राशि भुगतान की गारंटी के अंदर होती है। भारत में यह पांच लाख रुपये है। भारत में बचत खाते पर ब्याज दर ढाई प्रतिशत से चार प्रतिशत और सावधि खाते पर तीन से सात प्रतिशत के आसपास है। पोस्ट ऑफिस बचत खाते पर ब्याज दर चार एवं सावधि खाते पर 6.9 से 7.7 प्रतिशत के बीच है। सरकारी बचत योजनाओं जैसे पीपीएफ, सीनियर सिटिजन सेविंग्स एवं सुकन्या समृद्धि में ब्याज दर अवश्य कुछ आकर्षक हैं।

कोरोना के बीच किल्लत

कोरोना की दूसरी लहर देश भर में जैसा भयावह रूप लेती जा रही है, वह अच्छा संकेत नहीं है। मरीजों की बेतहाशा बढ़ती संख्या के बीच अस्पतालों में आईसीयू बेड, ऑक्सिजन सिलिंडर और रेमडेसिविर दवा की भारी कमी की खबरें कई राज्यों से आ रही हैं। दिल्ली सरकार ने तो आधिकारिक तौर पर इन सबकी कमी की बात मानी है। कई राज्यों से ऐसी अपुष्ट रिपोर्टें आ रही हैं। मध्य प्रदेश के शहडोल में ऑक्सिजन की कमी से छह लोगों की मौत की खबर है। हालांकि सरकार इन मौतों के कारणों की जांच करवा रही है, इसलिए अभी पक्के तौर पर यह नहीं माना जा सकता कि मौत ऑक्सिजन की कमी के चलते हुई है। बहरहाल, ऑक्सिजन की कमी एक बड़ी समस्या है जिसे दूर करने की कोशिश में तमाम सरकारें लगी हुई हैं। रेलवे ने खास तौर पर ऑक्सिजन एक्सप्रेस चलाने की घोषणा की है ताकि कम से कम सप्लाई लाइन बाधित होने की वजह से अस्पतालों में ऑक्सिजन की कमी न होने दी जाए। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी समस्या के मद्देनजर राज्य में दस नए ऑक्सिजन प्लांट जल्द से जल्द लगवाने का आदेश दिया है। जाहिर है, इससे फौरी तौर पर ऑक्सिजन की कमी दूर करने में कोई मदद शायद ही मिले, लेकिन कोरोना का जो रूप दिख रहा है, उसमें यह चुनौती इतनी जल्दी नहीं दूर होने वाली। ऐसे में थोड़ा आगे की सोच कर फैसला लेना समझदारी का कदम ही कहलाएगा। अफसोस की बात यह है कि इस कठिन समय में जमाखोर भी सक्रिय हो गए हैं।. कई जगहों से रेमडेसिविर ब्लैक में कई गुना ज्यादा कीमत पर बेचे जाने की खबरें मिल रही हैं। इन पर रोक लगाने की कोशिशें फलित नहीं हुई हैं। आईसीयू बेड की कमी से निपटने के भी प्रयास हुए हैं, लेकिन वे काफी नहीं। ऐसे संकटपूर्ण हालात में जहां आवश्यक कदमों में असामान्य तेजी लाने की जरूरत होती है, वहीं शांति, समझदारी और संयम बरतने की आवश्यकता भी बढ़ जाती है। एक भी गैरजरूरी या गलत कदम परिस्थिति की जटिलता को कई गुना बढ़ा सकता है। सबसे ज्यादा जरूरी है यह याद रखना कि सरकार की ताकत का इस्तेमाल कहां होना चाहिए और कहां नहीं। आवश्यक दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी करने वाले तत्वों पर सख्ती से रोक पहली जरूरत है। सरकार उस मोर्चे पर पूरी कड़ाई बरते। लॉकडाउन जैसे कदमों से त्रस्त लोगों की तकलीफ समझी जाए, जहां तक हो सके उनकी मदद करने की कोशिश हो। लेकिन सरकार के लिए सबसे बड़ा और कठिन मोर्चा है मरीजों के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने का। इलाज के काम में पूरे देश का समूचा स्वास्थ्य ढांचा जुटा ही हुआ है।

कोरोना के चलते तमाम बंदिशों के बावजूद देश ने आर्थिक चुनौतियों का डटकर किया सामना

> उन्हें गांधी शांति पुरस्कार से नवाज कर और बांग्लादेश की परियोजनाओं को समर्थन देकर उन्होंने कई भ्रमों को तो दूर किया ही, सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण काम किया। बांग्लादेश के मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना तो स्वाभाविक है, पर कभी अखंड भारत की अब पराई हो चुकी धरती पर पहुंचना एक दुर्लभ अवसर था। उनके इस कदम से बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय का मनोबल सुदृढ़ हुआ होगा। इन प्रयासों से दोनों देशों के बीच सार्थक संवाद और संचार का अवसर बना है। भारत ने सहयोग का हाथ आगे बढ़ाया है और आशा है कि इसका अन्य देशों द्वारा स्वागत किया जाएगा।

दक्षिण एशिया के विभिन्न देश अपनी निजी समस्याओं में जिस तरह उलझे हुए हैं, उससे इस क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता और विकास के मोर्चों पर मुश्किलें बढ़ी हैं। कोरोना वायरस से उपजी कोविड महामारी के मुश्किल दौर में इन सभी देशों की आर्थिक गतिविधियां भी बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। ऐसे में जब क्षेत्रीय राजनीति और वैश्विक भागीदारी की दृष्टि से पूरे क्षेत्र पर संकट के बादल गहरा रहे थे, तब भारत ने संयम के साथ स्वास्थ्य, अर्थ, शिक्षा, राजनीतिक प्रक्रिया और व्यवस्था के मामलों में साहस और धैर्य से काम लिया। इसकी लगातार कोशिश की जाती रही कि देश की आधार-संरचना की व्यवस्था न चरमराए। इसमें सफलता भी मिली। इसके बावजूद कि आर्थिक चुनौती बड़ी थी, देश ने उसका डटकर सामना किया और संतुलन बनाने की कोशिश की। इसी तरह न्याय, स्वास्थ्य और परिवहन जैसी आम नागरिक सेवाओं पर बड़ा दबाव था।

शिक्षा के क्षेत्र में अध्ययन-अध्यापन की भारी चुनौती खड़ी हुई। धीरे-धीरे इन्हें शुरू किया गया और इंटरनेट की सहायता से ऑनलाइन पढ़ाई-लिखाई की व्यवस्था करते हुए गाड़ी को पटरी पर लाने की कोशिश की गई। शिक्षा और परीक्षा, दोनों को बड़े पैमाने पर ऑनलाइन ढंग से करने के लिए जिस व्यवस्था और कौशल की जरूरत थी, उसके लिए पहले से तैयारी तो नहीं थी, परंतु संस्थाओं और सरकारों ने उसे मुस्तैदी से लिया और केंद्रीय सरकार ने अनेक उपक्रम शुरू किए, जिससे विद्यार्थियों और छात्रों को राहत मिली। यह

व्यवस्था वास्तविक कक्षा का विकल्प तो नहीं रही, पर खालीपन को भरने और नए कौशलों को सीखने का अवसर देने वाली साबित हुई।

कोरोना काल में काम की दुनिया भी बदली और यथासंभव घर से काम करने की व्यवस्था को स्वीकृति मिली। घर और कार्यालय एक-दूसरे का अतिक्रमण करने लगे। यदि पति-पत्नी कार्यरत हों और बच्चा पढ़ रहा हो तो घर में एक साथ दो कार्यालय और एक विद्यालय का अद्भुत दृश्य उपस्थित होने लगा। लोगों ने इस तरह के बदलाव को मजबूरी में ही सही, स्वीकार किया और जीवन की गाड़ी चलाने की कोशिश की। सामाजिक जीवन को स्थिर बनाए रखने और चुनाव जैसी आंतरिक राजनीति की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को भी बहुत हद तक सफलतापूर्वक संचालित किया गया। यह उल्लेखनीय है कि कोरोना की दूसरी लहर के बीच पांच राज्यों की चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ती रही। इस सबसे यही प्रकट हुआ कि संकट कैसा भी हो, उससे पार पाने की क्षमता इस देश में है। यह क्षमता बनाए रखनी होगी, क्योंकि कोरोना संक्रमण फिर तेजी से बढ़ रहा है।

राजनयिक दृष्टि से यह भी महत्वपूर्ण रहा कि वैश्विक नेताओं के साथ सार्थक विचार-विमर्श चलता रहा। चीन के साथ सीमा पर लंबे खिंचे विवाद की मुश्किल को बड़े धैर्य और सावधानी के साथ सुलझाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई। उम्मीद की जाती है कि लद्दाख में टकराव वाले अन्य क्षेत्रों से सेनाओं की वापसी पर जल्द ही सहमति बनेगी। इसी तरह नया संगठन क्वाड भी सशक्त रूप में आकार लेगा। वैश्विक मंचों पर भारत ने स्वास्थ्य और आर्थिक मामलों में अपनी बात गंभीरता से रखी और उसे महत्व भी दिया गया। यही नहीं कोरोना के गुणवत्ता वाले टीके का अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य मानकों के अनुरूप तेजी से विकास कर भारत ने सबके सामने ऐतिहासिक मिसाल कायम की। इस पूरे प्रयास में प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत रुचि लेकर टीका कार्यक्रम को गति प्रदान की। उन्होंने खुद टीका लगवाकर उस हिचक को तोड़ने का काम किया, जो तमाम लोगों के मन में टीके को लेकर थी।

कोविड महामारी की लंबी अवधि में लॉकडाउन के दौर आए और सबने मिलकर सामना किया। सरकार जनता के साथ लगातार संपर्क में रही और प्रधानमंत्री ने देश को कई बार संबोधित किया। उन्होंने समय-समय पर मुख्यमंत्रियों के साथ भी बैठक की। महामारी का दंश सब कोई झेल रहा है। इसके बाद भी काम-धंधे, औद्योगिक उत्पादन, शिक्षा और प्रतिरक्षा आदि के मोर्चे पर ठहराव से निपटने की मुहिम चलती रही। इस बीच व्यापक हित के लिए अनेक जनोपयोगी योजनाओं को भी लागू किया गया। कोरोना के चलते तमाम बंदिशों के बावजूद देश धीमे-धीमे ही सही, कदम आगे बढ़ाता रहा। समय की मांग है कि ये कदम और तेज होने चाहिए।

यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि वैश्विक हित में भारत ने आगे बढ़कर करोना का असरदार टीका अनेक देशों को उपलब्ध कराया, विशेष रूप से पड़ोसी देशों को। यह पहल उदारता, सद्भावना और जिम्मेदारी के साथ सहयोग की मिसाल बनकर एक नए राजनयिक वातावरण का सृजन करने वाली घटना हो गई। इसके द्वारा भारत ने अपने सभी पड़ोसी देशों को यह सकारात्मक संदेश दिया कि आपसी सहयोग से ही प्रगति और उन्नति की राह निकलती है और इसका कोई दूसरा विकल्प नहीं है। पिछले दिनों बांग्लादेश की यात्रा के जरिये प्रधानमंत्री ने क्षेत्रीय सहयोग और विनिमय का मार्ग प्रशस्त किया। इतिहास देखें तो पता चलता है कि सीमा, जल और वाणिज्य के तमाम ऐसे मुद्दे हैं, जिन्हें लेकर दोनों देशों के रिश्तों में व्यवधान खड़े होते रहे हैं। भौगोलिक स्थिति कुछ इस तरह की है कि हमें इस पर लगातार नजर रखनी होगी। कई बार बड़े खट्टे अनुभव भी हुए हैं और मैत्री को धक्का भी लगा है, पर पड़ोसी बदले नहीं जा सकते। इन्हें विश्वास में लेकर ही आगे बढ़ने वाली गति संभव हो पाती है। इस सबको ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री ने बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान के स्मरण के अवसर को यादगार बना दिया। उन्हें गांधी शांति पुरस्कार से नवाज कर और बांग्लादेश की परियोजनाओं को समर्थन देकर उन्होंने कई भ्रमों को तो दूर किया ही, सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण काम किया।

बांग्लादेश के मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना तो स्वाभाविक है, पर कभी अखंड भारत की अब पराई हो चुकी धरती पर पहुंचना एक दुर्लभ अवसर था। उनके इस कदम से बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय का मनोबल सुदृढ़ हुआ होगा। इन प्रयासों से दोनों देशों के बीच सार्थक संवाद और संचार का अवसर बना है। भारत ने सहयोग का हाथ आगे बढ़ाया है और आशा है कि इसका अन्य देशों द्वारा स्वागत किया जाएगा। क्षेत्रीय सद्भाव आज के सामाजिक और भौगोलिक परिवेश में कहीं अधिक महत्व रखता है। इस मुहिम की सफलता के लिए लगातार काम करना होगा।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

उत्तर प्रदेश में वीकेंड लॉकडाउन, शुक्रवार रात से सोमवार सुबह तक रहेगी बंदी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर से निपटने के लिए लगातार नए जतन कर रही है। सरकार ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक हफ्ते के कंपलीट लॉकडाउन के निर्देश को मानने से भले ही इनकार कर दिया, लेकिन सरकार ने वीकेंड लॉकडाउन का फैसला दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को टीम-11 के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समीक्षा के बाद प्रदेश में वीकेंड लॉकडाउन यानी शुक्रवार रात नौ बजे से सोमवार सुबह छह बजे तक लॉकडाउन का फैसला लिया है। इस दौरान अतिआवश्यक सेवा जारी रहने के साथ ही शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सैनिटाइजेशन का भी वृहद अभियान चलेगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि हम प्रत्येक प्रदेशवासी के जीवन और जीविका की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रदेश में लॉकडाउन के कारण किसी के भी सामने आजीविका का संकट उत्पन्न न हो इसी कारण हमने वर्तमान की प्रदेश की परिस्थितियों के आधार पर कोरोना कर्फ्यू को पूरी सख्ती से लागू करने का निर्णय लिया है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने अब हर शुक्रवार रात 9 बजे से सोमवार प्रात- सात 7 बजे तक कोरोना कर्फ्यू और साप्ताहिक बंदी का निर्णय लिया है। इस दौरान पूरे उत्तर प्रदेश में फॉगिंग, सैनिटाइजेशन तथा स्वच्छता अभियान चलेगा। अब उत्तर प्रदेश में वीकेंड लॉकडाउन लगाया गया है। प्रदेश अब सप्ताह में दो दिन बंद रहेगा। अब यहां पर आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सब कुछ बंद रहेगा।

टीम-11 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देश

- कोविड-19 की इस विभीषिका के बीच संयम और धैर्य हमारा सबसे बड़ा हथियार है। प्रत्येक शनिवार और रविवार को प्रदेश में साप्ताहिक बंदी (कोरोना कर्फ्यू) प्रभावी रहेगा। इसके अतिरिक्त जिन जिलों में 500 से अधिक एक्टिव केस हैं, वहां हर दिन रात्रि 08 बजे से अगले दिन प्रातः 07 बजे तक आवश्यक सेवाओं को छोड़कर शेष गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी। इस नियम को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।

- कोरोना कर्फ्यू को सफल बनाने में हर नागरिक का योगदान है। जहां तक जरूरी हो, घर से बाहर न निकलें। पर्व और त्योहार घर पर ही मनाएं। निकलें तो मास्क जरूर लगाएं। सार्वजनिक स्थलों पर भीड़ न हो। इसे कड़ाई से लागू किया जाए।

- महाराष्ट्र, राजस्थान और दिल्ली से प्रवासी जनों की वापसी हो रही है। सीमावर्ती जिलों में विशेष सतर्कता बरते जाते की आवश्यकता है। इन प्रवासी कामगार/श्रमिक जनों के सुगमतापूर्ण आवागमन की व्यवस्था की जाए। गृह विभाग और परिवहन विभाग समन्वय बनाकर आवश्यक कार्यवाही करें। इन प्रवासी श्रमिक जनों की टेस्टिंग और आवश्यकतानुसार ट्रीटमेंट की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।

- कोविड संक्रमण से सुरक्षित रखने में टीकाकरण सर्वाधिक कारगर है। उत्तर प्रदेश में अब तक कोविड टीकाकरण अभियान बेहतर ढंग से संचालित हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक मई से 18 वर्ष की आयु से अधिक के सभी लोगों के टीकाकरण की व्यवस्था लागू की है। उनका यह निर्णय स्वागतयोग्य है। टीकाकरण का यह नया चरण कोविड से लड़ाई में निर्णायक सिद्ध होगा। एक मई से शुरू हो रहे वृहद टीकाकरण के लिए सभी जरूरी प्रबन्ध सुनिश्चित किए जाएं।

- कोविड संक्रमण को कम करने के लिए राज्य सरकार बदलती परिस्थितियों के बीच लगातर कदम उठा रही है। सभी जिलों में कोविड डेडिकेटेड अस्पतालों को बढ़ाया जा रहा है। आईसीयू और आइसोलेशन बेड में हर दिन इजाफा हो रहा है। प्रदेश में ऑक्सीजन सहित सभी मेडिकल आवश्यकताओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। अपवाहों के फेर में न आएं।

- लखनऊ, कानपुर नगर, प्रयागराज, वाराणसी, झांसी, गोरखपुर, मेरठ जनपदों सहित प्रदेश के सभी जिलों में कोविड बेड की संख्या को दोगुना करने की आवश्यकता है। फौरी तौर पर सभी जिलों में 200-200 बेड का विस्तार किया जाए। यह बेड ऑक्सीजन की सुविधा से लैस हों। इस प्रकार से 75 जिलों में तत्काल करीब 15,000 बेड का इजाफा हो सकेगा। सचिव स्तर के एक अधिकारी की तैनाती प्रदेश में बेड विस्तार के कार्य के लिए लगाई जाए। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जाए। चिकित्सा शिक्षा मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री इस संबंध में सभी जिला प्रशासनों से संवाद स्थापित कर कार्यवाही सुनिश्चित कराएं।

- लखनऊ के केजीएमयू तथा बलरामपुर चिकित्सालय को पूरी क्षमता के साथ डेडिकेटेड कोविड अस्पताल के तौर पर पूरी क्षमता के साथ संचालित करें। इसी प्रकार, एरा, टीएस मिश्रा, इंटीग्रल, हिन्द तथा मेयो मेडिकल कॉलेज को पूरी क्षमता के साथ डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल के रूप में क्रियाशील रखा जाए। यहां इलाजरत नॉन कोविड मरीजों को यथासंभव शिफ्ट किया जाए। वर्तमान में 4500 से अधिक बेड लखनऊ में उपलब्ध हैं। और नए हॉस्पिटल को एल-2 और एल-3 श्रेणी में जोड़कर बेड्स बढ़ाये जाएं। लखनऊ में सभी हॉस्पिटलों के लिए अलग-अलग नोडल अधिकारी नियुक्त की जाए। इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के माध्यम से यहां की स्थितियों पर लगातार नजर रखी जाए।

- प्रयागराज के स्वरूप रानी मेडिकल कॉलेज और यूनाइटेड मेडिकल कॉलेज में 800 से अधिक बेड उपलब्ध हैं। इसे और बढ़ाया जाना चाहिए। निजी अस्पतालों के बेड इसके अतिरिक्त हैं। वाराणसी में आरटीपीसीआर का पॉजिटिविटी रेट अधिक है, यहां और अधिक टेस्ट किए जाने की जरूरत है। कोविड संक्रमण की रफ्तार जिस प्रकार बढ़ रही है, उस दशा में यहां और अधिक आइसोलेशन और आईसीयू बेड्स की आवश्यकता पड़नी तय है। कानपुर में जीएसवीएम, रामा, नारायणा मेडिकल कॉलेजों के साथ-साथ निजी अस्पतालों के संसाधनों का भी कोविड के लिए उपयोग में लाया जाए।

- यह सुखद है कि जिन मरीजों को कोविड टीकाकरण के दो डोज लग चुके हैं, यदि कतिपय कारणों से पुनः संक्रमित हुए हैं, तो भी चार से पांच दिनों में स्वस्थ हो जा रहे हैं। अस्पतालों की डिस्चार्ज पॉलिसी इसी के अनुरूप तैयार की जानी चाहिए।

- एल-1, एल-2 और एल-3 हॉस्पिटल की अलग-अलग मॉनिटरिंग करते ऑक्सीजन उपलब्ध कराया जाए। ऑक्सीजन की सुचारू आपूर्ति के लिए यह जरूरी है कि ऑक्सीजन की आपूर्ति संस्थागत रूप से प्रत्येक अस्पताल में न्यूनतम 36 घंटों का ऑक्सीजन बैकअप जरूर रहे।

- वर्तमान समय की विशेष परिस्थितियों को देखते हुए यह सुनिश्चित करें कि प्रदेश स्थित एमएसएमई सहित सभी छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयों में उत्पादित होने वाली ऑक्सीजन का इस्तेमाल केवल मेडिकल कार्य के लिए हो। इन ऑक्सीजन प्लांट को इनके निकटतम हॉस्पिटल से जोड़ा जाए। इस संबंध में व्यापक कार्ययोजना आज ही तैयार कर ली जाए। जो निजी इकाइयां ऑक्सीजन रीफिलिंग के क्षेत्र में निवेश करना चाहती हैं, उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। ऑक्सीजन उत्पादनकर्ताओं के लाइसेंस के स्वतः नवीनीकरण करने के संबंध में तत्काल आदेश कर दिया जाए।

- सभी ऑक्सीजन प्लांट पर पुलिस सुरक्षा हो। ऑक्सीजन वाले वाहनों की जीपीएस मॉनिटरिंग की जाए। ऑक्सीजन व अन्य जीवनरक्षक दवाओं की कालाबाजारी और मुनाफाखोरी रोकने के लिए हर संभव कठोरतम कार्रवाई की जानी चाहिए।

- प्रदेश में पांच नए ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना की कार्यवाही प्रारंभ हो गई है। इसे शीघ्रता से क्रियाशील किया जाए। भविष्य के दृष्टिगत 100 बेड से अधिक क्षमता वाले सभी अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट स्थापना को अनिवार्य किया जाए। एयर सेपरेशन यूनिट जैसी आधुनिक तकनीक को प्रोत्साहित किया जाए। प्रदेश में इसकी क्षमता बढ़ाई जानी चाहिए।

- उत्तर प्रदेश की विशाल आबादी तथा भविष्य की सम्भावित स्थिति का आकलन करते हुए भारत सरकार को समय से ऑक्सीजन आपूर्ति की मांग भेजी जाए। प्रयास करें कि हमें मोदीनगर, पानीपत, रुड़की आदि उत्तर प्रदेश के निकटवर्ती शहरों से ही आपूर्ति हो। चिकित्सा शिक्षा मंत्री ऑक्सीजन के डिमांड और सप्लाई के संतुलन को सुनिश्चित करें। किसी प्रकार के राजनीतिक हस्तक्षेप की आवश्यकता हो, यो तत्काल सूचित करें।

- होम आइसोलेशन में रह रहे व्यक्तियों के साथ नियमित संवाद जरूरी है। होम आइसोलेशन में रह रहे व्यक्तियों को दिए जाने वाले मेडिकल किट में 07 दिन की दवा होनी चाहिए। वर्तमान में दवाओं की कोई कमी नहीं है। इसकी हर दिन समीक्षा की जाए।

- रेमिडेसीवीर सहित किसी भी प्रकार के जीवनरक्षक दवाओं की कोई कमी नहीं है। सभी जिलों में इनकी उपलब्धता सुनिश्चित रखी जा रही है। जुबिलियंट फार्मा, कैडिला, माइलान और सिप्ला जैसी निर्माता कंपनियों से लगातार संपर्क बनाए रखा जाए।जुबिलियंट फार्मा की ओर से आज रेमेडेसीवीर की आपूर्ति कर दी जाएगी। जबकि कैडिला से परसों तक अहमदाबाद से 20,000 वॉयल और प्राप्त हो जाएंगे।

संक्षिप्त खबर

हरिद्वार में इलाज के नाम दिव्यांग बचे के हाथ-पैर मोड़े, पेट भी जोर से दबाया; मौके पर ही मौत

रुड़की । हरिद्वार जिले के रुड़की में एक शख्स ने दिव्यांग बचे के उपचार के नाम पर उसके हाथ-पांव यादा जोर से दबा दिए। इससे बचे की मौके पर ही मौत हो गई। बचे की मौत के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया। फिलहाल, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

रुड़की के खेमपुर निवासी दिलशाद ने बताया कि उसका 12 साल का बेटा अब्दुल कलाम दिव्यांग था। उसके हाथ-पांव काम नहीं करते थे। यही नहीं वह ठीक से बोल भी नहीं पाता था। सोमवार शाम को एक व्यक्ति वहां आया। व्यक्ति उनकी पत्नी से मिला। उसकी पत्नी बचे को लेकर काफी परेशान रहती है। इसी के चलते उसने बचे की दिव्यांगता के बारे में उसे बताया। व्यक्ति ने बताया कि वह बचे को ठीक कर देगा।

इस पर वह व्यक्ति को घर के अंदर ले आई। उसने बचे के उपचार के नाम पर उसके हाथ-पांव मोड़े साथ ही उसका पेट भी दबा दिया। कुछ ही देर में बचे की मौत हो गई। यह देख वो मौके से फरार हो गया। मामले की जानकारी मंगलौर कोतवाली पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

चंपावत के डीएम ने कहा, कुंभ मेला में ड्यूटी से आने वाले पुलिसकर्मियों से हो सकता है संक्रमण फैलने का खतरा

चम्पावत । जिले में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। सोमवार की देर शाम तक जिले में कोरोना के 300 एक्टिव केस थे। अब तक महामारी से तीन लोगों की मौत हो चुकी हैं। यह जानकारी डीएम विनीत तोमर ने वीसी के दौरान मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को दी। डीएम ने आशंका जताई कि कुंभ मेला ड्यूटी से लौटने वाले पुलिसकर्मियों के कारण कोरोना संक्रमण के केस बढ़ सकते हैं। लिहाजा सभी जवानों की गहन जांच करने के बाद ही ड्यूटी में लिया जाएगा। सोमवार की देर शाम मुख्यमंत्री ने वीसी के माध्यम से जिले में कोरोना संक्रमण की स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कोविड को लेकर जारी किए गए दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन कराने और जिले में कोविड केयर सेंटरों को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में वापस आने वाले प्रवासी लोगों के लिए रजिस्ट्रेशन के लिए पूर्व में बने पोर्टल को पुन- एक्टिवेट करने के साथ ही उन्हें अनिवार्य रूप से होम क्वारंटाइन करने तथा टीकाकरण कार्य में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। डीएम विनीत तोमर ने बताया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में बेड उपलब्ध हैं।

उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से केस अचानक बढ़े हैं। सोमवार की देर शाम तक जिले में 300 एक्टिव केस हैं और तीन लोगों की मौत महामारी के कारण हो चुकी है। डीएम ने कहा कि कुछ लोग आरटीपीसीआर टेस्ट में निगेटिव आए लेकिन बाद में अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। कहा कि जिले में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की बॉर्डर पर ही सेंपलिंग की जा रही है।

बिना मास्क वाले लोगों के चालान कटे जा रहे है। कोविड के नियमों का पूर्णत- पालन करवाया जा रहा है। वीसी में एसपी लोकेश्वर सिंह, एडीएम टीएस मर्तोलिया, सीएमओ डा. आरपी खंडूरी, डीडीओ सन्तोष कुमार पंत, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मनोज पांडेय, जिला शिक्षा अधिकारी बेसिक सत्यनारायण आदि अधिकारी मौजूद रहे।

झारखंड में संपूर्ण लॉकडाउन... बाबूलाल ने सीएम हेमंत को समझाया...

रांची । भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने झारखंड में कोरोना संक्रमण के बढ़ते दायरे की चेन को तोड़ने के लिए राज्य में एक सप्ताह का पूर्ण लॉकडाउन लगाने की वकालत की है। बाबूलाल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से फोन पर इस संदर्भ में बात की और राज्य की मौजूदा परिस्थितियों का हवाला देते हुए लॉकडाउन को जरूरी बताया।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर वीडियो संदेश जारी कर राज्य में कम से कम एक हफ्ते के लिए लॉकडाउन लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण से बेकाबू हो रहे हालात और संक्रमण का चेन तोड़ने के लिए राज्य में लॉकडाउन लगाना बेहद जरूरी हो गया है। बाबूलाल ने कहा कि कल शाम को हमने मुख्यमंत्री को टेलीफोन लगाया, इधर से तो बात नहीं हो पाई, लेकिन कुछ देर के बाद मुख्यमंत्री ने उधर से हमें रिंग बैक किया। फिर हमारी उनसे बात हुई और हमने मुख्यमंत्री को यह कहा कि पहले तो आप को कम से कम एक सप्ताह के लिए कंप्लीट, राज्य में संपूर्ण लॉकडाउन लगाइए ताकि इस कोरोना संक्रमण चेन को हम लोग ब्रेक कर सकें।

मैं ने कल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी से बात कर कोरोनावायरस से मची तबाही एवं कोहराम के मद्देनज़र लाकडाउन लगाने का अनुरोध किया है।

बाबूलाल ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री ने हमारी बात को सुना है, उन्होंने कहा है कि हम लोग झारखंड में लॉकडाउन लगाने पर विचार करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि सीएम जल्द ही फैसला लेंगे। क्योंकि अभी हमारे पास जितनी भी खबरें आ रही हैं, चाहे वह सोशल मीडिया के माध्यम से, चाहे टेलीफोन के माध्यम से, लगता है कि राज्य की जनता इस वक्त चाहती है कि प्रदेश में लॉकडाउन लागू हो। कल तो मैंने उनसे टेलीफोन से बात की थी। आज मैं सार्वजनिक रूप से मांग करता हूं कि राज्य सरकार बिना विलंब किए लॉकडाउन लागू करे। वैसे आज पता चला है कि दिल्ली में भी एक सप्ताह के लिए लॉकडाउन लागू किया गया है।

उत्तर प्रदेश के पांच शहरों में लॉकडाउन नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाई

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ सहित पांच शहरों में 19 अप्रैल की रात से लॉकडाउन के इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्देश पर देश की शीर्ष अदालत ने रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाकर उत्तर प्रदेश सरकार को बड़ी राहत दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्देश पर तत्काल रोक लगाने के साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार से कोरोना वायरस संक्रमण पर अंकुश लगाने के लिए उठाए गए सभी कदम की दो हफ्ते में रिपोर्ट भी मांगी है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के कारण उत्तर प्रदेश के पांच शहरों में स्थिति बदतर होते देख लखनऊ, कानपुर शहर, प्रयागराज, वाराणसी तथा गोरखपुर में लॉक डाउन का निर्देश

दिया था। इसके विरोध में उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। एसजी तुषार मेहता ने उत्तर प्रदेश सरकार की अपील पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेख किया था।

हाई कोर्ट के निर्देश पर उत्तर प्रदेश सरकार का कहना है कि इलाहाबाद हाई कोर्ट का यह निर्देश कार्यपालिका के क्षेत्र में अतिक्रमण है। सरकार कोरोना वायरस के संक्रमण काल में बेहतर से बेहतर करने का प्रयास कर रही है। अगर सरकार को लगता है कि बिना लॉकडाउन के बात नहीं बनेगी तो लॉकडाउन भी होगा। जैसा पहले भी किया गया था।

इससे पहले दिन पर दिन बढ़ते कोरोना संक्रमण के मामलों पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के उत्तर प्रदेश के पांच शहरों में 19 अप्रैल की रात से सात दिन के लिए लॉकडाउन के निर्देश पालन का इनकार करने वाली योगी आदित्यनाथ सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के पांच शहरों में 26 अप्रैल तक लॉकडाउन का निर्देश दिया था।

न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति अजित कुमार की खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश के पांच शहरों में बेहद खतरनाथ ढंग से बढ़ रहे कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए लखनऊ, कानपुर नगर, प्रयागराज, वाराणसी व गोरखपुर में 19 अप्रैल की रात से 26 अप्रैल तक आवश्यक सेवा को छोड़कर लॉकडाउन का निर्देश दिया था।

योगी आदित्यनाथ सरकार के प्रवक्ता ने हाई कोर्ट के इस निर्देश को मानने से सरकार के साफ इनकार करने के निर्णय के साथ ही अवगत कराया कि सरकार लॉकडाउन को लेकर बेहद गंभीर है। लोग स्वेच्छा से जगह-जगह पर प्रतिष्ठान व बाजार बंद कर रहे हैं। इसके साथ ही सरकार ने इन पांच शहरों के साथ अन्य दस जगह पर रात आठ बजे से अगली सुबह सात बजे तक नाइट कर्फ्यू लगा रखा है।

रुपये हड़पने के लिए गढ़ दी लूट की झूठी कहानी, होटल कर्मचारी गिरफ्तार

जमशेदपुर । साकची थाना क्षेत्र गरमनाला मुख्य मार्ग पर सोमवार दोपहर बाइक सवार दो बदमाशों ने दूसरे बाइक सवार कमल जेठ्ठी को धक्का मारकर गिरा दिया। इसके बाद कमल की बाइक की बैग की हैंडिल में टंगी पॉलीथीन को लेकर भाग निकले। इसमें 68 हजार रुपये थे। घटना की शिकायत साकची थाना में युवक ने दर्ज कराई जिस तरीके से युवक ने घटना होने की जानकारी दी थी तब से पुलिस उसे संदेहास्पद मान रही थी। पुलिस ने कुछ ही घंटे में मामले की सत्यता को सामने ला दिया। छिनतई की झूठी कहानी गढ़ने वाले कमल जेठ्ठी को गिरफ्तार कर लिया। रुपये भी बरामद कर लिए। युवक ने बताएं लॉकडाउन में आर्थिक तंगी से परेशान था। इतने रुपये देखकर लालच हो गया। रुपये पचाने को झूठी कहानी गढ़ दी।

साकची थाना के इंस्पेक्टर कृणाल कुमार ने युवक से कई विंदुओं पर पूछताछ की। जहां छिनतई होने की जानकारी दी गई वहां के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। कहीं कुछ नहीं मिला। घटनास्थल पर आस-पास के लोगों से पूछताछ की गई।

थाना प्रभारी समझ गए कि दाल में कुछ काला है। कड़ाई से पूछताछ की तो कमल जेठ्ठी ने पूरी सत्यता थाना प्रभारी के सामने उगल दी। बताया छिनतई नहीं हुई थी। रुपये की लालच में उसने झूठी कहानी गढ़ दी थी। अपने एक दोस्त को बुलाकर रुपये दे दिए थे। कहा था कि वह रात में आकर उससे रुपये ले लेगा। पीएफ के रुपये है। युवक साकची केनलाइट होटल में एकाउंटेंट है जिस दोस्त को रुपये दिए थे। उसके पास से रुपये बरामद करवाया।

मुख्तार से सिर्फ दो कदम दूर बाराबंकी पुलिस, अब मुजाहिद की गिरफ्तारी के प्रयास तेज

बाराबंकी । मुख्तार अंसारी के बाराबंकी में मुख्तार की तलाश भी पूरी होने को है। इसके संकेत एम्बुलेन्स प्रकरण में मऊ से अस्पताल संचालिका डॉ अलका राय व उनके सहयोगी शेषनाथ की गिरफ्तारी से मिल रहे हैं। इस दिशा में अलका से पूछताछ में पुलिस को अहम सुराग भी मिले हैं। अभी इस प्रकरण में कुछ और लोगों की गिरफ्तारी की जा सकती है।

तफ्तीश में बयान अहम- प्रकरण में पुलिस नामजद आरोपितों और मुख्तार के करीबियों के बयान के आधार पर तफ्तीश को आगे बढ़ा रही है। अलका के बयान के बाद न सिर्फ मुख्तार अंसारी को न सिर्फ सह अभियुक्त बनाया गया बल्कि उसके करीबी राजनाथ को गिरफ्तार किया गया था। अलका व उनके सहयोगी शेषनाथ की गिरफ्तारी से पहले पुलिस ने राजनाथ को रिमांड पर लिया था। उसे एआरटीओ दफ्तर ले जाए जाने के साथ मऊ भी ले जाया गया था। उसके बाद इन दोनों गिरफ्तारियों में उसके बयान अहम माने जा रहे हैं। इसके अलावा मुख्तार के कथित शूटर और उसके नौ करीबियों से पुलिस कई दौर में पूछताछ कर चुकी है।

अब मुजाहिद की गिरफ्तारी को बिछाया जा रहा जाल- अब पुलिस मुख्तार अंसारी के प्रतिनिधि मुजाहिद पर शिकंजा कसने की तैयारी में है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस जाल बिछाने में जुटी हुई है। एक बार पुलिस उसके मऊ के घोसी स्थित आवास पर जाकर परिवारजन से पूछताछ भी कर चुकी है। हालांकि, तब मुजाहिद नहीं मिल सका था। एसपी यमुना प्रसाद का कहना है कि प्रकरण में जिसकी भी संलिप्तता होगी। उसको कार्रवाई की जद में लाया जाएगा।

मुख्तार ही नहीं नेटवर्क भी टूटेगा- सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने मुख्तार के जिले में मुख्तार को चिन्हित कर लिया है। मुजाहिद या मुख्तार किसी को भी पुलिस पहले गिरफ्तार कर सकती है। हालांकि, पुलिस की मुख्तार के जिले में सिपहसालार की गिरफ्तारी के साथ ही उसके पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की तैयारी है।

पटना के बांसघाट में एंबुलेंस की लगी कतार, इंतजार के बाद अंतिम संस्कार

पटना । बिहार में कोरोना की नई लहर मुसीबत बनकर टूटी है। पहले तो चिकित्सा मुश्किल से मिल रही है। मिलने के बाद भी जान नहीं बची तो अंतिम संस्कार में परेशानी। मुक्ति के लिए भी इंतजार करना पड़ रहा है। कुछ ऐसी ही तस्वीर पटनाके बांसघाट की है, जहां घाट के अंदर से लेकर बाहर तक एंबुलेंस की कतार लगी हुई है। सभी में कोरोना संक्रमितों का शव पड़ा है। शव लेकर अंतिम संस्कार को आए स्वजनों को टोकन लेने के बाद तीन से पांच घंटे तक इंतजार करना पड़ता है।

विद्युत शवदाह गृह में पहले से पड़े हैं शव

दोपहर के दो बजे थे। बांसघाट विद्युत शवदाह गृह परिसर में प्रशासन की टीम रजिस्टर में कोरोना संक्रमितों का ब्योरा दर्ज कर रही थी। वहीं, पास की सीढ़ियों पर दर्जन भर से अधिक लोग बैठे हैं। कुछ के हाथ में कागज की पर्ची (टोकन) है। ये लोग शव लेकर दाह संस्कार के लिए जुटे हैं। कोई सुबह के दस बजे से आया है तो कोई दोपहर 12 बजे आया। कुछ टोकन के लिए अस्पताल की फाइल लेकर खड़ा है। विद्युत शवदाह गृह में शव लगातार जल रहा है। चिमनी की तपिश कई दिनों से कम नहीं हुई। पीपीई किट पहने परिजन बेचैनी से घंटों घाट और बर्नर के सामने बैठे हैं। शवदाह गृह में आधा दर्जन से अधिक शव फर्स पर पड़े हैं, जबकि चार एंबुलेंस में पहले से पड़े हैं।

विद्युत शवदाह गृह में दबाव बढ़ने पर दूसरे छोर पर लकड़ी पर शव जलाए जा रहे हैं। यहां आधा दर्जन से अधिक एंबुलेंस कतार में खड़ी हैं, जबकि कुछ बाहर हैं। हर एंबुलेंस में कोरोना संक्रमित का शव पड़ा है। सुबह से चिताएं सजाई जा ह रही हैं और एक चिता ठंडी नहीं पड़ी कि दूसरी जलनी शुरू हो जा रही है। लकड़ी का तौल पहले से एक दर्जन शव पड़ है तो दूसरी तरह घाट पर लगातार चिता सजाने के लिए लकड़ी तौल हो रही है।

राजेंद्र नगर स्थित अस्पताल से बुआ का शव लेकर पहुंचा युवक थमकर छांव में खड़ा है। बताया कि बुआ कोरोना से संक्रमित हो गई थी। रविवार की रात मौत हो गई। सुबह शव को लेकर बांसघाट आने के लिए एंबुलेंस वाले ने छह हजार रुपये मांगे। यहां आने पर शव उतारने से लेकर लकड़ी ढोने वाले को भी रुपये देने पड़े। बस दो गज जमीन और लकड़ी मिल रही है। अंतिम संस्कार में उसके साथ कुल तीन लोग थे।

पंजाब में 50 फीसद यात्रियों की अनुमति, रोडवेज मुख्यालय ने जारी किए गए निर्देश

जालंधर । कोविड-19 से बचाव के लिए पंजाब सरकार की तरफ से जारी की गई गाइडलाइंस के मुताबिक अब प्रदेशभर की यात्री बसों में 50 फीसद यात्री ही सवार करवाए जाएंगे। पंजाब रोडवेज मुख्यालय की तरफ से इस संबंध में अपने समस्त 18 डिपो को दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उक्त आदेश प्रदेश में संचालित की जाने वाली निजी बसों पर भी लागू होंगे।

पंजाब रोडवेज के डिप्टी डायरेक्टर परनीत सिंह मिन्हास ने प्रदेश भर में सरकार की तरफ से जारी की गई गाइडलाइंस के मुताबिक 50 फीसद यात्री ही बसों में सवार करवाए जाने की पुष्टि की है। पंजाब रोडवेज जालंधर के जनरल मैनेजर नवराज बातिश ने कहा है कि मंगलवार रात आठ बजे के बाद किसी भी यात्री बस में 50 फीसद से यादा यात्री नहीं होंगे।

इससे पहले शनिवार एवं रविवार को चंडीगढ़ में लगाए गए लॉकडाउन के दौरान भी चंडीगढ़ क्षेत्र में प्रवेश करने वाली बसों में 50 फीसदी यात्री ही बिठाए जाने के दिशा निर्देश थे। हालांकि प्रदेश भर की बसों में महिलाओं की निशुल्क यात्रा सुविधा के चलते पहले ही निजी बस ऑपरेटर भारी आर्थिक तंगी झेल रहे हैं और पंजाब रोडवेज की बसों में यात्री होने के बावजूद भी कैश का फ्लो कम हो गया है।

कोविड मरीज रेमडेसिवीर की पीछे न करें 20 हजार खर्च ,दो रुपए की डेक्सामेथासोन भी है कारगर

लखनऊ । कोरोना से संक्रमित अपने परिजन की जान बचाने के लिए रेमडेसिवीर की मुंह मागी कीमत लोग देने को तैयार जिन्होंने किसी तरह पा लिया और लगवा भी दिया क्या वह बच गए यह बडा सवाल है। इस बारे में विशेषज्ञ कहते है कि इस इंजेक्शन का कोई खास फायदा नहीं है इसलिए इस दवा को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मान्यता नहीं दिया।

रेमडेसिवीर का वहीं हाल है जैसे वायरल फीवर में एंटीबायोटिक खाओ तो सात दिन में ठीक न खाओ तो भी सात दिन में ठीक.........एआरडीएस रोकने में इसकी कोई भूमिका नहीं है। रिसर्च सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसिया एंड क्लीनिकल फार्माकोलॉजी के सचिव और संजय गांधी पीजीआइ के आईसीयू एक्पर्ट प्रो, संदीप साहू ने साफ शब्दों में कहा कि रेमेडिसवीर के पीछे भागने से कोई फायदा नहीं है। डॉक्टर भी तीमारदार को इसके पीछे भागने के रोकें।

कोरोना संक्रमित में एआरडीएस रोकने में कोई खास फायदा नहीं है। न्यू इंग्लैंड जर्नल आफ मेडिसिन के हाल के शोध का हवाला देते हुए प्रो. साहू कहते है कि डेक्सामेथासोन सबसे सस्ती और आसानी से मिलने वाली दवा है। यह दवा एआरडीएस रोकने में काफी कारगर साबित होती है। ऐसा हमने में भी कोरोना मरीजों में देखा है खास तौर पर जिनमें लो ऑक्सीजन की जरूरत है । इनमें यह आठ से दस मिली ग्राम 24 घंटे में एक बार देने से वेंटिलेटर पर जाने के आशंका काफी कम हो जाती है।

शोध वैज्ञानिकों ने दो हजार कोरोना संक्रमित ऐसे मरीजों पर शोध किया जिनमें आक्सीजन लेवल 90 से कम था इन्हें डेक्सामेथासोन देने के बाद 28 दिन बाद परिणाम देखा गया तो पता चला कि इनमें मृत्यु दर कम थी इसके साथ ही वेंटिलेटर की जरूरत कम पडी। रेमडेसिवीर केवल एक खास वर्ग में राहत दे सकती है। हाई ऑक्सीजन की जरूरत होती है। यह केवल पहले सप्ताह में ही देने से राहत की संभावना होती है। इस दवा का कोई खुली स्टडी नहीं है केवल फार्मा इंडस्ट्री द्वारा प्रायोजित शोध ही सामने आए है।

क्या है एआरडीएस- तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम (एआरडीएस) एक ऐसी स्थिति है जिसमें फेफड़ों की हवा की थैलियों में तरल जमा हो जाने के कारण अंगों को ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है। गंभीर रूप से बीमार या कोरोना संक्रमित लोगों में सांस संबंधित तंत्र में गंभीर समस्या का सिंड्रोम हो सकता है। यह अकसर घातक होता है। उम्र के साथ खतरा और बीमारी की गंभीरता से बढ़ती जाती है। एआरडीएस से पीड़ित लोगों को गंभीर रूप से सांस की तकलीफ होती है और वेंटीलेटर के सहारे के बिना वे खुद सांस लेने में असमर्थ होते हैं।

एआरडीएस रोकने में कारगर रहा है डेक्सामेथासोन नान कोविड में- प्रो.संदीप साहू कहते है कि नान कोविड मरीज जो आईसीयू में भर्ती होते है उनमें डेक्सामेथासोन एआरडीएस रोकने में कारगर रहा है। ऐसा हजारों मरीजों में देखा गया है। इस दवा की सही मात्रा देने से साइटोकाइन स्टार्म रोकने में सफलता मिलती है। यह एंटी इंफ्लामेटरी गुण वाली दवा है।

क्लीनिकल इम्यूनोलॉजी विभाग संजय गांधी पीजीआई के हेड प्रो.अमिता अग्रवाल ने बताया कि रेमडेसिविर कोरोना संक्रमित मरीजों में देने से कोई खास फायदा नहीं है ऐसे विश्व स्वास्थ्य संगठन सॉलिडेटरी स्टडी में सामने आयी है। कोरोना संक्रमित मरीजों में एआरडीएस की परेशानी होती है जिसमें फेफडे की कार्य शक्ति कम हो जाती है। आक्सीजन स्तर कम होने के साथ डेक्सामेथासोन , प्रेडनिसोन दवा सही मात्रा में देने से काफी हद कर फेफड़े को बचाया जा सकता है।

जयपुर के बादी चुपर में बढ़ते कोविड-19 मामलों के मद्देनजर तालाबंदी की घोषणा के बाद शहर की सड़कें वीरान नजर आईं।

एक दुकानदार मुंबई में आवश्यक सेवाओं और चिकित्सा देखभाल के परिवहन में शामिल वाहनों की सुगम यात्रा के लिए मुंबई पुलिस द्वारा जारी बिक्री के लिए नए रंग कोडित स्टिकर दिखाते हुए।

देशभर में कोरोनोवायरस के मामले बढ़ने के बाद कोलकाता में लोग कोविड-19 के परीक्षण के लिए अपनी बारी का इंतजार करते हुए।

एक नजर

बंगाल चुनाव के बीच कोविड पॉजिटिव हुए मुख्य चुनाव आयुक् सुशील चंद्रा, कई अन्य अधिकारी भी संक्रमित

नई दिल्ली । देश के नए मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा और इलेक्शन कमिशनर राजीव कुमार भी बेकाबू कोरोना की चपेट में आ गए हैं। पश्चिम बंगाल में जारी विधानसभा चुनावों के बीच दोनों कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। सूत्रों ने बताया कि कुछ उप चुनाव आयुक्त भी कोविड पॉजिटिव पाए जाने के बाद क्वॉरंटीन हैं। हालांकि, सूत्र ने यह भी बताया कि कोरोना पॉजिटिव होने के बाद इलेक्शन कमिशनर लगातार वीडियो कॉल के जरिए संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं ताकि पश्चिम बंगाल चुनावों के बाकी तीन चरणों का मतदान बिना रुकावट हो सके। बंगाल में अभी 22, 26 और 29 अप्रैल को तीन चरणों में चुनाव होने हैं। राज्य में 29 मार्च को पहले चरण का मतदान हुआ था। सुशील चंद्रा को बीते हफ्ते ही मुख्य चुनाव आयुक्त यानी सीईसी के तौर पर नियुक्त किया गया था। उन्होंने सुनील अरोड़ा का स्थान लया है, जिनका कार्यकाल पूरा होने के बाद सुशील चंद्रा देश के नए सीईसी बने। वह 14 मई 2022 तक इस पद पर बने रहेंगे। बता दें कि देश में कोरोना संक्रमण बढ़ने की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही है। प्रकाश जावड़ेकर, यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ, अखिलेश यादव, चंद्रशेखर राव सहित कई जाने-माने नेता दूसरी लहर के दौरान कोरोना संक्रमित हो गए हैं। बीते 24 घंटे के अंदर भी देश में कोरोना के करीब 2 लाख 60 हजार नए मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं, इससे 1700 से ज्यादा लोगों ने दम तोड़ा।

तेलंगाना सरकार ने 30 अप्रैल तक लगाया नाइट कर्फ्यू, हाई कोर्ट की नाराजगी के बाद लिया फैसला

हैदराबाद । तेलंगाना सरकार ने राज्य में कोरोना संकट से निपटने के लिए 30 अप्रैल तक के लिए नाइट कर्फ्यू लगाने का ऐलान किया है। यह कर्फ्यू मंगलवार रात से ही शुरू होगा और पूरे राज्य में रात 9 बजे से सुबह 5 बजे तक लागू रहेगा। सोमवार को ही तेलंगाना हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि वह कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए कोई उपाय नहीं कर रही है। इस बीच मंगलवार को राज्य में बीते 24 घंटों में कोरोना के 5,926 नए केस दर्ज किए गए हैं। इस दौरान कोरोना संक्रमण से 18 लोगों की मौत भी हुई है। तेलंगाना हाई कोर्ट की चीफ जस्टिस हिमा कोहली की अगुवाई वाली बेंच ने सोमवार को कोरोना संकट से निपटने में सरकार के रवैये को लेकर नाराजगी जताई थी। उच्च न्यायालय का कहना था कि प्रदेश सरकार को इस संकट से निपटने के लिए राज्य में वीकेंड कर्फ्यू अथवा नाइट कर्फ्यू जैसा फैसला लेना चाहिए। यही नहीं बेंच ने कहा था कि यदि 48 घंटों में सरकार की ओर से कोई फैसला नहीं लिया जाता है तो फिर कोर्ट की ओर से ही इस बारे में आदेश जारी किया जाएगा। कोर्ट के आदेश के कुछ घंटों बाद ही के. चंद्रशेखर राव की सरकार ने नाइट कर्फ्यू का ऐलान कर दिया। यह नाइट कर्फ्यू रात को 9 बजे से लागू होगा और सुबह 5 बजे तक जारी रहेगा। नाइट कर्फ्यू के दौरान सभी दफ्तर, फर्म, दुकानें, संस्थान, रेस्तरां 8 बजे से ही बंद रहेंगे। हालांकि अस्पताल, लैब, फार्मेसी और अन्य जरूरी सेवाएं चालू रहेंगी। नाइट कर्फ्यू के दौरान सभी दफ्तर, रेस्तरां आदि बंद रहेंगे। हालांकि प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट सेवाओं, ब्रॉडबैंड और केबल सर्विसेज आदि को छूट रहेगी। इसके अलावा ई-कॉमर्स, एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, सीएनजी आदि की आपूर्ति जारी रहेगी। पानी की सप्लाई और सैनिटेशन के काम पर कोई रोक नहीं होगी। कोल्ड स्टोरेज वेयर हाउसेज, प्राइवेट सिक्योरिटी सर्विसेज और ऐसी उत्पादन सेवाएं भी चालू रहेंगी, जिनकी निरंतरता आवश्यक है।

ओडिशा के शहरी क्षेत्रों में अब शनिवार व रविवार को लॉकडाउन

भुवनेश्वर। ओडिशा के सभी शहरी क्षेत्रों में अब शनिवार व रविवार को लॉकडाउन रहेगा। प्रदेश में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को देखते हुए ओडिशा सरकार ने सोमवार को यह घोषणा की। इधर, ओडिशा में कोरोना वायरस के संक्रमण ने एक दिन में अब तक के सर्वाधिक संक्रमण का नया रिकार्ड बनाया है। प्रदेश में सोमवार को एक दिन में रिकार्ड 4,445 नए कोरोना संक्रमित मिले हैं। जबकि, इससे पहले ओडिशा में एक दिन में सर्वाधिक 4,356 मामले पिछ्ले साल 25 सितंबर को मिले थे। राज्य सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मुताबिक, सोमवार को एक दिन में रिकार्ड 4,445 नए कोरोना संक्रमण के मामले सामने आए हैं। वहीं, चार लोगों की मौत कोरोना से हो गई है। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने सप्ताह में दो दिन शनिवार एवं रविवार को शहरी क्षेत्रों में लॉकडाउन की घोषणा की है। गौरतलब है कि नए मामले के साथ ही प्रदेश में कोरोना मरीजों की संख्या तीन लाख 72 हजार 703 तक हो गई हैं। हालांकि, इनमें से तीन लाख 46 हजार 134 लोग स्वस्थ होकर अपने घर जा चुके हैं। पिछ्ले 24 घंटे में चार लोगों की मौत को मिलाकर कोरोना से मरने वाले मरीजों की संख्या 1,948 पहुंच गई है। सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 24,568 तक पहुंच गई है। पिपिलि विधानसभा उपचुनाव के दौरान बीजू जनता दल किसी प्रकार की रैली व सभाओं का आयोजन नहीं करेगी। देश और राज्य में कोरोना संक्रमण में बढ़ोत्तरी को ध्यान में रखते हुए पार्टी के मुखिया तथा मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने यह घोषणा की है। पटनायक ने सोमवार को ट्वीट कर कहा कि प्रत्येक जीवन मूल्यवान है और प्रत्येक ओडिशावासी मेरे परिवार के सदस्य हैं। कोविद-19 जैसे संकट में देश में संक्रमण की दर बढ़ने के कारण पिपिलि उपचुनाव में चुनावी रैली या चुनावी सभा न करने के लिए बीजू जनता दल ने निर्णय लिया है। उन्होंने और भी कहा कि एक जिम्मेदार राजनीतिक पार्टी के तौर पर बीजद किसी के जीवन को खतरे में नहीं डालना चाहती। लोगों की सेवा के लिए हम चुनाव लड़ते हैं। प्रचार के कारण यदि किसी के जीवन को खतरा होता है, प्रचार के समय व पद्धति पर पुनर्विचार करने के लिए मैं सभी राजनीतिक दल व चुनाव आयोग को अपील करता हूं। भारत एक परिपक्व लोकतांत्रिक देश है तथा हम सब मिलकर समाधान का रास्ता निकाल सकेंगे।

छठे चरण के प्रचार का शोर थमा, 43 विधानसभा सीटों के लिए 22 अप्रैल को पड़ेंगे वोट

कोलकाता । बंगाल विधानसभा चुनाव के छठे चरण के प्रचार का शोर सोमवार शाम 6.30 बजे थम गया। इस चरण में 22 अप्रैल को सूबे के चार जिलों पूर्व बर्द्धमान, उत्तर 24 परगना, उत्तर दिनाजपुर व नदिया की 43 विधानसभा सीटों के लिए वोट पड़ेंगे। छठे चरण में कुल 306 प्रत्याशी हैं, जिनमें 27 महिलाएं शामिल हैं। करीब 1.03 करोड़ मतदाता उनकी सियासी किस्मत का फैसला करेंगे।

राजस्थान के डूंगरपुर में दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की कैद, 2 लाख लगा जुर्माना

उदयपुर । डूंगरपुर जिले के बिछीवाड़ा क्षेत्र में पांच साल पहले एक किशोरी के साथ दुष्कर्म के मामले में अदालत ने दोषी युवक को बीस साल की कड़ी कैद सुनाई है। साथ ही दो लाख 11 हजार रुपए का जुर्माना भी सुनाया है। मिली जानकारी के अनुसार बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के फलेजा गांव की चौदह वर्षीया किशोरी के साथ इसी क्षेत्र के युवक कल्पेश पुत्र नारायण लाल ने अपने खेत पर बैलों को चराने निकली किशोरी का अपहरण किया और उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसको लेकर पीड़िता के पिता ने 5 अक्टूबर 2015 को मामला दर्ज कराया था।

बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने जांच के बाद घटना के 12 दिन बाद 17 अक्टूबर को अदालत में बयान दर्ज कराने के बाद उसे परिजनों के हवाले कर दिया। इधर, पुलिस ने अहमदाबाद की एक होटल से आरोपी युवक कल्पेश को गिरफ्तार कर लिया। जिसने बताया कि वह किशोरी का अपहरण कर अहमदाबाद ले आया था और यहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म के साथ पोक्सो एक्ट की धाराओं में भी मामला दर्ज किया था। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद पीठासीन अधिकारी संजय कुमार भटनागर ने आरोपी कल्पेश को किशोरी के साथ दुष्कर्म के लिए दोषी ठहराते हुए भादसं और पोक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं के साथ कुल बीस साल की कड़ी कैद के साथ जुर्माने से दंडित किया।

धोखे में रखकर शादी रची, पति सहित तीन के खिलाफ मामला दर्ज

झांसें में रखकर विवाह रचाने के मामले में आदर्श नगर निवासी रिद्धी मेहता ने अपने पति हर्षल, ससुर दिलीप तथा सास ममता मेहरा के खिलाफ डूंगरपुर जिले के कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया है। जिसमें बताया है कि आरोपियों ने विवाह से पहले बताया कि हर्षल का उदयपुर में कारोबार है और वह प्रतिमाह एक लाख रुपए की कमाई करता है। उसके उदयपुर में दो आवासीय प्लॉट भी हैं। शादी के बाद पता चला कि उसकी बताई सारी बातें झूठी हैं, जबकि उस पर एक करोड़ चालीस लाख रुपए का कर्जा है।

हर्षल और परिजनों ने षड़यंत्रपूर्वक तरीके से उन्हें फंसाया और शादी कर ली। शादी के बाद वह उनके परिवार पर पांच लाख रुपए देने के लिए भी दबाव बनाने लगे। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद भादसं की धारा 498 ए, 406 तथा 420 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

ओडिशा में बेकाबू हुआ कोरोना, 5 हजार के करीब पहुंचा दैनिक संक्रमण

भुवनेश्वर। ओडिशा में दैनिक कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। अब तक के अपने पिछ्ले सभी रिकार्ड को तोड़ते हुए प्रदेश में दैनिक संक्रमण पांच हजार के करीब पहुंच गया है और एक दिन में संक्रमण से पांच लोगों की जान भी चली गई है।

राज्य सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक प्रदेश में आज 4761 नए मामले सामने आए हैं। नए संक्रमित मरीजों में से 2785 क्वारेनटाइन से हैं जबकि 1976 स्थानीय लोग संक्रमित हुए हैं। प्रदेश में जब से कोरोना संक्रमण ने दश्तक दी है तब से लेकर आज तक इतने संक्रमण के मामले कभी भी सामने नहीं आए थे। खुर्दा जिले से सर्वाधिक 820 लोग संक्रमित हुए हैं जबकि सुन्दरगड़ जिले से 673, नुआपड़ा जिले से 534 लोग संक्रमित पाए गए हैं।

उसी तरह से बलांगीर जिलेसे 322, झारसुगुड़ा जिले से 234, बरगड़ जिले से 198, पुरी जिले से 193, सम्बलपुर जिले से 183, कटक जिले से 176, कालाहांडी जिले से 167, नवरंगपुर जिलेसे 154, केन्दुझर जिले से 103 लोग संक्रमित पाए गए हैं। इसके अलावा अनुगुल जिले से 81, बालेश्वर जिले से 84, भद्रक जिले से 63, बौद्ध जिले से 23, देवगड़ जिले से 31, ढेंकानाल जिले से 6, गजपति जिले से 31, गंजाम जिले से 49, जगतसिंहपुर जिले से 22, जाजपुर जिले से 86, कंधमाल जिले से 25, केन्द्रापड़ा जिले से 50, कोरापुट जिले से 31, मालकानगिरी जिले से 6, मयूरभंज जिले से 86, नयागड़ जिले से 63, रायगड़ा जिले से 60, सोनपुर जिले से 47 लोग संक्रमित मिले हैं। इसके साथ ही आज स्टेटपुल में रिकार्ड 600 लोग संक्रमित पाए गए हैं। प्रदेश में आज पाए गए 4761 नए मामले के साथ ही कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 3 लाख 77 हजार 464 तक पहुंच गई है। इनमें से 3 लाख 47 हजार 637 लोग स्वस्थ होकर अपने घर जा चुके हैं। 27 हजार 821 सक्रिय मामले हो गए हैं जिनका विभिन्न कोविड अस्पातल में इलाज चल रहा है। उसी तरह से आज 5 लोगों की मृत्यु के साथ ही कोरोना से मरने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 1953 हो गई है।

ओडिशा में कोरोना से पांच लोगों ने तोड़ा दम- 10 जिला रेड जोन घोषित

प्रदेश में बढ़ रहे संक्रमण के साथ ही कोरोना से मरने वाले मरीजों की संख्या में भी अब इजाफा होने लगा है। खासकर पश्चिम ओडिशा में स्थिति गम्भीर हो गई है। राज्य स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक प्रदेश में आज पांच लोगों की कोरोना से मौत हुई है। प्रदेश में आज जिन पांच लोगों की मौत हुई है, उसमें केन्दुझर जिले से 1, रायगड़ा जिले से 1, नुआपड़ा जिले से सर्वाधिक 3 लोग शामिल हैं। इसके साथ ही प्रदेश में कोरोना से मरने वाले मरीजों की संख्या 1953 तक पहुंच गई है।

तृणमूल कांग्रेस की राह में कांटा बना मनीष शुक्ला हत्याकांड

कोलकाता । उत्तर 24 परगना की बैरकपुर विधानसभा सीट पर तृणमूल कांग्रेस को दोहरी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। एक तरफ जहां भाजपा नेता मनीष शुक्ला की हत्या का मामला उसकी राह में कांटा बना हुआ है वहीं दूसरी तरफ पार्टी में असंतोष भी उसे परेशान कर रखा है। इस सीट पर भाजपा ने मनीष शुक्ला के पिता डा. चंद्रमणि शुक्ला को उम्मीदवार बनाया है। बताते चलें कि गत वर्ष अक्टूबर में उत्तर 24 परगना जिले के टीटागढ़ पुलिस स्टेशन से चंद कदमों की दूरी पर भाजपा नेता मनीष शुक्ला की हत्या गोली मार कर कर दी गई थी। हत्या का आरोप तृणमूल समर्थित बदमाशों पर लगा है।

बुलेट का जवाब बैलेट से देगी जनता चंद्रमणि शुक्ला- मनीष शुक्ला के पिता डा. चंद्रमणि शुक्ला का कहना है कि बैरकपुर की जनता इस बार बुलेट का जवाब बैलेट से देगी। उनका दावा है कि मनीष शुक्ला की हत्या का मामला इस बार के चुनाव पर असर डालेगा। भाजपा सूत्रों का कहना है कि बैरकपुर में भाजपा नेता मनीष शुक्ला की हत्या के बाद उनके पिता के राजनीति में आने के साथ मनीष के समर्थकों का बड़ा समर्थन उन्हें मिल रहा था। सियासी गलियारों में चर्चा है कि भाजपा इस घटना को भुनाने कोई कसर छोड़ना नहीं चाहती। इसी लिए मनीष शुक्ला के पिता डा.चंद्रमणि शुक्ला को ही पार्टी ने बैरकपुर सीट पर उम्मीदवार बनाया है।

पार्टी में असंतोष तृणमूल के लिए बना गले की हड्डी- बैरकपुर विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस ने जाने-माने फिल्म निर्देशक राज चक्रवर्ती को उम्मीदवार बनाया है। पिछ्ले दिनों विधानसभा क्षेत्र में कई जगहों पर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बाहरी उम्मीदवार बताकर राज चक्रवर्ती के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया था। इतना ही नहीं राज चक्रवर्ती को हराने का षड्यंत्र पार्टी के अंदर के लोग ही कर रहे हैं। यह आरोप बैरकपुर शहर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप घोष ने लगाया। साथी ही उन्होंने बिना किसी का नाम लिए अपनी ही पार्टी के नेतृत्व पर नाराजगी जाहिर की है।

बैरकपुर विधानसभा चुनाव 2021- बैरकपुर विधानसभा सीट पर पिछ्ले दो चुनावों से सत्ताधारी दल टीएमसी का कब्जा है। 2016 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी के शिलभद्र दत्त यहां से दूसरी बार विधायक चुने गए थे। माकपा के देबाशीष भौमिक को 7319 वोटों के मार्जिन से हराया था। तीसरे नंबर यहां भाजपा रही थी। बैरकपुर विधानसभा सीट पर पहली बार साल 1952 में वोट डाले गए थे, लेकिन इसके बाद इस सीट को समाप्त कर दिया गया। 2011 के चुनाव में यह दोबारा अस्तित्व में आई। 2011 के चुनाव में इस सीट पर टीएमसी ने कब्जा जमाया था।

चुनाव में गड़बड़ी फैलाने वालों की अब खैर नहीं, सीमावर्ती क्षेत्र में बीएसएफ अलर्ट; पकड़े 80 अपराधी

कोलकाता । बंगाल में जारी विधानसभा चुनाव में गड़बड़ी फैलाने का मंसूबा पाले अपराधियों की इस बार खैर नहीं है। राज्य में शेष तीन चरणों के चुनाव में सीमा पार से कोई अराजक तत्व चुनाव में किसी प्रकार की गड़बड़ी ना फैला सके इसके लिए भारत-बांग्लादेश सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पूरी तरह अलर्ट है। दरअसल, बंगाल के सीमावर्ती जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे अधिकतर संवेदनशील विधानसभा क्षेत्रों में छठे और सातवें चरण में ही मतदान है। उससे पहले बीएसएफ की सूचना पर सीमावर्ती क्षेत्र में सक्रिय कम से कम 80 अपराधियों को पहले ही पकड़ लिया गया है।

पुलिस को सौंपी अपराधियों की सूची- बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के प्रवक्ता व डीआइजी सुरजीत सिंह गुलेरिया ने बताया कि इन अपराधियों की सूची पहले ही पुलिस को सौंपी गई थी। इसके बाद पुलिस ने इन अपराधियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। गौरतलब है कि इससे पहले हर चुनाव में कथित तौर पर सीमा पार से व सीमावर्ती क्षेत्र में सक्रिय अपराधी गड़बड़ी फैलाते रहे हैं। लेकिन इस बार बीएसएफ ने पहले ही उन पर नकेल कस कर रख दिया है। इसके साथ ही इस समय अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पेट्रोलिंग भी काफी बढ़ा दी गई है। बीएसएफ डीआइजी ने बताया कि चुनाव के मद्देनजर सीमा पर हम अतिरिक्त सतर्कता बरत रहे हैं। हमारे जवान दिन- रात 24 घंटे कड़ी निगरानी रख रहे हैं।

बेहद ही संवेदनशील हैं यह सभी क्षेत्र- बताते चलें कि बांग्लादेश सीमा से लगे उत्तर 24 परगना, नदिया, मालदा व मुर्शिदाबाद समेत उत्तर व दक्षिण दिजाजपुर जिले में आगामी चरणों में चुनाव होने हैं। यह सभी क्षेत्र बेहद ही संवेदनशील हैं और राजनीतिक हिंसा व आपराधिक क्रियाकलापों के लिए कुख्यात है। इन जिलों की 1000 किलोमीटर से ज्यादा की सीमा रेखा बांग्लादेश से लगती है। इसमें से बड़े इलाके में अब तक फेंसिंग (बाड़) नहीं लगी है।

फेंसिंग नहीं होने के चलते अपराधियों व घुसपैठियों के लिए आवाजाही में आसानी होती है, ऐसे में इस बॉर्डर इलाके की सुरक्षा बीएसएफ के लिए बेहद ही चुनौतीपूर्ण कार्य है। खासकर दक्षिण बंगाल बॉर्डर का इलाका दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण बॉर्डर में से एक है, जिसमें उत्तर व दक्षिण 24 परगना, नदिया, मालदा व मुर्शिदाबाद जिले आते हैं।

आपदा में क्रूरता! रेमडेसिविर के नाम पर पानी भरकर बेच रहा था नर्स, पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली । देश में कोरोना के संक्रमण के बीच रेमडेसिवीर इंजेक्शन की कालाबाजारी भी जमकर हो रही है। कर्नाटक में भी एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जिसके खिलाफ स्थानीय पुलिस ने कार्रवाई की है। कर्नाटक पुलिस ने मैसूर में एक नर्स को रेमडेसिवीर इंजेक्शन की शीशी में खारा पानी और एंटीबायोटिक्स मिलाकर बेचने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।

कोरोना के लगातार बढ़ रहे मामलों के बीच इस जीवन रक्षक दवाई की मांग बढ़ गई है। मैसूर पुलिस को रेमडेसिवीर इंजेक्शन की कालाबजारी की जानकारी मिली। इसके बाद कार्रवाई की है। मैसूर के पुलिस कमिश्नर चंद्रगुप्त ने यह जानकारी दी है।

पुलिस को पता चला कि इस कालाबाजारी रैकेट के का मास्टरमाइंड गिरिश नाम का एक व्यक्ति था, जो कि पेशे से नर्स है। पुलिस कमिश्नर चंद्रगुप्त ने कहा, विभिन्न कंपनियों की रेमेडिसविर की बोतलों को रिसाइकिल करके एंटीबायोटिक्स और सलाइन से भरा और बाजार में उतारा गया। वह 2020 से ऐसा कर रहा था। हम इस रैकेट के असर का पता लगा रहे हैं और उसने कहां अपने स्टॉक की आपूर्ति की है। गिरीश ने खुलासा किया है कि वह अपने साथियों के साथ पिछ्ले साल से ऐसा कर रहा है। उसके साथियों को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है।गिरीश जेएसएस अस्पताल में बतौर स्टाफ नर्स तैनात था।

बंगाल की सियासत में बड़ा बदलाव, जहां कभी लगते थे लाल सलाम के नारे... आज वहां जय श्रीराम की गूंज

कोलकाता । विधानसभा चुनाव का नतीजा चाहे जो भी हो, ममता बनर्जी तीसरी बार मुख्यमंत्री बनें या फिर भाजपा अथवा वाममोर्चा-कांग्रेस-इंडियन सेक्युलर फ्रंट के संयुक्त मोर्चा को सत्ता मिले, इन सबके बीच अहम बात यह है कि भाजपा ने बंगाल की सियासत को बदल दिया है। यह बदलाव शहरों के साथ-साथ गांवों तक में जय श्रीराम, भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष से महसूस किया जा सकता है। चुनाव से पहले ही भाजपा अपनी वैचारिक लड़ाई बंग भूमि पर काफी हद तक जीत चुकी है। भगवा ब्रिगेड ने मुस्लिम तुष्टीकरण से लेकर ध्रुवीकरण और बांग्लादेश से आए मतुआ संप्रदाय को नागरिकता देने की बातें कहकर उन्हें बंगाल में पहचान की राजनीति की मुख्यधारा में लाकर खड़ा कर दिया है।

जयश्रीराम से हिंदुत्व और भारत माता की जय व वंदे मातरम से राष्ट्रवाद को धार दिया गया है। तुष्टीकरण और मतुआओं के माध्यम से पहचान की राजनीति जैसे दो अहम मुद्दे ममता बनर्जी ने अपने हाथों से ही भाजपा को सौंपा है जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को भुनाना खूब आता है। वहीं पर्दे के पीछे से भाजपा के अन्य नेता वाट्सएप और फेसबुक अभियानों से बार-बार घुसपैठ व गायों की तस्करी जैसे मुद्दों को हवा देकर लोगों के बीच माहौल बनाने में सफल रहे हैं। इसी का नतीजा है कि चाय की दुकानों से लेकर टीवी स्क्रीन तक पर अब चुनावी व सियासी बहस और विमर्श हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण के बिना संभव नहीं हो पा रहा है।

यही कारण है कि शीतलकूची में केंद्रीय बलों की गोलीबारी में मारे गए लोगों की धार्मिक पहचान कुछ मिनट में ही सार्वजनिक हो गई। इसलिए भाजपा के एक नेता ने यह कहने में संकोच नहीं किया कि जिस तरह से वोट लूट व हमले की कोशिश हुई थी, उसमें चार नहीं, बल्कि आठ लोगों को मार दिया जाना चाहिए था। ऐसे ही चुनावी मशीनें काम करती हैं, कभी जोर से तो कभी चुपचाप। प्रधानमंत्री मोदी चुनावी सभाओं में जब बोलते हैं तो 2019 तक उनका नारा होता था 'चुपचाप कमल छाप' और अब कह रहे हैं, 'अबकी बार जोर से कमल छाप।' इसके निहितार्थ और विचार को समझने की जरूरत है।

जिस बंग भूमि पर जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म हुआ, उसी धरती पर पहली बार भाजपा ने वैचारिकी की लड़ाई में काफी हद तक जीत दर्ज की है और सत्ता की दौड़ में कांग्रेसी व वामपंथी विचारों और प्रभाव को निस्तेज कर कांग्रेस से ही निकली सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के सम्मुख खड़ी है। इसे विडंबना ही कहेंगे कि विदेशों से आयातित (कार्ल मार्क्स, लेनिन, माओ की नीतियां, विचार व आदर्श) नीतियों, विचारों और आदर्शों पर चलने वाली वामपंथी पार्टियां बंगाल की धरती पर खूब फले-फूले, लेकिन हिंदुत्व व स्वदेशी सोच वाले जनसंघ की राजनीति हाशिए पर रही। भाजपा वही पार्टी है, जिसकी बुनियाद श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ से रखी थी। यह वक्त का ही चक्र है कि हाशिये पर रही भाजपा आज बंगाल की सत्ता के दौड़ में शामिल है और विदेश से आयातित विचारों-आदर्शों व नीतियों पर चलने वाली वामपंथी पार्टियां अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही हैं।

एक बार फिर से बंगाल करवट बदल रहा है। इसका अहसास 2019 के आम चुनाव में ही हो गया था। भाजपा ने प्रदेश की कुल 42 लोकसभा सीटों में से 18 पर जीत दर्ज की थी और वोट शेयर 42 फीसद था। क्या यह सब अचानक हुआ है यह ऐसा सवाल है, जिसका जवाब तलाशने के लिए फ्लैश बैक में जाना होगा। वर्ष 2017 में ओडिशा में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई थी जिसे संबोधित करने के महज 10 दिनों बाद ही भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह बंगाल पहुंच थे। वह भी उस जगह, जहां से चारू मजूमदार ने 1967 में सशस्त्र नक्सल आंदोलन की शुरुआत की थी। अमित शाह उत्तर बंगाल के नक्सलबाड़ी इलाके में पहुंचे थे। वहीं से बंगाल सहित पूरे देश में भाजपा का विस्तार अभियान शुरू हुआ था। लक्ष्य रखा गया था कि भाजपा के शीर्ष नेताओं से लेकर निचले स्तर के कार्यकर्ताओं तक को लोगों के घर-घर तक जाना है।

जब नुशरत भरूचा को मांजने पड़े थे बर्तन और करना पड़ा झाड़ू-पोछा!

प्यार का पंचनामा फेम ग्लैमरस एक्ट्रेस नुशरत भरूचा (Nushrratt Bharuccha) इन दिनों लगातार अपनी फिल्मों की शूटिंग में बिजी हैं. बीते दिनों राजकुमार राव के साथ वह फिल्म छलांग में नजर आईं थीं. वहीं अब उनकी एक और फिल्म अजीब दास्तान (Ajeeb Daastaans) भी OTT पर रिलीज हो चुकी है. लेकिन क्या आप सोच सकते हैं कि इतनी व्यस्त एक्ट्रेस को झाड़ू-पोछा और बर्तन मांझने का काम करना पड़ा था. यह बात किसी और ने नहीं बल्कि खुद नुशरत ने शेयर की है.

किरदार में जान डालने के लिए की मेहतन

दरअसल नुशरत भरूचा (Nushrratt Bharuccha) ने फिल्म 'अजीब दास्तान (Ajeeb Daastaans)' अब तक का उनका सबसे अलग किरदार निभाया है. इसमें वह नो मेकअप और घरेलू महिला का रोल निभा रही हैं. नुशरत ने आजतक से हुई बातचीत में बताया है कि उन्होंने अपने किरदार में जान डालने के लिए खुद मेड की तरह सारे काम किए.

ऐसे रोल मिलते नहीं इस बातचीत में नुशरत ने बताया, इस तरह के रोल करना मुझे काफी पसंद हैं, लेकिन मुझे ऐसे रोल मिलते ही नहीं. आपको बता दूं कि इस फिल्म में आपने जिस नुशरत को देखा वो बिना मेकअप और ग्लैमर के मैं ही हूं. मैं इस तरह के सीरियस रोल काफी पसंद करती हूं क्योंकि ये रोल मुझे एक एक्टर के तौर पर अपना हुनर दिखाने का मौका देते हैं.

अपने घर के झाड़ू, पोंछा और बर्तन धोए

इसके आगे नुशरत ने बताया, मैं आपको सच बताऊं तो इस रोल की तैयारी के लिए मैंने अपने घर पर ही झाड़ू, पोंछा और बर्तन धोने शुरु कर दिए थे. क्योंकि मैं एक काम वाली की हालत को ठीक तरह से मेहसूस करना चाहती थी. इस फिल्म में मैंने एक काम वाली बाई मीनल का किरदार निभाया है. इस किरदार की बोली को समझने और बोलना सीखने में मेरे को-एक्टर अभिषेक बनर्जी और डायरेक्टर राज मेहता ने मेरी मदद की है.

लॉकडाउन का दौर आया काम

नुशरत भरूचा की मानें तो इस फिल्म को अच्छे से कर पाने में लॉकडाउन का दौर बहुत काम आया. क्यों उस दौर में जब कामवालियों के आने जाने पर भी पाबंदी लग गई थी तो नुशरत ने घर का सारा काम खुद ही किया.

मलाइका अरोड़ा ने बेडरूम से शेयर की अपनी Sensational PIC, नाइट ड्रेस में गिराई बिजलियां

मलाइका अरोड़ा (Malaika Arora) एक ऐसी सेलेब हैं जो आए दिन सुर्खियों में बनी रहती हैं. मलाइका अपनी फिटनेस और हॉट अंदाज के लिए जानी जाती हैं. एक्ट्रेस ने एक बार फिर इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर से आग लगा दी है.

मलाइका की फोटो

47 साल की मलाइका (Malaika Arora Fitness) ने जिस तरह से अपने आपको फिट रखा है, वह वाकई काबिल-ए-तारीफ है. अब एक बार फिर उनका बोल्ड अंदाज लोगों को दीवाना बना रहा है. हाल में मलाइका (Malaika Arora Image) ने अपनी एक ऐसी तस्वीर पोस्ट की जिसमें लोग उनका यह अंदाज भी देखते रह गए.

बेडरूम से शेयर की फोटो

मलाइका (Malaika Arora Insta Story) ने हाल ही में अपनी इंस्टा स्टोरी पर बेहद बोल्ड फोटो शेयर की है. इसमें मलाइका को नाइट ड्रेस पहने हुए देखा जा रहा है. इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, घर पे रहो.

कुंभ मेले को लेकर किया था पोस्ट

मलाइका (Malaika Arora Social Media) की इस स्टोरी को फैंस खूब देख रहे हैं. इससे पहले मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक और तस्वीर शेयर की थी, जिसमें लोगों की काफी भीड़ दिखाई दे रही थी. मलाइका अरोड़ा ने हरिद्वार (उत्तराखंड) में जारी कुंभ मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ की तस्वीर इंस्टाग्राम स्टोरी में शेयर कर आलोचना की थी.

महाराष्ट्र में लगा है लॉकडाउन

आपको बता दें, देश में कोरोना मरीजों की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है। इसको लेकर सभी राज्य की सरकारें अलर्ट पर हैं. हर जगह इससे बचाव के लिए नाइट कर्फ्यू लगाया गया है. वहीं, महाराष्ट्र में 15 दिनों के लिए लॉकडाउन जैसी पाबंदियां लागू हैं. ऐसे में सभी लोग अपने-अपने घरों में कैद हैं.

कैटरीना कैफ का डीप नेक आउटफिट देख परेशान हुए सलमान खान, सबके सामने कहा- ड्रेस ठीक करो

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ (Katrina Kaif) और सलमान खान (Salman Khan) जब भी साथ आते हैं तो कोई ना कोई वीडियो वायरल होने ही लगता है. इनकी जोड़ी को जनता बहुत पसंद करती है. हाल ही में सलमान और कैटरीना का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है.

सलमान खानबॉलीवुड के दबंग खान यानी सलमान खान (Salman Khan) की जोड़ी कैटरीना कैफ (Katrina Kaif) के साथ खूब पसंद की जाती है. सलमान अक्सर कैटरीना पर प्यार लुटाते नजर आते हैं. हाल ही में सलमान और कैटरीना का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है. जिसमें सलमान, कैटरीना को ड्रेस ठीक करने के लिए कह रहे हैं.

कैटरीना कैफ की ड्रेस देख असहज हुए सलमान कैटरीना कैफ (Katrina Kaif) को लेकर सलमान (Salman Khan) अक्सर पजेसिव रहते हैं और ये बात उनके वीडियोज से साफ पता चलती है. इन दिनों सलमान खान का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें कैटरीना की डीप नेक ड्रेस देखकर सलमान थोड़े असहज हो गए और एक्ट्रेस को ड्रेस ठीक करने की सलाह दे डाली.

2017 का है वीडियो

यह वीडियो साल 2017 का है. कैटरीना और सलमान IIFA अवॉर्ड्स की प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे थे. सलमान (Salman Khan) ने ब्लैक कलर का सूट पहना हुआ था. वहीं, कैटरीना (Katrina Kaif) ने ऑरेंज स्ट्राइप ड्रेस पहनी हुई थी. इस ड्रेस का नेक काफी डीप था, जिसे लेकर सलमान को आपत्ति थी.

इस फिल्म में दोनों आएंगे नजर

आपको बता दें, सलमान और कैटरीना (Salman And Katrina) जल्द ही टाइगर 3(Tiger x) में साथ नजर आएंगे. फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई थी लेकिन कोरोना के चलते अभी शूटिंग रोक दी गई है. कैटरीना कैफ हाल ही में कोरोना पॉजिटिव पाई गई थीं, लेकिन अब उनकी रिपोर्ट निगेटिव आ गई है.

टाइगर श्रॉफ संग मालदीव रवाना हुईं गर्लफ्रेंड दिशा पाटनी

एयरपोर्ट पर खुली पोल

बॉलीवुड के एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ (Tiger Shroff) को एक्ट्रेस दिशा पाटनी (Disha Patani) भले ही अपनी रिलेशनशिप को सबके सामने एक्सेप्ट नहीं किया है. लेकिन दोनों आए दिन अपने एक साथ स्पॉट होते रहते हैं. सोशल मीडिया पर भी दोनों की केमिस्ट्री साफ नजर आती है. अब ये Rumored स्टार कपल वेकेशन के लिए मालदीव के लिए रवाना हो चुका है. अब दोनों के वेकेशन प्लान का राज तब खुला जब दोनों एक ही फ्लाइट से मालदीव रवाना हुए हैं.

सोशल मीडिया पर दिखी फोटो

फिल्मों की शूटिंग रुक चुकी है, महाराष्ट्र में कोरोना के केस भी काफी तेजी से बढ़ रहे हैं ऐसे में टाइगर श्रॉफ (Tiger Shroff) और दिशा पाटनी (Disha Patani) इस समय को यादगार बनाने की ठान ली है. दोनों ने इस समय में वेकेशन के लिए मालदीव के लिए उड़ान भरी है. सेलेब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने इंस्टाग्राम पर दोनों की फोटो शेयर करते हुए ये जानकारी शेयर की है. देखिए फोटो...

जबर्दस्त है लुक

लुक्स की बात करें तो यहां दिशा पटानी ट्यूब स्टाइल पिंक ब्रालेट के साथ ब्लू श्रग और रिप्ड जींस में काफी गॉजियस नजर आ रही हैं. वहीं टाइगर श्रॉफ ब्लू कलर के आउटफिट में नजर आ रहे हैं. दोनों ने कोरोना से बचाव के लिए मास्क भी लगाया हुआ है.

सोशल मीडिया पर कही थी ये बात

आपको याद दिला दें कि लगातार फैंस से रिलेशनशिप के बारे में पूछने पर बीते साल टाइगर ने इस बात का ऐलान किया था कि दिशा के साथ उनका कोई अफेयर नहीं है. लेकिन उनके फैंस इस बात को मानने को तैयार नहीं हैं. इसलिए तो जब भी ये दोनों साथ दिखते हैं तो इनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छा जाती है.

भारत को झटका: ओलंपिक जाने वाले बॉक्सर्स को कोरोना, महिला मुक्केबाज पॉजिटिव, शिविर बंद

नइ दिल्ली। कोरोना ने टोक्यो ओलंपिक का टिकट हासिल कर चुके और बेहद सुरक्षित माहौल में तैयारियां कर रहे खिलाडियों के बीच घुसपैठ बना ली है। टोक्यो का टिकट हासिल कर चुकी महिला बॉक्सर सिमरनजीत कौर के संक्रमित निकलने पर दिल्ली के आईजी स्टेडियम में चल रहे ओलंपिक शिविर को बंद कर दिया गया है। सभी निगेटिव बॉक्सरों को घर जाने के लिए कह दिया गया है, जबकि 22 संक्रमित बॉक्सर, सपोर्ट स्टाफ आईजी स्टेडियम में एकांतवास में रखे गए हैं। यही नहीं इस दौरान ओलंपिक का टिकट हासिल कर चुके तीन शूटरों को भी कोरोना ने घेर लिया है।

निगेटिव बॉक्सरों को घर जाने को कहा

आईजी स्टेडियम में 21 बॉक्सर और सपोर्ट स्टाफ संक्रमित निकलने के बाद ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुकी बॉक्सर सिमरनजीत, पूजा, लोवलीना को नेहरू स्टेडियम में शिफ्ट कर दिया गया था। यहां सिमरनजीत को भी तेज बुखार आया। उनके टेस्ट कराने पर उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव निकली। इसके बाद उन्हें भी एकांतवास में आईजी स्टेडियम भेज दिया गया। इसके बाद ही बॉक्सिंग फेडरेशन और साई ने टोक्यो का टिकट हासिल कर चुके महिला बॉक्सरों का कैंप बंद करने का फैसला लिया। पूजा और लोवलीना का भी टेस्ट कराया गया है। अगर उनकी रिपोर्ट निगेटिव आती है तो दोनों को तैयारियों के लिए बेल्लारी भेजा जाएगा।

शूटरों के टीकाकरण की उठी मांग

तीन शूटरों के संक्रमित पाए जाने के बाद एनआरआई ने सरकार से ओलंपिक जाने वाले खिलाड़ियों के टीकाकरण की मांग की है। शूटरों के संक्रमित पाए जाने के बाद कल से शुरू होने वाले शिविर को स्थगित कर क्रोएशिया में तैयारियों का फैसला लिया गया है। संक्रमित में एयर राइफल, पिस्टल के पुरुष, महिला शूटर शामिल हैं।

रवींद्र जडेजा राजस्थान के खिलाफ बीच मैच में करने लगे ये इशारे, किसे करना चाहते थे फोन

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन के 12वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 45 रन की बड़ी जीत दर्ज की। इस मैच में टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का सबसे बड़ा हाथ रहा। अहम मौके पर उन्होंने दो विकेट चटकाए और मैच के दौरान चार कैच भी लपके। इस प्रदर्शन ने मैच का रुख पलट दिया और टीम को लगातार दूसरी जीत मिली। राजस्थान की टीम के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। चेन्नई ने 9 विकेट के नुकसान पर 20 ओवर में 188 रन का स्कोर खड़ा किया जवाब में राजस्थान की टीम 9 विकेट के नुकसान पर 143 रन ही बना पाई। यह चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धौनी का 200वां मैच था। बतौर कप्तान दोहरा शतक बनाने वाले इस मैच जडेजा ने खास प्रदर्शन किया।

जडेजा ने बीच मैच में लगाया फोन

राजस्थान के विस्फोटक बल्लेबाज जोस बटलर 49 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे जब उनको जडेजा ने एक शानदार गेंद पर क्लीन बोल्ड कर दिया। इसके बाद इसी ओवर में उन्होंने शिवम दुबे को lb2 कर दिया। इस मैच में दो विकेट लेने के साथ उन्होंने 4 कैच भी पकड़े। मैच में चौथा कैच लेने के बाद उन्होंने खास इशारा किया।पहले तो जडेजा ने चार अंगुली दिखाते हुए इशारा किया और फिर कान पर हाथ लगाकर फोन लगाने का इशारा किया। इसके बाद उन्होंने कुछ लड़की कि अंदाज में डांस भी करके दिखाया।

चेन्नई की लगातार दूसरी जीत

पिछले मैच में पंजाब किंग्स की टीम को चेन्नई ने 106 रन के स्कोर पर ऑलआउट कर दिया था। इसके बाद 16वें ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल करते हुए जीत हासिल की थी। आज के मुकाबले में टीम ने 45 रन की बड़ी जीत दर्ज की है।

श्रीलंकाई टीम के पूर्व खिलाड़ी को आईसीसी ने 8 साल के लिए किया क्रिकेट से बैन

नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व खिलाड़ी दिलहारा लोकुहेटिगे को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आइसीसी ने कड़ी सजा दी है। दिलहारा लोकुहेटिगे को भ्रष्टाचार निरोधक न्यायाधिकरण ने आइसीसी के भ्रष्टाचार-निरोधी संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया है। इसी वजह से आइसीसी ने दिलहारा लोकुहेटिगे को एक या दो साल के लिए नहीं, बल्कि 8 साल के लिए क्रिकेट से बैन कर दिया है।

दिलहारा लोकुहेटिगे को 3 अप्रैल 2019 को बैन कर दिया गया था। हालांकि, उस समय उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित किया गया था, लेकिन अब वे किसी भी प्रकार से प्रोफेशनल क्रिकेट का हिस्सा अगले 8 साल नहीं होंगे। जैसा कि पहले पुष्टि की गई थी कि लिखित और मौखिक तर्क की पूर्ण सुनवाई और प्रस्तुतियों के बाद ट्रिब्यूनल ने दिलहारा लोकुहेटिगे को कई अनुच्छेदों के अनुसार दोषी पाया है। ञ्च10 लीग से लेकर टी20 लीग तक में उन्होंने खिलाड़ियों को अपने झांसे में फांसने का काम किया है। टी10 लीग के लिए प्रतिभागियों के लिए इसीबी एंटी करप्शन कोड के तीन मामलों को भंग करने के साथ अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की ओर से भी दिलहारा लोकुहेटिगे को ईसीसी द्वारा आरोपित घोषित किया गया है। इस मामले में उन पर कार्यवाही जारी है। आइसीसी के अधिकारी एलेक्स मार्शल ने इस बारे में कहा,अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में श्रीलंका का प्रतिनिधित्व करने के बाद, दिलहारा ने कई भ्रष्टाचार-विरोधी शिक्षा सत्रों में भाग लिया था और वे जानते थे कि उनका ये एक्शन आइसीसी के नियमों का उल्लंघन है। ऐसे में किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार में शामिल होने पर विचार करने वाले के लिए एक निवारक के रूप में काम करना चाहिए।

मयंक अग्रवाल बोले- रन नहीं बनाने के कारण मैं तनाव में नहीं था, मैं आईपीएल 2020 की तरह खेलना चाहता था

मुंबई। पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल फॉर्म में लौट आए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मयंक ने तूफानी फिफ्टी ठोककर आलोचकों को करारा जवाब दे दिया है। मैच के बाद मयंक अग्रवाल ने कहा है कि वह ज्यादा दबाव महसूस नहीं कर रहे थे और कोशिश कर रहे थे कि जो काम उन्होंने पिछले साल टीम के लिए आइपीएल में किया, वही काम वे इस साल भी टीम के लिए करें, क्योंकि दूसरे छोर से केएल राहुल धीमे बल्लेबाजी कर रहे थे। मयंक ने पिछले साल के सीजन में 424 रन बनाए थे, लेकिन इस आइपीएल की पहली पारी में वे 14 रन और दूसरी पारी में बिना खाता खोले आउट हो गए थे। हालांकि, 30 वर्षीय मयंक ने 36 गेंदों में 69 रन की पारी खेलकर साबित कर दिया कि वे किस किस्म के खिलाड़ी हैं। मयंक ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ÷मैं बहुत ज्यादा नहीं सोच रहा था, मैंने पिछले साल जो काम किया था, उसी काम को करने के लिए खुद को तैयार किया था और ऐसी ही योजना बनाई। मुझे लगा कि पिछले मैच में मेरी गेंद अच्छी थी, मैं इसके बारे में बहुत अधिक तनाव नहीं लेना चाहता था और आगे देखना चाहता था और इसलिए मेरे लिए यह काम किया।

उन्होंने आगे कहा, मैं नेट्स में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था और अच्छी स्थिति में पहुंच रहा ता। मैं पिछले मैच में नहीं रहना चाहता था और मैं अब खुश हैं, जिस तरह से मैंने बल्लेबाजी की। हालांकि, पंजाब किंग्स को मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा और मैच के बाद टीम के कप्तान केएल राहुल ने कहा कि उनकी टीम ने 15-20 रन कम बनाए। खुद केएल राहुल इस मैच में अच्छे स्ट्राइकरेट के साथ नहीं खेले थे। इसी का खामियाजा पंजाब की टीम को भुगतना पड़ा। पंजाब की टीम अपने आखिरी दो मैच हार चुकी है।

अतानु-दीपिका की जोड़ी

विश्व कप चरण की चुनौती को तैयार टीम इंडिया की नवविवाहित जोड़ी

नई दिल्ली । भारतीय तीरंदाज से ग्वाटेमाला में शुरू हो रहे विश्व कप चरण एक में चुनौती पेश करेंगे, जहां सब की नजरें अतानु दास और दीपिका कुमारी की नवविवाहित जोड़ी पर होंगी। कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के रद्द होने के बाद विश्व कप चरण एक पहली वैश्विक प्रतियोगिता है। भारतीय खिलाड़ियों के लिए यह इंतजार और भी लंबा रहा क्योंकि उन्होंने बर्लिन में जुलाई 2019 में विश्व कप चरण चार सर्किट में आखिरी बार वैश्विक प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था।

भारतीय खिलाड़ी लय वापस पाना चाहेंगे

कोरिया, चीन, चीनी ताइपे और तुर्की जैसे एशिया की मजबूत टीमों की गैरमौजूदगी अतानु और दीपिका के नेतृत्व में भारतीय

तीरंदाज टोक्यो ओलंपिक से पहले अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।

कोरिया ने पहले ही कहा है कि कोविड-19 महामारी के कारण लागू यात्रा प्रतिबंधों की वजह से वह ओलंपिक खेलों से पहले 2021 विश्व कप तीसरे चरण तक किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेगा।

एशिया की बड़ी टीमों की गैरमौजूदगी में यहां अमेरिकी और यूरोपीय देशों के बीच वर्चस्व की लड़ाई होगी। भारतीय तीरंदाज भी विशेषकर मिश्रित और टीम स्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। पहले ही ओलंपिक कोटा हासिल चुके अतानु, प्रवीण जाधव और अनुभवी तरुणदीप राय की तिकड़ी के लिए यह पहला वास्तविक परीक्षण होगा।

महिला वर्ग में, भारत को दुनिया की पूर्व नंबर एक दीपिका के जरिए एक व्यक्तिगत ओलंपिक कोटा मिला है, जो अंकिता भक्त और कोमलिका बारी के साथ पेरिस में अंतिम क्वालिफिकेशन प्रतियोगिता से पहले लय हासिल करना चाहेगी। अंडर-18 वर्ग की विश्व चैंपियन कोमलिका ने हाल के दिनों में अच्छा प्रदर्शन किया है। कंपाउंड तीरंदाजों की गैरमौजूदगी में भारत को महिलाओं की टीम और मिश्रित जोड़ी टीम से पदक जीतने की उम्मीद है। कंपाउंड तीरंदाजों को दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में कोच के संक्रमित होने के कारण टूर्नामेंट से नाम वापस लेना पड़ा।

एशियन वेटलिफ्टिंग: ओडिशा की आदिवासी बिटिया का कमाल, 26 साल बाद देश को दिलाया गोल्ड

नई दिल्ली। उड़ीसा के मयूरभंज जिले के गरीब आदिवासी परिवार से ताल्लुक रखने वाली झिल्ली दलबेहरा ने 26 साल बाद एशियाई वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में देश को स्वर्ण पदक दिलाया। झिल्ली ने ताशकंद में 45 किलो में कुल 157 किलो वजन उठाकर सोना जीता। हालांकि 2019 की एशियाई चैंपियनशिप में झिल्ली ने 162 किलो वजन उठाया था। तब उन्होंने यहां रजत जीता था।

झिल्ली से पहले एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने का कारनामा कर्णम मल्लेश्वरी और कुंजारानी देवी ने 1995 में एक साथ किया था। तब से अब तक इस चैंपियनशिप में कोई स्वर्ण पदक नहीं जीत पाया। हालांकि 45 किलो ओलंपिक में शामिल नहीं है। कोच विजय शर्मा का कहना है कि कंपटीशन नहीं होने के कारण झिल्ली से ज्यादा जोर नहीं लगवाया। उन्होंने स्नैच में 69 और क्लीन एंड जर्क में 88 किलो वजन उठाया। फिलीपींस की मैरी फ्लोर डियाज ने 135 किलो वजन उठाकर रजत जीता। विश्व कीर्तिमान बनाकर मीराबाई चानू जितनी खुशी महसूस कर रही हैं उससे कहीं ज्यादा राहत उन्हें पहली दो लिफ्ट फेल होने के बाद स्नैच की तीसरी लिफ्ट उठाने पर मिली थी। उस दौरान कोच, फेडरेशन के पदाधिकारी, साथी लिफ्टर सभी की सांसें थमी थीं। यह ठीक रियो ओलंपिक जैसी स्थिति थी। वहां मीरा क्लीन एंड जर्क में वॉश आउट हो गई थीं और एक मेडल देश के हाथ से निकल गया था। मीरा जानती थीं, इस बार ऐसा हुआ तो सब की अंगुलियां उनकी ओर खड़ी हो जाएंगी। उनके साथ कंधे से कंधा मिलकर खड़े रहे फेडरेशन, साई, मंत्रालय सब की गर्दन झुकेगी। यहीं मीरा ने अपने से कहा कि नहीं वह इस बार नहीं बिखरेंगी। उन्होंने प्रण लिया कि वह यह वजन हर हाल में उठएंगी और ऐसा ही किया।

युवा विश्व चैंपियनशिप: विंका और अलफिया सहित चार मुक्केबाज सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। एशियाई चैंपियन विंका और अलफिया पठान उन चार भारतीय मुक्केबाजों में शामिल हैं जिन्होंने पोलैंड के किलसे में चल रही पुरुष और महिला युवा विश्व चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। गीतिका और पूनम दो अन्य मुक्केबाज हैं जिन्होंने अंतिम चार चरण में जगह बनाई और इन्होंने देश के लिए कम से कम कांस्य पदक कर लिए। सभी चारों मुक्केबाजों ने अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। पानीपत की मुक्केबाज विंका ने 60 किग्रा वर्ग में अपनी कोलंबियाई प्रतिद्वंद्वी कैमिलो कैमेला को 5-0 से पराजित किया जबकि 2019 एशियाई जूनियर चैंपियन अलफिया (81 किग्रा से अधिक) ने भी इसी अंतर से हंगरी की मुक्केबाज रेका हॉफमैन को शिकस्त दी। पूनम ने 57 किग्रा वर्ग में कजाखस्तान की नाजेर्के सेरिक पर 5-0 से आसान जीत से सेमीफाइनल में प्रवेश किया। हरियाणा की गीतिका (48 किग्रा) ने रोमानिया की एलिजाबेथ ओस्तान पर शुरू से ही मुक्कों की बरसात कर दी जिससे रैफरी को पहले राउंड में ही मुकाबला रोकने के लिये मजबूर होना पड़ा। वहीं खुशी (81 किग्रा) को क्वार्टर फाइनल में तुर्की की बुसरा इसिलदार से हार मिली। पुरुषों के वर्ग में मनीष (75 किग्रा) और सुमित (69 किग्रा) ने क्रमश:जोर्डन के अब्दल्लाह अलाराग और स्लोवाकिया के होरवाथ पर 5-0 के समान अंतर से जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में स्थान सुनिश्चित किया।

लंबे अंतराल के बाद वेम्बले में दर्शकों की मौजूदगी में हुआ मैच

लीसेस्टर 52 साल बाद एफए के फाइनल में

लंदन। केलेची इयानाचो के गोल की मदद से लीसेस्टर सिटी 1969 के बाद पहली बार एफए कप के फाइनल में पहुंच गया। उसने साउथम्पन को 1-0 से हराया। इस मैच की खासियत यह भी रही कि एक साल से ज्यादा समय के बाद वेम्बले में दर्शकों की मौजूदगी में मैच हुआ। मार्च 2020 के बाद इंग्लिश फुटबॉल के राष्ट्रीय स्टेडियम में दर्शकों को आने की अनुमति नहीं थी। इस दौरान तीन बार लॉकडाउन हुआ। अब चूंकि कोविड-19 को लेकर कड़े नियमों में थोड़ी राहत दे दी गई है तो वेम्बले में सामाजिक दूरी का पालन करते हुए चार हजार दर्शकों को आने की अनुमति मिल गई। इनमें उत्तरी लंदन के 18 साल से ज्यादा उम्र के लोग थे जिनकी रिपोर्ट निगेटिव थी।

लीसेस्टर का फाइनल में चेल्सी से 15 मई को मुकाबला होगा। सरकार को उम्मीद है कि इसमें 21 हजार दर्शकों को अनुमति मिल जाएगी। हालांकि 11 जुलाई को यूरोपियन चैंपियनशिप के फाइनल में 90 हजार की दर्शक क्षमता वाले वेम्बले की 50 प्रतिशत दर्शकों को अनुमति की भी योजना है।

उससे पहले अगले महीने से सीजन के अंतिम दो राउंड में सभी प्रीमियर लीग मैदानों में दस हजार दर्शकों को अनुमति मिल सकती है।

आर्सेनल से फुलहम से अंक बांटे:

आर्सेनल की टीम को रविवार को फुल्हम के साथ 1-1 से ड्रॉ के साथ अंक बांटने पड़े। जोश माजा ने 59वें मिनट में पेनाल्टी पर फुल्हम को बढ़त दिलाई थी और आर्सेनल पर हार का खतरा मंडरा रहा था। इंजरी टाइम में आर्सेनल के स्थानापन्न खिलाड़ी एडी ने गोल कर दिया। उधर मैनचेस्टर यूनाइटेड ने बर्नले को 3-1 से हरा दिया। मैसन ग्रीनवुड ने 48वें मिनट में गोल कर मैनचेस्टर यूनाइटेड को बढ़त दिलाई लेकिन दो मिनट बाद जेम्स तारावास्की ने स्कोर 1-1 कर दिया था। मैसन ने अपना दूसरा गोल कर फिर बढ़त दिलाई और इंजरी टाइम में एडिनसन कावानी ने जीत सुनिश्चित कर दी। अब शेष छह मैचों में मैनचेस्टर यूनाइटेड का शीर्ष पर आना मुश्किल लग रहा है।

टोटेनहैम ने मैनेजर मौरिन्हो को हटाया :

टोटेनहैम ने महज 17 महीने में मैनेजर जोस मौरिन्हो को पद से हटा दिया जबकि टीम को लीग कप फाइनल की तैयारियों में जुटे थे। उन्हें नवंबर 2019 में नियुक्त किया गया था। वह टीम से चैंपियंस लीग में फिर से बेहतर प्रदर्शन नहीं करा सके। टीम दिसंबर में पहले स्थान पर थी लेकिन कुछ खराब नतीजों के कारण सातवें स्थान पर आ गई है।

> अब चूंकि कोविड–19 को लेकर कड़े नियमों में थोड़ी राहत दे दी गई है तो वेम्बले में सामाजिक दूरी का पालन करते हुए चार हजार दर्शकों को आने की अनुमति मिल गई। इनमें उत्तरी लंदन के 18 साल से ज्यादा उम्र के लोग थे जिनकी रिपोर्ट निगेटिव थी।

सीएसके ने आरआर को 45 रन से हराया: चेन्नई सुपर किंग्स 2 जीत के साथ पॉइंट टेबल में दूसरे नंबर पर, जडेजा और मोइन ने 4 ओवर में 5 विकेट लेकर मैच पलटा

मुंबई। आईपीएल 2021 सीजन के 12वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स को 45 रन से हरा दिया। मुंबई के वानखेड़े में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए CSK ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 188 रन बनाए। इसके जवाब में क्रक्रटीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 143 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ CSK पॉइंट टेबल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। चेन्नई की सीजन में 3 मैच में यह दूसरी जीत है। इससे पहले CSK ने पंजाब को 6 विकेट से ह्राया था। वहीं, उन्हें दिल्ली कैपिटल्स के हाथों 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

चेन्नई के ऑलराउंडर्स मोइन अली और रविंद्र जडेजा ने 4 ओवर के अंदर मैच पलट कर रख दिया। इन दोनों ने 12 से 15वें ओवर के बीच राजस्थान के 5 खिलाड़ियों को पवेलियन भेजा। जडेजा ने 12वें ओवर में जोस बटलर और शिवम दुबे को आउट किया। इसके बाद मोइन ने 13वें ओवर में डेविड मिलर और 15वें ओवर में रियान पराग और क्रिस मॉरिस को पवेलियन भेजा। जडेजा ने 2 विकेट के साथ 4 शानदार कैच भी लपके। उन्होंने मनन वोहरा, रियान, मॉरिस और उनादकट का कैच लिया।

राजस्थान टीम ने 8 रन के अंदर 5 विकेट गंवाए

राजस्थान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सैम करन ने राजस्थान को 2 झटके दिए। उन्होंने पहले मनन वोहरा को आउट किया। वोहरा 11 बॉल पर 14 रन बनाकर आउट हुए। जडेजा ने उनका शानदार कैच लपका।

सैम ने इसके बाद कप्तान संजू सैमसन को ड्वेन ब्रावो को हाथों कैच कराया। सैमसन 5 बॉल पर 1 रन ही बना सके।

45 रन पर 2 विकेट गंवा चुकी क्रक्रटीम को बटलर और शिवम ने संभाला। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 42 रन की पार्टनरशिप की।

अच्छी बल्लेबाजी कर रहे बटलर हालांकि फिफ्टी से चूक गए। जडेजा ने इस पार्टनरशिप को तोड़ा। उन्होंने

12वें ओवर की पहली बॉल पर बटलर को क्लीन बोल्ड किया। वे 35 बॉल पर 49 रन बनाकर आउट हुए।

राजस्थान टीम इससे उबर भी नहीं सकी थी कि जडेजा ने इसी ओवर की आखिरी बॉल पर शिवम दुबे को LBW किया। शिवम 20 बॉल पर 17 रन बनाकर आउट हुए।

90 रन पर 4 विकेट गंवा चुकी क्रक्रटीम को रियान और पिछले मैच के हीरो रहे डेविड मिलर से उम्मीद थी। पर मोइन ने इन्हें टिकने नहीं दिया। मोइन ने 13वें ओवर में मिलर को LBW किया। वे 5 बॉल पर 2 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद मोइन ने अपने अगले ही ओवर (15वें) में 2 और विकेट लिए। उन्होंने रियान पराग (3 रन) और क्रिस मॉरिस (0) को आउट किया। राजस्थान टीम ने 87 से 95 रन के बीच 5 विकेट गंवा दिए।

हालांकि, इसके बाद राहुल तेवतिया और जयदेव उनादकट ने कुछ अच्छे शॉट्स लगाए। पर तब तक काफी देर हो चुकी थी। 19वें ओवर में ड्वेन ब्रावो ने तेवतिया को आउट किया। तेवतिया 15 बॉल पर 20 रन बनाकर आउट हुए।

जयदेव उनादकट 17 बॉल पर 24 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें आखिरी ओवर में शार्दूल ठाकुर ने रविंद्र जडेजा के हाथों कैच कराया। इस तरह राजस्थान टीम 9 विकेट पर 143 रन ही बना सकी।

ब्रावो ने CSK को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया

CSK के लिए ड्वेन ब्रावो ने आखिर में 8 बॉल पर 20 रन की नाबाद पारी खेली और चेन्नई को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। CSK ने आखिरी 5 ओवर में 61 रन बनाए और 4 विकेट गंवा दिया। क्रक्र की ओर से क्रिस मॉरिस ने 2 और चेतन सकारिया ने 3 विकेट लिए।